प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

सुविचार

सफल मनुष्य बनने के प्रयास से बेहतर है
गुणी मनुष्य बनने का प्रयास।
एल्बर्ट आइंस्टीन

वर्ष - 18 | अंक 88 | दैनिक | रांची | मंगलवार 12 नवंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

रणथम्भौर से 10 साल में 29 टाइगर गायब

टी-86 बाघ की मौत के बाद जागा वन विभाग, लापता बाघों के रिकॉर्ड खंगालेगी कमेटी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में 3 नवंबर को बाघ टी-86 की हुई मौत के बाद खलबली मची है। लगातार हो रही बाघों की मौत और इनके गायब होने की घटनाओं ने विभागीय अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। 4 नवंबर को चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन (सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू) पवन कुमार उपाध्याय ने रणथम्भौर से गायब बाघों की जांच को लेकर तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है।

यह कमेटी अगले 2 महीने में रिपोर्ट देगी। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से पिछले 10 साल में 29 बाघ, बाघिन और शावक गायब हुए हैं।

बाघ की हत्या के बाद मची खलबली

कुछ दिन पहले ही रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में टाइगर टी-86 की हत्या का मामला सामने आया था। बारूद से हमला करके टाइगर को मौत के घाट उतारा गया था। इसके अलावा उसकी बॉडी पर चोट के भी निशान थे। इस घटना ने एक बार फिर बाघों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए थे। आला अधिकारियों तक यह मामला पहुंचा और बाघों की कम हो रही संख्या को लेकर जवाब-तलब होने लगा। पुराने रिकॉर्ड खंगाले जाने लगा।

- **बाघों को ढूंढने के क्या प्रयास हुए, इसकी भी जांच होगी-** कमेटी में राजेश कुमार गुप्ता एपीसीसीएफ (अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अध्यक्ष, सीएफ टी. मोहनराज (जयपुर) और मानस सिंह डीएफओ (केवलादेव, भरतपुर) को सदस्य नियुक्त किया गया है। अब कमेटी गायब हुए बाघों के रिकॉर्ड की भी जांच करेगी। साथ ही, फील्ड में जाकर हालातों का जायजा लेगी। खास बात यह है कि कमेटी यह भी पता लगाएगी कि गायब बाघों को ढूंढने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों ने आखिर किस तरह के प्रयास किए।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास प्रशंसनीय

सुमन कुमार

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में किए गए प्रयास प्रशंसनीय हैं।

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा से लेकर अन्य बुनियादी सुविधाओं का मुकम्मल इंतजाम निर्वाचन आयोग द्वारा किया गया है। बेहतर माहौल में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में सवैतनिक अवकाश का भी निर्देश दिया गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान जारी है। लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक मतदाताओं की सहभागिता हो। जनप्रतिनिधि के रूप में ऐसे लोग चुन कर आएं, जो क्षेत्रीय विकास को अपनी प्राथमिकता में रखें। हाशिए पर रह रहे लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कृतसंकल्पित हों। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदाताओं का भी कर्तव्य बनता है कि समाजहित, राज्यहित व राष्ट्रहित में अपने मताधिकार का प्रयोग अधिक से अधिक करें। स्वयं मतदान में भाग लें और अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करें।

गौरतलब है कि झारखंड में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के सीटों के लिए बुधवार (13नवंबर) को मतदान होना है। सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा किया जा रहा चुनाव प्रचार थम गया। विधानसभा का चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से हो, इसकी जवाबदेही शासन-प्रशासन के अलावा राज्य के हर एक मतदाताओं की भी है। अधिक से अधिक मतदाता मतदान में शामिल होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इस दिशा में सामूहिक प्रयास जरूरी है। हर एक वोट की अपनी कीमत है। इससे नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होता है। उम्मीदों की सरकार बनाने में मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। पूर्वांचल सूर्य मतदाताओं से अपील करता है कि लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाएं।

अखिलेश बोले

महाराष्ट्र चुनाव के बाद इनकी कुर्सी जाएगी

मुरादाबाद (एजेंसी)। अखिलेश यादव ने मुरादाबाद में चुनावी रैली की। उन्होंने सीएम योगी पर नाम लिए बिना कहा- सरकार का जो आजकल गुस्सा दिख रहा है वह सरकार बचाने का है। क्योंकि, दिल्ली वालों ने तय कर लिया है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद इनकी कुर्सी बचेगी नहीं। वह दिल्ली गए और चाहते थे कि अपना कुछ बनवा लें। वो अपना न बनवा पाए। कार्यवाहक (डीजीपी की तरफ इशारा) चल रहा है। दिल्ली वाले इंतजार कर रहे हैं कि कब कुर्सी छीन लें। हम भरोसा दिलाते हैं, उधर महाराष्ट्र में भाजपा हारेगी और यूपी में कुर्सी छिन जाएगी।

स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए पीएम मोदी, बोले-

हमें मिलकर उन्हें रोकना होगा

कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं

- **संत-महात्माओं ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया**

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा- कुछ लोग समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडताल धाम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। पीएम ने काशी और केदारनाथ मंदिर का भी जिक्र किया। पीएम ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की।

मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा- 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे- प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों के द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा- भारत के युवाओं की डिमांड पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं विश्व की जरूरतें पूरी करने तैयार है।

स्वामी नारायण ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया- पीएम ने कहा- भारत की विशेषता रही है जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारे आत्मसम्मान को जगाया। हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

महाकुंभ में विदेशियों को लेकर आए संत- मोदी ने कहा- स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बने

छह महीने का कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सभी राज्यों से भी ये बताने को कहा है कि उन्होंने प्रदूषण को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से भी कहा कि वह हितधारकों से परामर्श के बाद 25 नवंबर से पहले पटाखों पर 'स्थायी' प्रतिबंध लगाने पर फैसला करे। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध के उसके आदेश को गंभीरता से न लेने के लिए दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर प्रतिबंध पूरी तरह से लागू नहीं किया गया और महज दिखावा किया गया। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से उसके आदेश के पूर्ण पालन के लिए स्पेशल सेल बनाने का निर्देश दिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि बिना लाइसेंस के कोई भी पटाखों का उत्पादन और उनकी बिक्री न कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि कोई भी धर्म किसी भी ऐसी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण को बढ़ाती है या लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचाती है।

पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मिथुन चक्रवर्ती को धमकी

बोला- बकवास पर माफी मांगो वरना पछताना पड़ेगा; गैंगस्टर लॉरेंस का करीबी है

जालंधर (एजेंसी)। दुबई में बैठे पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने कोलकाता से भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को धमकी दी है। मिथुन चक्रवर्ती के एक सभा में दिए बयान पर शहजाद ने कहा कि मिथुन माफी मांग लें, वरना इस बकवास के लिए पछताना पड़ सकता है। भट्टी, लॉरेंस का करीबी है। उसे पाकिस्तानी डॉन फारुख खोखर का राइट हैंड माना जाता है। भट्टी ने 2 वीडियो जारी किए। पहले वीडियो में वह खुद मिथुन को धमका रहा है। जबकि, दूसरे वीडियो में मिथुन का बयान चलाकर पीछे से डायलॉग बोल रहा है।मिथुन 27 अक्टूबर को कोलकाता में अमित शाह की मौजूदगी में एक रैली में बोले थे- एक नेता ने कहा था कि यहां 70 प्रतिशत मुस्लिम हैं और हिंदू यहां 30 प्रतिशत हैं। हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे। मैं कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर भागीरथी में तो नहीं बहाएंगे, लेकिन तुम्हें तुम्हारी जमीन पर जरूर दफना देंगे।

घुसपैठिये की आदिवासी से शादी तो जमीन उसके नाम नहीं : अमित शाह

- **चंपाई सोरेन ने घुसपैठ रोकने को बोला, हेमंत ने कुर्सी से उतार दिया**

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरायकेला में चुनावी सभा की। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने के वादे का जिक्र किया। कहा कि हमारे रहते मुस्लिमों को कभी आरक्षण नहीं मिलेगा। हम आदिवासियों का हक छीनकर मुस्लिमों को नहीं देने देंगे। घुसपैठिये ने आदिवासी लड़की से शादी की तो जमीन उसके नाम नहीं होगी।

अमित शाह ने कहा- नोट गिनने वाली मशीनें थक गई, लेकिन पैसा खत्म नहीं हुआ। 350 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए भेजा था वो हेमंत सरकार खा गई। चंपाई सोरेन ने भ्रष्टाचार रोकने को कहा तो उनको अपमानित करके हटा दिया। अमित शाह ने कहा- इन्होंने 1000 करोड़ का मनरेगा घोटाला किया, सैनिकों की जमीन हड़प ली। हजारों करोड़ों रुपए का शराब घोटाला किया। राहुल गांधी लोगों को करोड़पति बनाने के लिए काम काम करते हैं, मोदी जी लाखों महिलाओं को लखपति बनाने के लिए काम करते हैं। पेपर लीक करने वालों को भाजपा सरकार बनने पर उल्टा लटाकर सीधा कर देंगे। पौने तीन लाख युवाओं को नौकरी देंगे।

प्रयागराज में 10 हजार छात्रों का प्रदर्शन

पुलिस का लाठीचार्ज, भगदड़ जैसे हालात

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में लोक सेवा आयोग कार्यालय (पीपीएससी) के सामने प्रदर्शन कर रहे कैंडीडेट्स को पुलिस ने लाठीचार्ज करके खदेड़ दिया। इस दौरान भगदड़ मचने से कई छात्र चोटिल हो गए। करीब 10 हजार छात्र अयोग के कार्यालय से थोड़ी दूर धरने पर बैठ गए हैं। नारे लगा रहे हैं कि बंटेंगे नहीं।

न्याय मिलने तक हटेंगे नहीं। सोमवार को यूपी पीसीएस और आरओ/एआरओ (रिव्यू और असिस्टेंट रिव्यू अफसर) परीक्षा के हजारों कैंडीडेट्स यूपी, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों से आयोग कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन पहले से ही तय होने के चलते पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था थी। आयोग से करीब 500 मीटर पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी।

कश्मीरी युवाओं में दिखा देशभक्ति का जोश

बारामूला (एजेंसी)। कश्मीरी युवा 'जिहाद' को नकारते हुए बारामूला में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे।

जानकारी के अनुसार कश्मीरी युवा सोमवार को भारतीय सेना में भर्ती अभियान में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में भर्ती अभियान 11 नवंबर से लेकर 17 जुलाई तक जारी रहेगा। 161 इन्फैंट्री बटालियन टेरिटोरियल आर्मी (होम एंड हर्थ) जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (जे.ए.के. एल.आई.) द्वारा आयोजित सेना भर्ती रैली के लिए सुबह से ही हजारों युवा उम्मीदवार एकत्र हुए।

बारामूला शहर के निवासी ताही अहमद डार भारतीय सेना में शामिल होने पर स्पष्ट रूप से उत्साहित थे। डार ने कहा कि वह बहुत खुश हैं। उसके माता-पिता गर्व महसूस कर रहे हैं। उसे सेना में शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उसके पिता भी सेना में थे, उनकी

भारतीय सेना में शामिल होने के लिए लगी लंबी लाइनें

वर्दी ने उसे सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। गंथमूला में सुबह 6 बजे शुरू हुआ भर्ती अभियान 17 नवंबर, 2024 तक जारी रहेगा, जिसमें प्रादेशिक सेना के भीतर विभिन्न सैनिक भूमिकाओं के लिए विभिन्न जिलों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

उम्मीदवारों ने बताया कि आज सुबह से ही उम्मीदवार सेना भर्ती अभियान में अपनी किस्मत आजमाने के लिए यहां एकत्र हुए। हजारों उम्मीदवार सुबह 4 बजे से ही पहुंचने लगे और भर्ती के लिए लंबी कतारें लग गईं। यह रैली बारामूला, कुपवाड़ा, गांदरबल, बडगाम और बांदीपोरा सहित निर्दिष्ट क्षेत्रों के योग्य उम्मीदवारों को दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक जांच और चिकित्सा परीक्षाओं से गुजरने का एक संरचित अवसर प्रदान करती है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की राम मंदिर उड़ाने की धमकी

जालंधर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नया वीडियो जारी कर अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। वीडियो में वह राम मंदिर को निशाना बनाने की बात कह रहा है। साथ ही पन्नू ने कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। मीडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। आतंकी पन्नू ने वीडियो में यह भी कहा कि हम हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे।

30 दिन के लिए जेल से बाहर आया आसाराम

आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज कराएगा, 11 साल में दूसरी बार पैरोल मिली

जोधपुर (एजेंसी)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा। उसे रविवार रात एम्बुलेंस के जरिए लाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के बाहर उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई।

हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आसाराम के इलाज के लिए अनुमति देने के आवेदन पर आदेश दिए थे। उसे 11 साल में दूसरी बार इलाज के लिए पैरोल मिली है। इससे पहले उसे अगस्त में 7 दिन की पैरोल मिली थी।

अनिश्चितकालीन छुट्टी मांगी थी- आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस सलूजा और यशपाल राजपुरोहित ने पैरवी करते हुए इलाज की अनुमति के लिए आवेदन पेश किया था। आसाराम के वकीलों ने जब तक अस्पताल से डॉक्टर छुट्टी नहीं दे देता, तब तक अनिश्चितकालीन अवधि तक इलाज की अनुमति मांगी थी।

सरकारी वकील अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने 30 दिन की अनुमति की दलील दी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आसाराम को 30 दिन इलाज के लिए पैरोल दी। इससे पहले 13 अगस्त को हाईकोर्ट ने 7 दिन की पैरोल दी थी। वह इलाज के लिए 11 वर्ष में पहली बार पैरोल पर आया था। तब आसाराम ने महाराष्ट्र के माधोबाग आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज करवाया था। उसके बाद आसाराम को फिर से जोधपुर की सेंट्रल जेल लाया गया था।

माइक्रो आब्जर्वर व सेक्टर ऑफिसर्स का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में सामान्य प्रेक्षक 29 बगोदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और 30 जमुआ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी की उपस्थिति में माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सभी को मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया तथा उनके कार्य एवं दायित्वों के संबंध में जानकारी दी गई।

सामान्य प्रेक्षक के द्वारा माइक्रो आब्जर्वर को मतदान के दिन की प्रक्रिया के संबंध में बताया गया। साथ ही सभी माइक्रो आब्जर्वर को ईवीएम व वीवीपीएटी की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कार्य-दायित्व व कर्तव्य पालन से लेकर मॉक पोल सहित मतदान की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। मॉक पोल से लेकर वास्तविक मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम के कंट्रोल यूनिट की सीलिंग पर पैनी नजर रखने के साथ दिनभर की सभी गतिविधियों को संबंधित प्रपत्रों में संधारित करने सहित अन्य प्रक्रियाओं पर ध्यान रखने की बातें बताई गई। इस प्रशिक्षण में प्रतिनियोजित सभी कर्मियों को चुनाव कार्य के सभी चरणों का विशेष एवं गहन प्रशिक्षण विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनेरो के द्वारा दिया गया। इसके साथ ही ईवीएम का हैंड्स ऑन भी कराया गया। जिस से चुनाव के समय ईवीएम सम्बन्धी किसी भी समस्या का निराकरण सेक्टर ऑफिसर्स के द्वारा भी तत्काल किया जा सके। इसके अतिरिक्त सेक्टर ऑफिसर्स को पोल डे एवं अन्य रिपोर्टिंग प्रपत्रों के सम्बन्ध में एवं माइक्रो आब्जर्वर को उनके कार्यों एवं जनरल आब्जर्वर को दिए जाने वाले प्रपत्रों के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक बतलाया गया।

करांटे में विजेता खिलाड़ियों का धनबाद स्टेशन में किया गया जोरदार स्वागत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। दसवीं आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में धनबाद के छह कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें धनबाद के खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक व चार कास्य प्राप्त किया। सोमवार को सभी खिलाड़ियों को धनबाद वापस लौटने पर स्टेशन में जोरदार स्वागत की तैयारी की गई। प्रशिक्षक कुंदन कुमार बांसफोर ने कहा झारखंड के धनबाद में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है। खिलाड़ियों को सहीं मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की जरूरत है। कराटे प्रशिक्षक कुंदन कुमार बांसफोर ने बताया कि सारे छह खिलाड़ियों ने अपना कटक में दमदार प्रदर्शन दिखाया और मेडल जीत कर धनबाद के साथ साथ समस्त झारखंड और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। विजेता खिलाड़ियों में दर्पण कुमारी बांसफोर (लिटिल स्टार प्ले और फन स्कूल), जूही रानी (दिल्ली पब्लिक स्कूल), शिवांगी शंकर (डीएवी पब्लिक स्कूल,कोयला नगर), काव्या खालखो (धनबाद पब्लिक स्कूल), विनीत कुमार बांसफोर (कोयलांचल पब्लिक स्कूल) है। वहीं इन खिलाड़ियों के प्रशिक्षक कुन्दन बांसफोर को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

हर वर्ग के लोगो का मिल रहा आशीर्वाद, इससे मैं अभिभूत हूं- राज सिन्हा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। धनबाद से भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा के जनसंपर्क अभियान दौरान भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने अक्षत छिटकर तो पुरुषों और बुजुर्गो ने माला पहनाकर राज सिन्हा का स्वागत किया। जिस गली मुहल्ले में राज सिन्हा गए वहां वहां लोगो ने भव्य स्वागत किया और राज सिन्हा जिंदाबाद के नारे लगाए। बरमसिया, भूदा, मनईटॉड, महावीर नगर, कुम्हार पट्टी, दुहाटांड़ में लोगो का भीड़ देखने को मिला। हर वर्ग के लोगो ने राज सिन्हा को जितने का आशीर्वाद दिया। वही जनसंपर्क के दौरान किन्नर समाज के लोगो ने राज सिन्हा को रिकॉर्ड तोड़ मतों से विजई होने का आशीर्वाद दिया।

जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान राज सिन्हा ने लोगो से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की और कहा कि पहले मतदान फिर जलपान करें। हर कोई अपने मत का प्रयोग जरूर करें। कहा कि इस बार लोग हेमंत सरकार से नाराज है। जनता इस बार गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। वही कहा कि आप सभी की असीम शुभकामनाओं, स्नेह और आशीर्वाद से मैं अभिभूत हूँ।

पोलिंग पार्टियों को किया गया रवाना

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,लोहरदगा। विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत दिनांक 13 नवंबर 2024 को मतदान कराने के लिए जिला के सुदूरवर्ती क्षेत्र के कुल 14 बूथों (सभी 72-लोहरदगा ST) के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। इनमें 03 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से हेली ड्रॉपिंग कराई गई। वहीं 11 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों को सड़क मार्ग से रवाना किया गया। 12 नवम्बर 2024 को 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के शेष 310 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों को सदर प्रखंड लोहरदगा के समीप बनाये गए डिस्पैच सेंटर से रवाना किया जाएगा। इससे पूर्व सदर प्रखंड कार्यालय परिसर लोहरदगा में बनाये गए डिस्पैच सेंटर में पार्टी मिलान कराया गया और पोलिंग पार्टी को ईवीएम/वीवीपैट हस्तगत कराया गया। पोलिंग पार्टियों को रवाना करते समय बीएस कॉलेज स्थित स्टेडियम लोहरदगा में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा समेत अन्य उपस्थित थे।

33-डुमरी विधानसभा चुनाव:आखिर क्यों नहीं कर पा रहे कोई प्रत्याशी अपनी जीत का दावा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

डुमरी। राज्य में होने जा रहे विधानसभा निर्वाचन 2024 में जहां झारखण्ड भर में ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है।मतदाताओं की तीमारदारी में प्रत्याशी एवं उनके समर्थक भिड़े हुए हैं।वहीं राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने तो इस चुनाव में अपना पूरा कुनबा ही उतार दिया है।इन दलों ने विपक्ष को घेरने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखा है।पूरी तरह आक्रामक रवैया अख्तियार करते हुए चुनाव प्रचार प्रसार ने जोर पकड़ लिया है।

33डुमरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भी प्रत्याशी अपने विधानसभा क्षेत्र के कोने कोने में हाजरी बजाने में लगे हुए हैं।कहीं कोई गांव,कस्बा,बस्ती,मोहल्ला नहीं छूट जाए,इसका पूरा पूरा ख्याल रखा जा रहा है।इन उम्मीदवारों के साथ उनके स्थानीय नेतानुमा चेहरे,तो कुछेक नए युवाओं के लाव लश्कर में क्षद्म मीडियाकर्मी यूट्यूबरों की टोली भी नजर आती है।जो मिर्च मसाले के साथ चौक चौराहों पर रुक रुक कर अपना झोला पोथा खोलकर आगे पीछे मोबाइल और कैमरे की फ्लैश चमकाकर उनमें नेता और विधायक के लायक अनसेंसर्ड स्वैग पैदा कर देते हैं।

यहां कुल बारह उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे हैं।कुछ अच्छी हवाबाजी दिखाने में मशगूल तो कुछ मन मारकर अपनी जिंदगी का आखिरी चुनाव बताकर हाथ जोड़ मिन्नते कर रहे हैं।तो कोई सब्जबाग दिखाने में पहले से ही काफी मशहूर रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर विभिन्न राजनीतिक दलो के प्रत्याशियों के तथाकथित समर्थकों में सोशल मीडिया पर घमासान मची है।लोग

एकदूसरे को ललकारने में समय खोटा कर रहे हैं।

नामांकन के दौरान एक बार बड़े नेताजी की हेलीकॉप्टर यहां उतर चुकी है। सीएम ने भी अपने पार्टी का हक जताते हुए हुंकार भर दी है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने इस बार यहां से उम्मीदवार नहीं उतारना ही मुनासिब समझा, पता नहीं कब किस कैमरे की जद में फिर आ जाते।जिससे वोटों के ध्रुवीकरण की संभावना क्षीण हुई जाती है।

एक दो दलों को छोड़ कर वैसे कोई मुख्य प्रत्याशी इस बार यहां चुनाव मैदान में नहीं हैं, जिसपर राजनीतिज्ञ विश्लेषकों की नजर हो।विभिन्न दलों में आपसी टूट फूट का सिलसिला नामांकन प्रक्रिया के क्रम में ही हो चुका है।

पूरे राज्य में यह निर्वाचन क्षेत्र हॉट सीट माना जाता है,अब जिस भी पार्टी की भी मानी जाती हो,इस बार मतदाताओं के मूड को पढ़ना अभी इतना सहज नहीं जान पड़ता है। इस विधानसभा क्षेत्र में जन समस्याओं की बात करें तो हर बार बेरोजगारी,स्वास्थ्य,शिक्षा की ही मुख्य रूप से बात की जाती है।भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध,रिश्वतखोरी,कृत्रिम अनाप शनाप खाद्य सामग्रियों की महंगाई,जमीन माफियाओं सेमुक्ति,स्वच्छता,सड़क रोजगार हेतु पलायन,जन सुविधाओं आदि की बात तो कोई नहीं करते।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि ना तो स्वास्थ्य विभाग और ना ही खाद्य पदार्थ सुरक्षा विभाग ही इस क्षेत्र में सक्रिय नजर आते हैं।माप तौल विभाग की तो बात ही नहीं करें।

डुमरी विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय दलों के नेता एवं कार्यकर्ता कई धड़ों में पूर्व से ही बिखरे माने जाते हैं। जिससे उनके प्रखंड अध्यक्ष तथा नेताओं की पकड़ क्षेत्र में ढीली ही रही है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि क्षेत्र के मतदाताओं पर इनकी पकड़ कमजोर मानी जाती रही है।

नतीजतन डुमरी विधानसभा सीट हेतु अभी कोई भी प्रत्याशी सिर उठाकर अपनी जीत का दावा नहीं कर पा रहे हैं।वहीं वोटरों की बात क्या पता, कब किस ओर ढल जाएं।

अवैध चुलाई शराब के विरुद्ध छापामारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,गिरिडीह। जिले में जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधाटाँड एवम् कंदाज़ोर गाँव में छापामारी की गई। छापामारी में अवैध चुलाई शराब बनाने वाले उपकरण,जावा महुआ एवम् भट्टी को विनष्ट किया गया और अवैध चलाई शराब को जब्त किया गया। अवैध चलाई शराब कारोबारी कुल 5 अभियुक्त के विरुद्ध फ़रार अभियोग दर्ज किया गया। जब्त सामग्री में जावा महुआ 5750 किग्रा अवैध चुलाई शराब 370 लीटर सम्मिलित थे। छापामारी का नेतृत्व रवि रंजन, अवर निरीक्षक उत्पाद, गिरिडीह द्वारा किया गया। इस छापामारी दल में माणिकान्त कुमार,थाना प्रभारी जमुआ, सशस्त्र बल एवम् गृह रक्षक जवान शामिल थे।

तीनजोरिया नदी तट पर कार्तिक उद्यापन कार्यक्रम

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। खेतको पंचायत निवासी नीलकंठ रजक धर्मपत्नी धनवा देवी सपरिवार द्वारा सोमवार को आयोजित कार्तिक उद्यापन कार्यक्रम में गिरिडीह के डुमरी निमियाघाट क्षेत्र से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।मौके पर खेतको तीनजोरिया नदी तट तक जलयात्रा निकाली। सचिन शास्त्री,रोहित शास्त्री,संजीव पांडेय के सानिध्य में नदी में ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ कलशों में जल भरा गया।

मौके पर उपस्थित ब्राह्मण शास्त्रियों ने कहा कि धर्मग्रंथों में कार्तिक मास के बारे में वर्णित

तथ्यों के अनुसार यह महीना स्नान, व्रत और तप के लिए सर्वोत्तम है। बैकुंठ की प्राप्ति के लिए महिलाएं 12 वर्ष तक कार्तिक मास में प्रात- स्नान करने के साथ ही दान-व्रत कर 13वें वर्ष में पूरे विधि-विधान से उसका उद्यापन करती हैं।कार्तिक मास में जो पुरुष-स्त्री व्रत धारण करते हैं,उन्हें अन्नदान करना चाहिए। गायों को हरा चारा देने सहित अपने भोजन के प्रथम ग्रास को गोग्रास के रूप में निकालना चाहिए। साथ ही धार्मिक कथाओं का श्रवण कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए गृहस्थ धर्म को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्तिक मास में ही भगवान शयन से उठे। पौराणिक मान्यता है कि भगवान कार्तिक शुक्ल द्वादशी को शयन से उठे और त्रयोदशी को देवताओं ने उनका दर्शन किया तथा चतुर्दशी को सभी देवों ने मिलकर उनका पूजन किया। इसलिए उद्यापन में चतुर्दशी तिथि को ही श्रीलक्ष्मी सहित श्रीविष्णु भगवान की पूजा करनी चाहिए। रात्रि में भजन-कीर्तन के साथ जागरण करना चाहिए। रात्रि जागरण का अति महत्व होता है। जागरण में जो लोग भजन-कीर्तन गाते हैं, वे सौ जन्मों के पाप से मुक्त होते हैं।यह व्रत कृष्ण की पत्नी सत्यभामा ने भी किया था।

झामुमो का तोपचांची प्रखंड के रोआम, ढांगी में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

तोपचांची (धनबाद)। तोपचांची प्रखंड अंतर्गत ढांगी पंचायत के ढांगी, रोआम मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा का के.के.तिवारी के नेतृत्व में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित की गई। जिसमें हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ-साथ महिलाएं भी शामिल हुई। सबों ने एक स्वर से विधायक मथुरा प्रसाद महतो को जिताकर हेमंत सरकार बनाने का प्रण लिया। इस दौरान आदिवासी नृत्य के साथ साथ खोरठा के सुपरस्टार मनोज देहाती एवं खोरठा गीतकार विनय तिवारी के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जनता को रुझान से या स्पष्ट हो चुका है कि झारखंड में फिर से माननीय

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार बनने वाली है। झामुमो नेता के.के.तिवारी ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है।कार्यक्रम का संचालन झारखंड सरकार से सम्मानित खोरठा के मशहूर गीतकार विनय तिवारी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन राजीव हिंदुस्तानी ने किया। इस मौके पर मुख्य रूप से झामुमो में जिला सचिव मन्नू आलम, केंद्रीय सदस्य अलाउद्दीन अंसारी, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष विकास तिवारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष लालचंद महतो, सचिव नवल किशोर केवट, खोरठा गीतकार विनय तिवारी, परितोष महतो, दिनेश महतो,अनुज महतो, गौरव तिवारी, मुखिया प्रतिनिधि अमर महतो, राजीव हिंदुस्तानी, संजय तिवारी, समाजसेवी राजीव तिवारी, भोला तिवारी, सत्यम तिवारी, दुलाल तिवारी, दयाशंकर तिवारी,भरत महतो, कमलेश तिवारी, अर्जुन महतो, राजीव गोप, नारायण ठाकुर, कार्तिक रवानी, महेंद्र दास, रूपेश तिवारी, गोपाल महतो, सीताराम महतो, श्यामल तिवारी, कैलाश तिवारी, ध्रुव चौबे, शहाबुद्दीन अंसारी, पुरन महतो, संतोष रवानी,सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

पहले मतदान, फिर जलपान करने का डीसीडीए ने लिया संकल्प

उपायुक्त ने की जिले वासियों से मतदान करने की अपील

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (डीसीडीए) के प्रतिनिधिमंडल ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से कहा कि आगामी 20 नवंबर को होने वाले लोकतंत्र के महापर्व में एसोसिएशन के 1600 से अधिक सदस्य, उनके परिजन एवं कर्मचारियों ने ÷पहले मतदान, फिर जलपान÷ करने का संकल्प लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने कहा कि जिले के सभी दवाई दुकान में आने वाले ग्राहकों से भी 20 नवंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की जा रही है। इससे संबंधित दवाई दुकान में पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं। उपायुक्त ने भी जिले वासियों से आगामी 20 नवंबर को लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेकर मतदान करने की अपील की। मौके पर अध्यक्ष ललित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल, सचिव धीरज कुमार दास, उपाध्यक्ष देवन तिवारी, राजेश सिंह, चंद्रशेखर गुप्ता, अनंत श्रीकृष्णा, अजय तुलस्यान, आदित्य अग्रवाल, सुमंतो सेनगुप्ता मौजूद थे।

हैलो वोटर रोड शो का आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,लोहरदगा। स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आज स्वीप कोषांग लोहरदगा की ओर से हैलो वोटर रोड शो का आयोजन शहरी क्षेत्र में किया गया। यह रोड शो लुथेरन विद्यालय मैदान लोहरदगा से प्रारंभ हुआ जो बरवाटोली चौक, न्यू रोड, पावरगंज चौक होते हुए नदिया हिंदू उच्च विद्यालय परिसर में जाकर संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा सभी शामिल प्रतिभागियों को मतदाता शपथ दिलायी गई और आगामी मतदाता 13 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। बताया गया कि मतदान सुबह 7 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। मतदाता पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 तरह के वैकल्पिक पहचान पत्र का उपयोग मतदान के लिए किया जा सकता है। कोई मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने से नहीं चूकें। इससे पूर्व हरी झंडी दिखाकर हैलो वोटर्स रोड शो को रवाना किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी-सह-वरीय पदाधिकारी, स्वीप कोषांग, लोहरदगा सीता पुष्पा, स्वीप कोषांग के सभी पदाधिकारी/कर्मी, नोडल शिक्षक, कैंपस एंबेसडर समेत आमजन शामिल हुए।

बाघमारा विधानसभा के सामान्य प्रेक्षक ने किया विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बाघमारा (धनबाद)। सामान्य प्रेक्षक 43-बाघमारा विधानसभा, हर्षित पी0गोसावी (आई0ए0एस0) के द्वारा 43-बाघमारा विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत अवस्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। सामान्य प्रेक्षक द्वारा रघुनाथपुर, फुलवार, श्यामडीह, दरिंदा, फुलारीटांड़, नवागढ़ आदि में कुल 20 मतदान केंद्रो का निरीक्षण किया।

सामान्य प्रेक्षक के द्वारा इन मतदान केन्द्रों से सम्बंधित मतदाताओं की कुल संख्या, महिला मतदाताओं की कुल संख्या, पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की कुल संख्या, 85+ मतदाताओं की कुल संख्या एवं होम वोटर की कुल संख्या आदि के सन्दर्भ में सम्बंधित बूथों के बीएलओ से जानकारी प्राप्त किया गया। सामान्य प्रेक्षक ने पेयजल, शौचालय एवं बिजली की स्थिति के सन्दर्भ में आवश्यक निर्देश दिये।

साथ ही उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाघमारा को मतदान केन्द्रों एवं उसके आस-पास सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने का निदेश दिया। निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक 43-बाघमारा विधानसभा, हर्षित पी0गोसावी के साथ नगर मिशन प्रबंधक अमनदीप उपस्थित थे।

सेवानिवृत शिक्षक राम सुचित मिश्रा का निधन, शोक की लहर

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,मेदिनीनगर/हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत दंगवार निवासी सेवा निवरित शिक्षक राम सुचित मिश्रा का निधन सोमवार की सुबह हो गया।वे विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्हें घर में गिरने से सिर में गंभीर चोट आई थी ।उनका फिलवक्त इलाज जमुहार स्थित अस्पताल में चल रहा था वे वेंटिलेशन पर थे।। सोमवार की सुबह ह्रदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई।वे दो दिन पूर्व ही हेरिटेज हॉस्पिटल बनारस से इलाज करा करके अपना घर दंगवार वापस आए थे। उनको सांस लेने में परेशानी हो रही थी। चिकित्सको ने बताया था कि इनका दोनों किडनी काम करना बंद कर दिया हैं।वे बिगत दो दिन से खाना पीना भी छोड़ दिए थे। स्वर्गीय मिश्रा के दो पुत्र। सुनील मिश्र व प्रभव विनय मिश्र व दो पुत्रियां हैं ।उनका अंतिम दाह संस्कार दंगवार स्थित सोन नदी घाट पर मंगलवार को किया जाएगा। उनके निधन की खबर सुनते ही शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त किया है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में विजयानंद सरस्वती ,अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय, कांग्रेसी नेता नवल किशोर पाठक, संजय मिश्रा, उमेश पाठक ,सुरेश पाठक, सत्यनारायण पाठक, राजेंद्र मिश्रा, धनंजय मिश्रा,अरुण मिश्रा,प्रेम पाठक, रंजीत कुमार मिश्र, आदि लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा कहा है कि स्वर्गीय मिश्रा व्यवहार कुशल मृत्यु भाषी व साहित्य के अच्छे ज्ञाता थे। उन्होंने कई पुस्तक की रचना की है ।उनके निधन से शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज को अपूरणीय क्षति पहुंचा है। ईश्वर शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य प्रदान करें।

अग्रसेन पथ के श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम प्रभु का जन्मोत्सव आज

श्री श्याम प्रभु का भव्य श्रृंगार और संगीतमय संकीर्तन होगा आकर्षण का केंद्र

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में मंगलवार को श्री श्याम प्रभु का जन्मोत्सव धूम धाम के साथ आयोजित किया जाएगा । इस अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्री श्याम प्रभु सहित शिव परिवार एवं बजरंगबली का विशेष श्रृंगार किया जाएगा । ज्ञातव्य है कि कार्तिक शुक्ल एकादशी को श्री श्याम प्रभु का जन्म हुआ था। मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से प्रारम्भ होगा । श्री श्याम प्रभु के दिव्य शीश के सन्मुख अखण्ड ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा श्री श्याम प्रभु की सेवा में संगीतमय संकीर्तन किया जायेगा। साथ ही इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा , छप्पन भोग एवम विभिन्न प्रकार के मिष्ठान का भोग अर्पित किया जायेगा । उक्त जानकारी सुमित पोद्दार (मीडिया प्रभारी) ने दी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर शिकायत दर्ज

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर भाजपा द्वारा प्रसारित विज्ञापन एवं गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ ज्ञापन सौंपा और शिकायत दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा और चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के विरुद्ध उनके द्वारा पलामू के छतरपुर विधानसभा में नौ नवंबर को एक जनसभा में राहुल गांधी का उल्लेख कर कश्मीर में धारा 370 की वापसी, एससी/ एसटी., ओबीसी का आरक्षण छीन कर अल्पसंख्यक विशेष कर मुस्लिम समुदाय को दे देने जैसे झूठे बयान बाजी पर शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की गई।

इसके साथ ही साथ चुनाव आयोग को कहा गया है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राजद के नेता तेजस्वी यादव का भ्रामक विज्ञापन सोशल मीडिया के द्वारा भाजपा करा रही है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है। कृपया इस पर संज्ञान लेते हुए अविलंब कार्रवाई की जाये। उक्त जानकारी राकेश सिन्हा (मीडिया प्रभारी, झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी) ने दी।

राउंडटेबल एवं लेडीज सर्कल का महावीर आई अस्पताल के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

मोतियाबिंद के चिन्हित मरीजों का ऑपरेशन होगा निःशुल्क

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। रांची समारीटन राउंडटेबल-244 एवं लेडीज सर्कल-169 ने भगवान महावीर आई अस्पताल के संग हजाम बस्ती हटिया स्थित राउंडटेबल द्वारा निर्मित पारसनाथ पब्लिक स्कूल में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस नेत्र जांच शिविर में स्कूल के छात्रों एवं शिक्षकों ने नेत्र जांच करवायी। साथ ही आसपास के सुदूर ग्रामीण इलाकों से कई बुजुर्ग लोगों ने भी नेत्र जांच करवाया।

शिविर में जिन बुजुर्गों को मोतियाबिंद से ग्रसित पाया गया, उनकी भगवान महावीर आई अस्पताल में फेको पद्धति से निःशुल्क मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए बुलाया गया। इस कैम्प के माध्यम से राउंडटेबल, लेडीज सर्कल एवं महावीर आई अस्पताल बच्चों एवं बुजुर्गों के आंखों की देखभाल के लिए जागरुक किया। नेत्र जांच शिविर के सफल आयोजन में भगवान महावीर अस्पताल के अध्यक्ष पूरणमल जैन, स्कूल के प्रिंसिपल राजु कुमार, शिवानंद प्रसाद, लेडीज सर्कल की चेयरपर्सन प्रीति सराफ, राउंडटेबल-244 के अविनाश जैन, आयुष मोदी, आकाश खोसला, नीतीश जयसवाल, सुमन जयसवाल, संचित राजगढ़िया, साकार मोहता, पौरुष जैन, दुबराज महतो, टेकनीशीयन लालेश्वर, ममता कुमारी सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पारसनाथ पब्लिक स्कूल में कराया आठ क्लासरूम व दो टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण

रांची समारीटन राउंडटेबल एवं लेडीज सर्कल ने हजाम बस्ती, हटिया स्थित पारसनाथ पब्लिक स्कूल में अब तक दो फ़्लोर में आठ क्लासरूम एवं दो ट्वायलेट ब्लॉक का निर्माण करवाया है। विदित हो कि राउंडटेबल इंडिया अंडरप्रिविलेज्ड बच्चों के लिए स्कूल का निर्माण करती है, जिसके तहत देशभर में अबतक नौ हज़ार से ज़्यादा क्लासरूम का निर्माण संस्था द्वारा किया जा चुका है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की सराहनीय पहल

मतदान कर उंगली पर स्याही दिखाएं और गरूड़ आई हॉस्पिटल में नि :शुल्क नेत्र जांच कराएं

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव में सरकारी स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान निरंतर जारी है। चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी सराहनीय पहल की जा रही है। विभिन्न संस्थाओं/प्रतिष्ठानों की ओर से मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इस दिशा में राजधानी रांची के अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड पर चापुटोली में अवस्थित गरूड़ आई हॉस्पिटल द्वारा सराहनीय पहल की गई है। इसके तहत मतदाताओं के लिए निःशुल्क आंखों की जांच का ऑफर दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने घोषणा की है कि मतदान दिवस (13 और 20 नवंबर) के

दिन कोई भी मतदाता अपनी उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर आंखों की जांच निःशुल्क करा सकता है। प्रबंधन का कहना है कि यह पहल चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक यह एक अनोखी पहल है, जो लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझने और समाधान प्रदान करने के साथ-साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित करेगी।

कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जायसवाल समर्थकों संग भाजपा में हुए शामिल

- कांग्रेस ने अपना चरित्र खो दिया है – डॉ.रविंद्र राय
- पूरी प्रोफेशनल कांग्रेस भाजपा में होगी शामिल– आदित्य विक्रम

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार (11 नवंबर) को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जायसवाल ने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.रविंद्र राय ने उनका भाजपा में स्वागत किया।

मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.रविंद्र राय ने कहा कि आजादी के समय पूरे देश में एक ही दल, कांग्रेस होता था। उसके बैनर तले हर देशप्रेमी देश और आजादी के लिए काम करता था। धीरे-धीरे कांग्रेस ने अपना चरित्र खो दिया।

देशभक्ति के साथ राजनीति करने का चरित्र खो दिया। देश सेवा का मिशन खो दिया। महात्मा गांधी, सरदार पटेल जैसे महापुरुषों के आदर्श को खो दिया। कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे अलगाववादी पार्टी की पिछलग्गू बन गई है। देशद्रोही राजनीति का इतिहास रखने वाले कम्युनिस्ट की अनुयाई बन गई। जहर बोने वाले राजद जैसे क्षेत्रीय दलों की सहकर्मी बन गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भाव को दबाकर कांग्रेस में बने रहने वाले लोग अब भाजपा में आ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसा दल है जो चुनाव के लिए नहीं, देश के लिए राजनीति करती है। सत्ता के लिए नहीं, सेवा और समर्पण के लिए राजनीति करती है। भारत की संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए चुनाव लड़ रही है। भाजपा पार्टी नहीं परिवार है। यह देश के लिए राजनीति कर रही है। देश भक्ति का इतिहास पढ़कर कांग्रेस में जाने वाले लोग धीरे-धीरे भाजपा में शामिल होंगे। राजधानी रांची में कांग्रेस का एक मजबूत किला ध्वस्त हो गया है।

इस अवसर पर आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र राय और भाजपा की नीति से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुआ हूं। मेरी पांच पीढ़ी कांग्रेस में रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड और देश हित के लिए भाजपा में आए हैं। हमलोग हमेशा राष्ट्रवाद के पुजारी रहे हैं। कांग्रेस और झामुमो की सरकार स्वार्थ के साथ काम कर रही है। यहां युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जो वादा किया, उसे पूरा नहीं किया। अगर झारखंड को बचाना है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल कांग्रेस के सभी पदधारी सहित 1000 से ज्यादा सदस्य भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। झारखंड के लोगों से उन्होंने सोच समझकर वोट देने और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजधानी और राज्य में गुंडागर्दी रोकनी हो तो भाजपा को वोट दें।

उनके साथ प्रभात कुमार, भुवनेश ठाकुर, विद्याकर कुंवर, सरवर पॉल, एएनएम एंड्र्यू, अनिल कुमार सिंह, सूरज झा, गौरव आनंद, मयूर जायसवाल, विकास कुमार, निशांत जयसवाल सहित अन्य भी भाजपा में शामिल हुए।

इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहन गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने की इंडिया गठबंधन को समर्थन देने की अपील

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। इंडिया गठबंधन के घोषणा पत्र में कल्याणकारी योजना के साथ ही ओबीसी समुदाय के लिए स्वतंत्र ओबीसी मंत्रालय गठन करने एवं मंडल कमीशन के हिस्से को भी शामिल किया है, जो हमारे समुदाय की समस्याओं को हल करने में बहुत बड़ा मदद करेगा। समाज में समानता की दिशा में आगे बढ़ाएगा। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता में कही।?

श्री गुप्ता ने कहा कि ओबीसी स्वतंत्र मंत्रालय व मंडल कमीशन के हिस्से को घोषणा पत्र में शामिल करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन,भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो

कमलेश, प्रभारी गुलाम अहमद मीर साहब व तेजस्वी यादव के प्रति राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा आभार व्यक्त किया।

श्री गुप्ता ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में जाति जनगणना करने और 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा को तोड़ने का संकल्प दोहरा रहे हैं। यह मांग वर्षों से राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा करता रहा है। यह हमारे समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो समाज में समानता और न्याय की दिशा में आगे बढ़ाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी समुदाय के साथ वादा खिलाफी की है। ओबीसी का आरक्षण नहीं बढ़ाया और इसके बजाय ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया परंतु ओबीसी के अधिकार और न्याय देने में असंवेदनशील हैं। दूसरी तरफ गठबंधन के हेमंत सरकार के द्वारा 11 नवंबर 2022 को मंत्रिमंडल में और विधानसभा से ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढा कर 27 प्रतिशत कर नौवीं अनुसूची में डालने के लिए राज्यपाल के पास भेजा गया है जो लंबित है। यह इंडिया गठबंधन को समर्थन करने के लिए प्रेरित करता है।

इसलिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा तमाम ओबीसी समुदाय से अपील करता है कि इंडिया गठबंधन के समर्थन में वोट करें।

प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष एसएन सिंह कुशवाहा, महासचिव मोहम्मद अल्तमश,राम अवतार कश्यप, महिला मोर्चा महासचिव पूनम देवी,दीनानाथ प्रसाद, लालदेव साव उपस्थित थे।

चैंबर द्वारा मतदाता जागरूता की पहल

हस्ताक्षर अभियान चला कर मतदाताओं को किया गया प्रेरित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढे, इस उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग की सहमति से क्रमवार तरीके से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं के बीच हस्ताक्षर अभियान के साथ ही शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में बैनर/पोस्टर लगाकर 13 और 20 नवंबर को चुनाव के दिन मतदान करने की अपील की जा रही है। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि शहरी क्षेत्र के वोटरों में उत्साह जगाना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। क्योंकि प्रत्येक चुनाव में शहरी क्षेत्र में मतदाताओं की उदासीनता देखी जाती है। लोकतंत्र के इस त्यौहार में सभी मतदाताओं की भूमिका अहम है और इसमें सभी की भागीदारी होनी ही चाहिए। राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए शत प्रतिशत मतदान बेहद जरूरी है। इस चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इस हेतु फेडरेशन द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता के कई प्रयास किये जा रहे हैं।

चैंबर अध्यक्ष ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव की तर्ज पर आगामी विधानसभा चुनाव में भी स्याही का निशान दिखाते हुए वोटर्स को चैंबर के पोर्टल से जागरूक मतदाता सर्टिफिकेट डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विदित हो कि लोकसभा चुनाव 2024 में चैंबर द्वारा उपलब्ध कराई गई इस सुविधा के तहत कुल 1872 लोगों ने सर्टिफिकेट डाउनलोड किया था, जिसकी चहुंओर प्रशंसा हुई थी।

बरकट्ठा,बरही,बड़कागांव,हजारीबाग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 13को

क्रिटिकल मतदान केंद्र सीएपीएफ एवं अन्य मतदान केंद्र जिला पुलिस बल से होंगे आच्छादित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मतदान की तैयारी को लेकर सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय और पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप प्रेसवार्ता किया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया और निर्वाची पदाधिकारी हज़ारीबाग अशोक कुमार मौजूद रहे। प्रेसवार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय ने बताया कि हजारीबाग जिला अंतर्गत बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव एवं हजारीबाग विधानसभा चुनाव की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। हजारीबाग जिला अंतर्गत आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन से संबंधित कुल 04 मामले प्रकाश में आए हैं। जिसमे चौपारण प्रखंड से एक, बरकट्ठा प्रखंड से दो, और केरेडारी प्रखंड से एक मामला प्रकाश में आया है। सभी मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से किसी भी अन्य प्रकार का राजनीतिक कार्यक्रम निषेध है। प्रचार-प्रसार समाप्ति के उपरांत किसी भी प्रकार का राजनीतिक जुलूस/प्रोसेशन/कार्यक्रम एवं अन्य प्रकार का कार्यक्रम आयोजित करना निषेध है। घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। हजारीबाग जिला अंतर्गत अब तक निर्वाचन से

संबंधित किसी भी प्रकार का हिंसा आदि की सूचना प्राप्त नहीं है।

उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान हेतु बेहतर एवं सुव्यवस्थित तरीके से तैयारी की गई है। हजारीबाग जिला अंतर्गत बरकट्ठा, बरही,बड़कागांव एवं हजारीबाग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13नवंबर को मतदान प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होकर संध्या 5 बजे तक चलेगा। बड़कागांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 01 से 06 एवं 77 से 88 में कुल 18 मतदान केंद्रों पर 4 अपराह्न तक मतदान कराया जाएगा।प्रत्येक मतदान केंद्र का वेबकास्टिंग किया जा रहा है, इसकी निगरानी जिला मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम द्वारा किया जाएगा। प्रथम चरण के मतदान हेतु हजारीबाग जिला अंतर्गत बरकट्ठा में 19,बरही में 29, बड़कागांव में 41 एवं हजारीबाग में 36, कुल 125 माइक्रो आब्जर्वर को नियुक्त किया गया है जो मतदान की प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। वैसे मतदान केंद्र जहां पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है, वहां पर एक अतिरिक्त मतदान कर्मी की प्रतिनियुक्ति की गई है जिससे मतदाताओं को शीघ्र मतदान करने में सुविधा होगी। प्रथम चरण के मतदान हेतु हजारीबाग जिला अंतर्गत बरकट्ठा में 48, बरही में 57, बड़कागांव में 36 एवं हजारीबाग में 80, कुल 221 सेक्टर मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान में अपना योगदान देंगे। आपात स्थिति के लिए सभी सेक्टर दंडाधिकारियों को रिजर्व एवं विविपैट उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी क्रिटिकल मतदान केंद्र सीएपीएफ एवं अन्य मतदान केंद्र जिला पुलिस बल से आच्छादित होंगे जो किसी भी असामाजिक तत्वों को नियंत्रित करेंगे।

समाहरणालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित

13 नवंबर को मतदान के दिन के लिए समाहरणालय सभा कक्ष में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो दुरभाष संख्या 06546-220237, 06546-220238 एवं 06546-220242 पर तथा जिला निर्वाचन शाखा के ईमेल आईडी election.hzb@gmail.com पर भेजी जा सकती है। साथ ही सभी निर्वाची पदाधिकारी के स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।विधानसभा आम चुनाव 2024 के सफल संचालन के निमित्त 12 नवंबर को पूर्वाह्न 7 बजे से हजारीबाग जिला के बरकट्ठा एवं बरही एवं हजारीबाग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान दलों का नियुक्ति पत्र, सामग्री एवं ईवीएम का वितरण विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से किया जाएगा। उक्त स्थल से संबंधित कर्मियों को मतदान केंद्र पर पहुंचाने हेतु अलग-अलग वाहन की व्यवस्था की गई है। मतदान के पश्चात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का ईवीएम कृषि उत्पादन बाजार समिति, हजारीबाग में जमा किया जाएगा।

20-बरकट्ठा, 21-बरही एवं 25-हजारीबाग के विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर दंडाधिकारियों द्वारा nused Reserve EVM एवं Non-functional EVM कृषि उत्पादन बाजार समिति हजारीबाग में जमा किया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान हेतु सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी कर ली गई है। कुल 40 कंपनियां मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि हजारीबाग जिले में कुल 1372 मतदान केंद्र हैं जिसमें 550 क्रिटिकल मतदान केंद्र और 137 नक्सल मतदान केंद्र हैं। सभी क्रिटिकल मतदान केंद्र व नक्सल मतदान केंद्र सीएपीएफ एवं अन्य मतदान केंद्र जिला पुलिस बल से आच्छादित होंगे जो किसी भी असामाजिक तत्वों को नियंत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 1500 के आसपास पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। कुल 3134 लोगों पर 107 की कार्रवाई की गई है। मतदान के 48 घंटे पहले चोरदाहा चेकपोस्ट को सील कर दिया गया है। 22-बड़कागांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के हेंदेगिरी, बुंडू और मनातू के कुल 18 मतदान केंद्रों पर प्रातः 7:00 से अपराह्न 4:00 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का मतदाता जागरूकता अभियान

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान अवश्य करें - मनोज/प्रमोद

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज बजाज एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिला संयुक्त महामंत्री प्रमोद सारस्वत ने संयुक्त रूप से झारखंड राज्य के विधानसभा चुनाव में मतदान हेतु जागरुकता अभियान चलाया। समाज को जागरूक करते हुए संकल्प पोस्टर जारी किया कि हम झारखंड के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह संकल्प लेते हैं कि हम अपने राज्य की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना, विधानसभा चुनाव में अपने मतदान का प्रयोग अवश्य करेंगे।

सम्मानित मतदाताओं से अपील करते हुए श्री बजाज व श्री सारस्वत ने कहा कि राज्यहित में सोच-समझकर मतदान करना हमारा महत्वपूर्ण कर्तव्य है। एक राष्ट्र-प्रेमी और जनहितकारी सरकार का चुनाव करना हमारे भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने में सहायक होगा। लोकतंत्र की रक्षा और राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए मतदान करना आवश्यक है।

आइए, जागरूक बनें, दूसरों को भी जागरूक करें, लोकतंत्र को मजबूती दें और अपने मतदान के अधिकार का सदुपयोग करें। सभी मतदाताओं से निवेदन है कि अपने कर्तव्य का पालन करें, मतदान में भाग लें, और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

चुनाव से दो दिन पहले रवाना हुए मतदानकर्मी, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर से भेजे गए

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए तैयारियां जोरों पर हैं और इसी कड़ी में राज्य के दुर्गम क्षेत्रों में मतदान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। चुनाव आयोग ने सुरक्षा और सुगमता के लिहाज से मतदानकर्मियों को दो दिन पहले ही उनके मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया है।

बर्थ-डे पार्टी के बाद बाइक रेस, तीन की मौत :तेज रफ्तार में आपस में टकराई 3 बाइक

जमुई। जमुई में रेस लगा रहे तीन दोस्तों की बाइक आपस में टकरा गई। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल जाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। 2 घायल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर है। दुर्घटना में कुल तीन लोगों की मौत हुई है। मृतकों में खैरा थाना के नवडीहा गांव निवासी प्रद्युमन सिंह उर्फ पप्पू सिंह का बेटा गौरव कुमार सिंह उर्फ गोलू (27), अजय कुमार सिंह उर्फ गंगा सिंह का बेटा कुमार उज्जवल सिंह उर्फ रौनक (26) और भड़रा गांव निवासी मुन्ना पांडेय का बेटा अंशु पांडेय (22) शामिल है। वहीं, घायलों में कैंडीह गांव निवासी त्रिपुरारी महाराज का बेटा शिव कुमार और खैरा बाजार निवासी सुभाष पांडेय का बेटा सूर्य पांडेय है। रविवार को मृतक उज्जवल का बर्थ-डे था। पार्टी के बाद पांचों रेस लगाने निकले थे। तेज रफ्तार में तीन बाइक आपस में टकरा गई। घटना खैरा-सोनो मुख्य मार्ग की है। हादसे के बाद घायलों को सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था। जहां से तीन को पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। एक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हालांकि परिजनों का कहना है कि सभी घूमने के लिए निकले थे। नरियाना पुल के पास अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दी। खैरा थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। जबकि दो युवक घायल हुए हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

सहरसा स्टेशन पर लंगर का इंतजाम: यात्रियों की बढ़ते भीड़ के मद्देनज़र आयोजन

सुपौल। दीपावली और छठ पर्व की समापन के बाद कोशी प्रमंडल के सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिले के विभिन्न इलाके से अन्य प्रदेश के लिए सहरसा जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ती है। ऐसे मे खास कर मजदूरो का जत्था सहरसा स्टेशन पहुंचता है। जंहा पहुंचने वाले मजदूरों की बड़ी समस्या रात मे भोजन के लिए इधर उधर भटकना होता है। इसको लेकर सहरसा के वैश्य समाज ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए लंगर लगाया है। जहां रोज करीब 500 -600 यात्रियों को भोजन करवाया जा रहा है। ताकि कोई यात्री भूखा ना सो सके। त्योहार के समाप्ति के उपरांत रोजगार की तलाश में मजदूरो का पलायन होता है। सहरसा जंक्शन से दूसरे राज्यों के लिए स्पेशल ट्रेन से लेकर सभी ट्रेन खुलती है। जिससे स्टेशन पर काफी भीड़ उमड़ती है। सहरसा, सुपौल, मधेपुरा जिले के विभिन्न गांवो से हजारों की संख्या मे दिल्ली पंजाब सहित अन्य राज्यों के लिए सहरसा स्टेशन ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंचते हैं। वहीं स्टेशन पर मजदूरों के बीच रात मे भोजन की समस्या प्रमुख होती है। सहरसा बस समाज के जिला अध्यक्ष मोहन शाह ने बताया कि उन्होंने जरूरतमंद लोगों के लिए रात मे एक टाइम का भोजन देने का कार्य शुरू किया है। उन्होंने कहा मकसद साफ है कि कोई यात्री रात में भूख ना रहे। इसी उद्देश्य से वह कार्य कर रहे हैं। रात्रि भोजन में जरूरतमंदों के बीच पुरी सब्जी एक जलेबी मुहैया करवाया जा रहा है। वो बताते हैं कि रेलवे ने सहरसा स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ के मद्देनज़र शुद्ध पेयजल, ठहराव और मेडिकल की व्यवस्था किया गया है। जहां रेलवे विभाग के ओर सुरक्षा में रेलवे के अधिकारी व पुलिसकर्मियों को तैनाती की गई है। उन्होंने कहा ज़ब तक यात्रियों की भीड़ मे कमी नहीं आएगी। तब तक उनका यह लंगर व्यवस्था चलता रहेगा।

शॉर्ट सर्किट से मवेशी घर में लगी आग :मधुबनी में 2 लाख रुपए से अधिक के सामान की हुई क्षति

मधुबनी। मधुबनी के मधेपुर प्रखंड के महपतिया गांव के वार्ड नंबर तीन में रविवार की रात अचानक मवेशी घर आग लग गई। जब तक घर के लोग कुछ समझ पाते तब तक आग विकराल रूप धारण कर लिया था। इस आग लगी की घटना में दो दुधारू गाय के साथ साथ उस घर में अन्य पशु भी आग की चपेट में आ गए।

पहले पत्नी का गला काटा,फिर फंदे से झूल गया पतिः सहरसा में शक में परिवार खत्म

सहरसा। सहरसा में एक पति ने पहले अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या की, फिर खुद फांसी के फंदे से झूल गया। मामला नरियार के लतहा सूबेदारी टोला का है, जहां का रहने वाला राजकिशोर शटरिंग का काम करता था। रविवार को उसकी और पत्नी आरती की लाश घर से मिली। घर का दरवाजा बंद था, शव के पास उनकी 2 साल की बच्ची रो रही थी। आसपास के लोगों ने बताया कि पति-पत्नी में लड़ाई के पीछे मुख्य कारण शक था। पति राजकुमार दास (25) पत्नी आरती (22) पर शक करता था। इस कारण वह अक्सर काम पर नहीं जाता था। पहले सहरसा से बाहर दूसरे प्रदेश में रहकर कमाता था। कुछ महीनों से यहीं रहता था। उसकी अनुपस्थिति में अगर उसके यहां कोई जाता भी था तो पत्नी से झगड़ा करता था। पत्नी को प्रताड़ित करता था। शक की बीमारी ऐसी थी कि वह बाहर जाने पर घर के मुख्य गेट को बंद रखने की हिदायत पत्नी को देकर जाता था।

दोनों की शादी 2019 में हुई थी। आरती सहरसा शहर के सराही निवासी नागो दास की दूसरी बेटी थी। दोनों को दो बेटी है। 5 साल की आरुषि कुमारी अपने नाना-नानी के पास रहती है, जबकि 2 साल की बेटी आरोही कुमारी अपने माता पिता के साथ रहती थी। हत्या के वक्त भी छोटी वाली बेटी घर में थी। मां बोली- बेटी से कहता था इधर-उधर क्यों देखती हो

घटना के बाद नतनी के साथ लतहा पहुंची मृतक आरती देवी की मां ने आरोप लगाया कि मेरी बेटी की शादी 2019 में हुई थी। कुछ दिनों बाद आरती का पति मारपीट करने लगा। बेवजह झगड़ा करता था। विवाद इस बात को लेकर अधिक होता था कि इधर-उधर क्यों देखती हो? मुझे पता चला कि मेरी बेटी की हत्या कर दी गई है। जब हम पहुंचे तो देखा कि मेरी बेटी आरती का गला हथियार से कटा हुआ था। दामाद का शव बरामदे पर पड़ा था। लोगों ने बताया कि राजकिशोर दास का शव फंदे से लटका हुआ था, जिन्हें उतारकर बरामदे पर रखा गया। छोटे भाई ने लोगों की मदद से फंदे से तोड़ा था। छोटा भाई दूसरी जगह रहता है।

पिता ने कहा- बहू खाना बनाने में विवाद करती थी : मृतक राजकिशोर दास के पिता रामप्रवेश दास ने कहा कि मेरी पत्नी का लगभग एक साल पूर्व देहांत हो गया था। कुछ समय सब कुछ ठीक-ठाक चला। बाद में मेरी बहू आरती खाना बनाने में विवाद करती थी। इनके कारण हम इधर-उधर कमाकर कहीं कुछ खा लेते थे। घर भी बहुत कम जाते थे। आज मुझे पता चला कि मेरे बेटे और पतोहू का शव पड़ा हुआ है।

पुलिस ने कहा-जांच में और कुछ हो सकता है खुलासा : वहीं, सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने कहा कि सदर थाना को सूचना मिली कि पति पत्नी ने जान दे दी है। सूचना मिलते ही सदर थाना अध्यक्ष, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक खुश्बू कुमारी घटना स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। फिलहाल यही लग रहा है कि पति राजकिशोर दास ने धारदार हथियार से पत्नी की हत्या की और फिर खुद फांसी पर लटक गया। पुलिस के अनुसार छोटी वाली बेटी आरोही कमरे में ही थी। लोगों का कहना है कि कमरा अंदर से बंद था और छोटी वाली बेटी कमरे के बाहर रो रही थी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही लोगों ने कमरे का दरवाजा तोड़ फांसी के फंदे से झूल रहे राजकिशोर दास को उतार लिया था। आगे जांच में और खुलासा हो सकता है।

जंक्शन पर विशेष ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदलकर बचाई गई यात्री की जान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर रविवार की दोपहर बरौनी-नई दिल्ली विशेष ट्रेन का प्लेटफार्म बदलकर एक रेल यात्री की जान बचाई गई। यात्री सूरज सिन्हा (32) रेलवे में सेक्शन इंजीनियर हैं और गोंडा में पदस्थापित हैं। सिलौत-नारायणपुर अनंत स्टेशन के बीच अचानक सीने तेज दर्द उठा। उन्होंने इसकी शिकायत रेल मदद एप पर की। तबतक ट्रेन मुजफ्फरपुर जंक्शन के आउटर पर आ रुकी। प्लेटफार्म चार खाली नहीं था। उसपर स्पेशल ट्रेन पहले से खड़ी थी। रेल मदद एप पर मिली जानकारी पर रेलवे के ऑपरेटिंग विभाग ने 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष ट्रेन का प्लेटफार्म बदलने का निर्णय लिया। मुख्यालय से अनुमति लेकर ट्रेन को मुजफ्फरपुर जंक्शन के प्लेटफार्म तीन पर लगाया गया।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख नौकरियां, मुख्यमंत्री नीतीश ने किया ऐलान

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले 34 लाख लोगों को नौकरी और रोजगार मिल जाएगा। वर्ष 2020 में दस लाख नौकरी और इतनी संख्या में रोजगार देने की बात हमने कही थी। इनमें सात लाख 17 हजार को नौकरी मिल गयी है। 2025 चुनाव से पहले 12 लाख को सरकारी नौकरी भी मिल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 24 लाख को अब-तक रोजगार दे चुके हैं। सीएम रविवार को गया के बेलागंज में जदयू उम्मीदवार मनोरमा देवी और इमामगंज से हम की उम्मीदवार दीपा मांझी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

बेलागंज और इमामगंज दोनों की सभाओं में उन्होंने 2005 से किए गए काम गिनाए। बताया कि 2005 से पहले किस तरह शाम के बाद लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता था। हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर लड़ाई होती थी। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति कितनी खराब थी। इसे भूलियेगा नहीं। उन्होंने कहा कि अब हिन्दू-मुस्लिम की लड़ाई नहीं होती। आठ हजार से ज्यादा कब्रिस्तान की घेराबंदी करायी। वहीं 60 साल से ज्यादा पुराने मंदिरों की घेराबंदी का काम भी शुरू हुआ है।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक भोज का आयोजन

छपरा। श्री चित्रगुप्त पूजा के उपरांत श्री चित्रगुप्त समिति की ओर से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष नागेंद्र कुमार वर्मा की देखरेख में दरोगा राय चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में कार्यक्रम किया गया। साथ ही इस अवसर पर संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष सह आधुनिक बिहार के निर्माता डॉ सच्चिदानंद सिन्हा की जयंती भी मनायी गयी। समिति के अध्यक्ष नागेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि डॉ सच्चिदानंद सिन्हा के इतिहास को धूमिल कर दिया गया है।अतः उनके इतिहास को सामाजिक राजनीतिक पटल पर पुनः स्थापित करने के लिये पूरे बिहार के चित्रांश संगठन से अनुरोध करेगी।

यात्रियों से भरी बस डिवाइडर से टकराई, 6 घायल

पूर्णिया। पूर्णिया के मरंगा में देर रात तकरीबन 12 बजे यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस पर सवार 6 लोग घायल हो गए, सभी को स्थानीय लोगों की मदद से बस से बाहर निकाला गया। इनमें दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिन्हें हायर सेंटर भेज दिया गया है। बस बेगूसराय की है। जो खगड़िया से होते हुए पूर्णिया आ रही थी। बस काफी रफ्तार में थी और सड़क पर अंधेरा था, जिसके कारण हादसा हुआ। घायलों में खगड़िया के मो. सानिया (34), मो. मोबिन (40), मो. मुकर्रम (13) और साबिर (17) के अलावा पूर्णिया निवासी मनोज मुर्मू (35) और सुनील मंडल (40) शामिल हैं। बस यात्रियों ने बताया कि हादसे के वक्त बस की रफ्तार बेहद तेज थी। बस का फ्रंट लाइट फ्यूज था और बस जर्जर थी। ये देख ड्राइविंग सीट के समीप खड़े यात्रियों ने ड्राइवर को टोका और बस की रफ्तार धीमी करने को कहा, मगर ड्राइवर ने उनकी बात नहीं सुनी। बस के ड्राइवर ने थोड़ी बहुत शराब भी पी रखी थी। कुछ ही देर बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिस जगह पर ये हादसा हुआ वहां काफी अंधेरा था। वहीं बस के दुर्घटनाग्रस्त होते ही ड्राइविंग सीट पर बैठा ड्राइवर बस छोड़कर फरार हो गया।

किशनगंज जाने के लिए पूर्णिया में बदलनी थी बस : घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शी बस यात्री मो. मोजीम ने बताया कि बस बेगूसराय से चली थी। जो खगड़िया होते हुए पूर्णिया बस स्टैंड आ रही थी। मैं और मेरे 20

लोग खगड़िया में बस पर चढ़े थे। सभी को किशनगंज जाना था। इसके लिए खगड़िया से पूर्णिया आ रहे थें। बस स्टैंड से मैं किशनगंज के लिए दूसरी बस लेता। मगर इससे पहले ही मरंगा थाना के समीप बस अनियंत्रित हो गई और सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर होते ही जोरदार झटका लगा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के आगे का हुलिया ही बिगड़ गया, जबकि बस की खिड़कियां और कुर्सियां टूट गईं। हादसे में बस पर सवार 6 यात्री घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी : बस के दुर्घटनाग्रस्त होते ही सड़क पर चीख पुकार मच गई। बस यात्री जान बचाकर बस से कूदने और भागने लगे। जबकि कुछ यात्रियों ने धैर्य से काम लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर जुट गए।

डायल 112 की पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से घायलों को बस के अंदर से निकाला गया। सभी को जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया। इनमें से 2 की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। 2 मिनट में पुलिस पहुंची घटना को लेकर डायल 112 की पुलिस ने कहा कि स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने के महज 2 मिनट के भीतर हमारी गाड़ी मौके पर पहुंच गई। सड़क कर यात्रियों के बीच भागम-भाग की स्थिति थी। मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला और जीएमसीएच पूर्णिया पहुंचाया गया।

रंगदारी नहीं दी तो कार सवार पर फायरिंग और मारपीट

बक्सर। बक्सर में रविवार शाम रंगदारी नहीं देने पर रोस्टोरेंट संचालक के साथ मारपीट की गई। कुछ युवकों ने एक कार सवार को एंबेस्डर होटल के पास रुकवाया। गाड़ी पर लोहे की रॉड से हमला किया। जब युवक गाड़ी से बाहर निकला तो उसके साथ मारपीट की गई। इस दौरान फायरिंग भी हुई जो पीड़ित के पैर में लगी। मारपीट के बाद गोलंबर जाम कर दिया। सूचना नगर थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस ने सभी को समझाकर जाम हटवाया। जख्मी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस घायल का बयान लेकर कार्रवाई में जुट गई है। फायरिंग की बात पर पुलिस स्पष्ट नहीं बोल रही। परिजनों का आरोप है कि दो दिन पहले मारपीट हुई थी, पुलिस ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया : विवाद दो दिन पुराना है। बक्सर जेल रोड स्थित बीआर-44 रेस्टोरेंट के संचालक महादह गांव निवासी कल्याण सिंह और मझरिया गांव के राहुल सिंह के बीच पहले से विवाद था। घायल कल्याण ने कहा कि राहुल के बुलाने पर हम उसके पास गए। वो हमसे 5 लाख रुपए रंगदारी मांगने लगा। नहीं देने पर मुझे पिटवाने लगा। मेरे साथ एक लड़का था, उसकी बाइक से वहां से भाग निकला। थाने में एफआईआर दर्द कराई। केस वापस लेने के लिए फोन आ रहा था। आज जब पटना जा रहे थे,

गोलंबर के समीप हथौड़ी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। कार से निकाल मुझे मारने लगे और फायरिंग की। जब लोगों की भीड़ जुटी तो वे लोग भाग गए। स्थानीय लोगों ने पास के निजी अस्पताल में भर्ती कर परिजन और पुलिस को सूचना दी। बक्सर नगर थाना के थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मारपीट के दौरान सड़क पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। सड़क जाम हो गया था। लोगों समझा-बुझाकर सड़क से जाम हटवाया। घायल युवक के बयान पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। निजी अस्पताल में इलाजरत जख्मी के बारे में डॉक्टर बीके सिंह ने बताया कि मारपीट के जख्म के साथ साथ गोली लगने जैसा भी जख्म नजर आ रहा हैं। युवक का इलाज जारी है।

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त,चतरा
Phone- 06541-223994, E-mail-electionoffice.chatra@gmail.com

"प्रेस विज्ञप्ति"

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विधानसभा आम निर्वाचन–2024 के निमित्त चतरा जिला के 27–चतरा (अ0जा0) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत कुल 3 (तीन) मतदान केन्द्रों के Relocation संबंधी प्रस्ताव पर भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के पत्रांक 64/ES-I/JKD-LA/2024 दिनांक–06.11.2024 एवं तत्संबंधी विभागीय पत्रांक–6811 दिनांक 07.11.2024 के द्वारा सहमति प्रदान की गई है। Relocation से संबंधित मतदान केन्द्रों की सूची निम्नवत् हैः–

No. & Name of Present Location of the PS	Total No. of Voters in the PS	Relocation PS NO. & Name
1	2	3
372-UPS Sikid	545	371 -UMS GADIYA BENGO
267- UMS Margada	774	264 -UHS Kutil
269-NPS Kojram	530	268-UMS Sikidag

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह–उपायुक्त, चतरा

PR 340023 Election(24-25).D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह– उपायुक्त, सिमडेगा
(झारखण्ड)

-: अपील :-

सिमडेगा जिला के समस्त मतदाताओं को लोकतंत्र के पर्व की अनंत शुभकामनाएँ । जैसा कि आप जानते हैं कि सिमडेगा जिला में विधानसभा चुनाव दिनांक 13 नवम्बर, 2024 को प्रातः 07 बजे से संध्या 05:00 बजे (कुल 61 अधिसूचित मतदान केन्द्रों में 04:00 बजे) तक होने जा रहा हैं। चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र, भयमुक्त, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपादित हो सके, इस हेतु जिला प्रशासन कृत संकल्पित है तथा इसके लिए व्यापक एवं समुचित व्यवस्था की गई हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुगम एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधायें जैसे जिले के सम्माननीय बुजुर्ग एवं दिव्यांगजन, जो चलने में सक्षम नहीं है उन्हें मतदान स्थल पर लाने–ले जाने हेतु निःशुल्क वाहन, वॉलिंटियर एवं व्हील चेयर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाएगी ।

लोकतंत्र में मतदान से अधिक महत्वपूर्ण अन्य कोई भी कार्य नहीं हो सकता । अतएव चुनाव के दिन सभी सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में सवैतनिक अवकाश रखा गया है, ताकि सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके ।

अतः 13 नवम्बर, 2024 को सर्वप्रथम आप अपने–अपने मतदान केन्द्र पर जाकर लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें । मैं आप सभी से अपेक्षा रखता हूँ कि आप अपने परिवार, मित्रों, पड़ोसियों और समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे ।

मुझे पूर्ण आशा और विश्वास है कि हमारे जिले के सभी मतदाता निर्भीक होकर, स्वविवेक से अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे एवं अन्य सभी को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे ।

आइए, हम सब मिलकर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं । आपका एक वोट सिमडेगा के भविष्य को उज्ज्वल बनाएगा ।

मतदान स्थल– आपका मतदान केन्द्र
मतदान तिथि–13 नवम्बर 2024
मतदान का समय–प्रातः 07:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक
(कुल 61 अधिसूचित मतदान केन्द्रों को छोड़कर जहाँ 04:00 बजे मतदान समाप्त होगा।)

"फर्क पड़ता है, आपके एक वोट से"

अजय कुमार सिंह भा.प्र.से. जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह– उपायुक्त, सिमडेगा (झारखण्ड)।

PR 340062 Simdega(24-25)D

फर्जी आधार और पैन कार्ड बना फाइनेंस कंपनी को लगाते थे चूना, गिरोह के दो शातिर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में साइबर थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो लोन फर्जीवाड़ा कर निजी फाइनेंस कंपनी को अलग-अलग जिलों में चूना लगा रहा था। इस गिरोह के खिलाफ बजाज फाइनेंस कंपनी के मुजफ्फरपुर शाखा प्रबंधक राहुल रमन ने एक दिन पहले साइबर थाने में एफआईआर कराई थी। साइबर थाने की पुलिस ने गिरोह के दो शातिर नगर थाने के योगियामठ मोहल्ले के आदित्य कुमार और कथैया के दिस्तौलिया निवासी प्रदीप कुमार को

गिरफ्तार किया है। चार अन्य शातिर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी चल रही है। इस गिरोह का नेटवर्क हरियाणा और यूपी तक फैला है।

साइबर डीएसपी सीमा देवी ने बताया कि दोनों शातिरों के पास से फर्जी तरीके से बनाए गए कई आधार व पैन कार्ड जब्त किए गए है। इसका उपयोग कर 6.5 लाख रुपये का लोन लिया गया था। आदित्य ने तीन एसी, दो मोबाइल व अन्य सामान, जबकि प्रदीप ने दो एसी और दो मोबाइल लोन लिया था। फाइनेंस कंपनी के स्थानीय मैनेजर राहुल रमन का कहना है कि फर्जी दस्तावेजों जैसे आधार, पैन कार्ड का प्रयोग कर मुजफ्फरपुर और दरभंगा से लोन पर करीब 6,067,86 रुपये का सामान लिए गए। लोन के बाद ईएमआई की राशि भुगतान नहीं की जा रही थी। कंपनी ने जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर एफआईआर कराई। डीएसपी नगर-एक सह थानाध्यक्ष साइबर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने फर्जी दस्तावेजों का प्रयोग कर ठगी करने वाले प्रदीप कुमार और आदित्य कुमार को गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता के घर मुवक्किल बनकर घुसे लुटेरे...

कानपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लुटेरों ने रविवार सुबह आयकर अधिवक्ता, उनकी पत्नी और नौकरानी को बंधक बनाकर गन प्वाइंट पर लिया और तीन लाख का माल लूट ले गए। चर्चा है कि करीब 10 लाख की लूट हुई है। इसमें नकदी, जेवर के साथ दो मोबाइल भी शामिल हैं। एसपी ने मौके पर पहुंचकर जांच की और पांच टीमें खुलासे के लिए लगाईं। सदर कोतवाली के जेर खिड़की निवासी आयकर अधिवक्ता सैय्यद कैमूल हसनैन जैदी के घर रविवार सुबह 8:30 बजे तीन लुटेरे पहुंचे। नौकरानी आफरीन को अधिवक्ता का मुवक्किल बताकर दरवाजा खुलवाया। अंदर जाकर लुटेरों ने अधिवक्ता, उनकी पत्नी शाहीन रजा और नौकरानी को गन प्वाइंट पर ले लिया। तीनों की आंखों पर पट्टी और हाथ पीछे बांध दिए। इसके बाद लॉकर खुलवाए और उसमें रखी 1.50 लाख की नकदी और इतने ही कीमत के जेवर लूट लिए।

एक घंटे तक लूटपाट करने के बाद लुटेरे अधिवक्ता व उनकी पत्नी के मोबाइल भी ले गए। सुबह 10 बजे पड़ोसी इमरान ने एक मामले में सलाह लेने के लिए अधिवक्ता को कॉल की। घंटी गई लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

वह घर मिलने आए तो मुख्य गेट खुला देख अंदर चले गए। वहां पहले सभी की आंखों से पट्टी हटाई और हाथ खोले। पीड़ित ने इमरान के ही मोबाइल से डायल 112 को सूचना दी। इसके बाद एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह, सीओ सिटी सोनम सिंह, कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा एसओजी टीम के साथ पहुंचे और जांच की।

पीड़ित के बयान दर्ज किए। घर में सीसीटीवी नहीं लगा मिला। कालीन का काम करने वाले पड़ोसी शरीफ के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसमें तीन युवक नजर आए। तीनों की लंबाई भी काफी है।

पुलिस डीबीआर साथ ले गई। अधिवक्ता ने 1.50 लाख रुपये और इतने ही कीमत के जेवर और मोबाइल लूटने की तहरीर दी है। घटना की जांच को फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड भी पहुंचा लेकिन कुछ खास नहीं मिला। एसपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द खुलासा किया जाएगा।

पेंशनभोगियों को घर बैठे जीवन प्रमाणपत्र देगा डाकघर

उन्नाव। बुजुर्गों को जीवन प्रमाणपत्र के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डाक विभाग ने घर-घर जाकर प्रमाणपत्र देने की व्यवस्था शुरू की है। ग्रामीण डाक सेवक एवं डाकियों के माध्यम से पेंशनरों को घर बैठे इस सुविधा का लाभ दिया जा रहा है, जिसका शुल्क मात्र 70 रुपये है।

कानपुर मंडल के डाक अधीक्षक सर्वेश कुमार ने बताया कि अब बुजुर्गों को पेंशन के लिए जरूरी जीवन प्रमाण पत्र पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। डाक विभाग एवं विभागीय इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक 31 दिसंबर तक अभियान चलाकर जीवन प्रमाणपत्र बना रहा है। सुविधा के तहत घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा शहरी, ग्रामीण के अलावा उपडाकघर एवं शाखा डाकघरों में उपलब्ध है।

पेंशनधारकों का खाता किसी भी बैंक में होगा लेकिन डाकघर जीवन प्रमाणपत्र देगा। यदि पेंशनधारक घर बैठे इस सुविधा को चाहते हैं तो उन्हें पोस्टइंफो एप के सर्विस एवं रिक्वेस्ट विकल्प में जाकर एक रिक्वेस्ट देनी होगी। फिर संबंधित क्षेत्र का पोस्टमैन पेंशनधारक से संपर्क कर उसका जीवन प्रमाणपत्र उसी के घर पर जाकर बनाएगा। बताया कि यूआईडीएआई इस अभियान में तकनीकी सहायता दे रहा है। बुजुर्ग पेंशनभोगियों के लिए चेहरे सत्यापन को ज्यादा बेहतर एवं आसान बना दिया गया है। विभाग द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर भी लगाए जा रहे हैं। अधीक्षक के मुताबिक, सभी ग्रामीण डाक सेवक एवं डाकिये मोबाइल फोन से लैस हैं। इनका उपयोग फिंगर बायोमैट्रिक व चेहरा सत्यापन तकनीक का उपयोग कर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए किया जाएगा।

यूपी उपचुनाव :

एक-एक वोट की हो रही है निगरानी, सपा-भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर, कांग्रेस मुकाबले से दूर

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में नौ सीटों पर हो रहा उपचुनाव भविष्य की सियासत के लिए अहम है। इसे वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिटमस टेस्ट के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस के मैदान से बाहर होने से अब यह सीधे सपा-भाजपा के दिग्गजों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। यही वजह है कि सियासी हवा का रुख अपने पक्ष में मोड़ने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तक मैदान में डटे हैं। वे नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर सियासी तीर चला रहे हैं।

उपचुनाव वाली सीटों में गाज़ियाबाद, खैर और फूलपुर पर भाजपा काबिज थी जबकि मीरापुर सीट पहले सपा के साथ रही रालोद ने जीती थी। अब रालोद भी भाजपा के साथ है। इसी तरह मझवां सीट निषाद पार्टी के पास थी, पर इस बार यहां भाजपा ने पूर्व विधायक को मैदान में उतारा है। जिन नौ सीटों पर 20 नवंबर को मतदान है, उसमें ज्यादातर सीटों पर भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है। कुछ सीटों पर बसपा मुकाबले को त्रिकोणीय बना रही है।

यह अलग बात है कि उपचुनाव के परिणाम से सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर मतदाताओं का रुझान जरूर तय करेगा। यही वजह है कि भाजपा और सपा ने सीटों की स्थिति के आधार पर प्रभारी और सह प्रभारी तय किए हैं। संबंधित नेता अपने प्रभार वाली सीट पर न सिर्फ जनसभा कर रहे हैं, बल्कि गांव-गांव में पसीना बहा रहे हैं।

करहल से जुड़ी पूरे सैफई परिवार की साख

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी सियासी दिग्गजों की अग्निपरीक्षा है क्योंकि इस परिणाम का असर 2027 के टिकट बंटवारे पर भी पड़ेगा। स्थानीय दिग्गजों के साथ ही राज्य स्तरीय नेतृत्व क्षमता का दंभ भरने वालों का भी कद तय होगा। इसका मनोबल पर भी असर पड़ेगा। सीटों की स्थिति देखें तो करहल सीट पर सिर्फ अखिलेश यादव ही नहीं, पूरे सैफई परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर है। सियासी जानकारों का कहना है कि करहल में सपा का वोटबैंक घटता है और भाजपा बढ़त हासिल करती है तो इसका बड़ा संदेश पूरे देश में जाएगा। यही वजह है कि यहां कई मंत्रियों के साथ ही सीएम योगी भी जनसभा कर चुके हैं।

कटेहरी से यहां के सांसद लालजी वर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है। सपा से यहां के प्रभारी

बनाए गए शिवपाल सिंह यादव और भाजपा की ओर से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के सियासी कद की भी यहां परीक्षा है। मझवां में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मीरापुर सीट से रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर है। कुर्मी बहुल फूलपुर में असली परीक्षा एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और सपा महासचिव इंद्रजीत सरोज की है। यह सीट उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई है। कुंदरकी की कमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और मंत्री जेपीएस राठौर को सौंपी गई है तो सपा से रामअवतार सैनी को अपनी ताकत दिखाने का मौका मिला है। सीसामऊ के परिणाम का असर भाजपा के दिग्गज मंत्री सुरेश खन्ना पर पड़ना तय है। कुछ ऐसी ही स्थित गाजियाबाद और खैर सीट की भी है।

इसलिए अहम है उपचुनाव

राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार रतनमणि लाल कहते हैं कि उपचुनाव सीधे तौर पर सपा-भाजपा के बीच है। यह चुनाव सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। चुनाव जीतने की रणनीति भी प्रदेश स्तर पर तय की जा रही है। भाजपा सभी सीटों पर दावा कर रही है, लेकिन पांच से एक भी सीट अधिक हुई तो यह उसकी उपलब्धि मानी जाएगी। सपा उसकी इस उपलब्धि को रोककर जनता के बीच यह संदेश देना चाहती है कि लोकसभा की तरह ही जनता के बीच उसका जलवा कायम है। इस चुनाव परिणाम के आधार पर स्थानीय क्षत्रपों का भविष्य भी तय होगा।

भाजपा प्रदेश सह संयोजक बोले-

एसपी, बीएसपी और कांग्रेस में नहीं लोकतंत्र, 20 मंडलों में चुनाव अधिकारी नियुक्त

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में रविवार को भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक और चुनाव अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें बूथ समिति से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है। पार्टी में पूर्ण आंतरिक लोकतंत्र है। पार्टी का छोटा कार्यकर्ता भी अपने समर्पण से उच्च पदों तक पहुंच सकता है। जबकि सपा, कांग्रेस व बसपा में कोई लोकतंत्र नहीं है। इनमें तय है कि एक ही परिवार का सदस्य पार्टी का अध्यक्ष होगा।

प्रदेश सह संयोजक भाजपा के सांगठनिक चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी कार्यालय पर जिले के पदाधिकारियों व कार्यकताओं की कार्यशाला में बोल रहे थे। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में बूथ समिति, बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख का चुनाव होगा। यह चुनाव 30 नवंबर तक पूरे हो जाएंगे। बूथ समिति के पदाधिकारियों के चुनाव के बाद मंडल व जिले का चुनाव होगा। पार्टी में सांगठनिक चुनाव लोकतांत्रिक होता है।

इनको बनाया गया चुनाव अधिकारी

बैठक में जिले के सभी 20 मंडलों के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए। रुदौली विधानसभा क्षेत्र के बाबा बाजार में सरयू दुबे, मवई सर्वजीत सिंह, रुदौली देहात चंद्रबली सिंह, रुदौली नगर जनार्दन मौर्य व शुजागंज का ऋषिकेश वर्मा को मंडल चुनाव अधिकारी बनाया गया है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के अमानीगंज मंडल में शिवगोविंद पांडेय, हैरिंग्टनगंज अखंड प्रताप सिंह, कुचेरा मंडल विजय लक्ष्मी जायसवाल, मिल्कीपुर शिवम सिंह व कुमारगंज के अशोक कसौधन मंडल चुनाव अधिकारी होंगे।

बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल पश्चिमी दान बहादुर सिंह, सोहावल पूर्वी राधेश्याम त्यागी, भरतकुंड किशोरी लाल भारती, रानी बाजार धर्मेंद्र सिंह, बीकापुर राघवेंद्र पांडेय मंडल चुनाव अधिकारी होंगे। गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के तारुन मंडल में विजय बहादुर तिवारी, हैदरगंज मंडल सुनील मिश्र, चौरे बाजार कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, मया बबलू पासी व गोसाईगंज मंडल का भूपेंद्र सिंह को चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

यह लोग रहे मौजूद

बैठक में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक अमित सिंह चौहान, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडेय, अवधेश पांडेय बादल, सह चुनाव अधिकारी अशोक मिश्र, कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, डॉ. विजय लक्ष्मी जायसवाल, सरजू दुबे व राम मोहन भारती सहित मोर्चा व मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजधानी की सड़कों पर दौड़ी डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस

पहले दिन 147 यात्रियों ने उठाया सफर का लुत्फ

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में एसी डबल डेकर इलेक्ट्रिक सिटी बस रविवार से राजधानी की सड़कों पर दौड़ने लगी। कमता बस अड्डे से पहली ट्रिप में 25 यात्रियों ने सफर किया। पूरे दिन में बस ने चार चक्कर लगाए। इस दौरान कुल 147 यात्रियों ने सफर का लुत्फ उठाया।

यूपी की पहली डबल डेकर ई सिटी बस का शुभारंभ शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। रविवार को शहर में जनता के लिए यह बस शुरू हुई तो लोगों में इसके लिए उत्सुकता दिखी। हालांकि, छुट्टी के चलते पहले दिन बस को कम यात्री मिले।

वन यूपी वन कार्ड से पेमेंट पर दस प्रतिशत छूट

सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरके त्रिपाठी ने बताया कि बस रोजाना कमता अवध बस स्टेशन से सुबह सात बजे से अमौसी के लिए चलेगी। इसमें एक साथ 65 यात्री बैठ सकते हैं। डबल डेकर बस का किराया इलेक्ट्रिक बसों के बराबर ही है। महिलाओं को एमएसटी पर किराये में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वन यूपी वन कार्ड से पेमेंट पर किराये में दस प्रतिशत छूट मिलेगी।

महिलाएं मुफ्त में सफर कर सकेंगी

हर शनिवार को डबल डेकर बस हेरिटेज बस के रूप में चलेगी। इसमें महिलाएं मुफ्त में सफर कर सकेंगी। यह बस एक बार चार्ज होने पर 150 किमी तक चलेगी। बस में पांच सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगाए गए हैं। रियल टाइम लोकेशन के लिए इसमें व्हीकल ट्रैकिंग डिवाइस भी लगी है।

खराब हुआ हवा का स्तर

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में दिवाली के बाद से खराब हुई शहर की हवा के बाद एयर प्यूरीफायर की मांग 20 फीसदी तक बढ़ गई है। मुख्य रूप से सर्दियों के मौसम की शुरुआत में एयर प्यूरीफायर की बिक्री में तेजी आती है। लेकिन, दिवाली के बाद से खराब हुए हवा के स्तर की वजह से इस बार डिमांड 20 फीसदी बढ़ गई है। बाजार में 5000 के छोटे पोर्टेबल से लेकर बड़ी रेंज में 50 हजार तक के एयर प्यूरिफायर मौजूद हैं।

शहर के नाका हिंडोला में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का शो रूम चलाने वाले नितेश सिंघल बताते हैं कि रोजाना चार-पांच लोग एयर प्यूरिफायर के बारे में पूछताछ करते हैं। दिवाली के आस पास से यह बिकना शुरू होता है। लेकिन, बहुत ज्यादा सेल नहीं होती है। जागरुकता बढ़ने की वजह से लोग इस बार जरूर पूछताछ कर रहे हैं।

दिवाली के बाद हवा का स्तर खराब पूरे सीजन में 20 यूनिट तक बिक जाते हैं। शहर भर में भी पूरे बाजार का आंकड़ा करीब 1500 के आस पास है। उधर, अशोक मार्ग हजरतगंज स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के संचालक अमित खत्री बताते हैं कि अक्तूबर से लेकर दिसंबर तक ही एयर प्यूरिफायर की मांग होती है। मुख्य रूप से दिवाली के बाद हवा का स्तर खराब होने से बिक्री बढ़ती है। इस बार बाजार में 20 प्रतिशत तक की बिक्री बढ़ी है। बताया कि 12-15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार तक के एयर प्यूरिफायर मौजूद हैं।

10 लाख में बुक हुआ काशी विश्वनाथम क्रूज़

▶ पर्यटकों के लिए चाय-कॉफी और नाश्ते का प्रबंध

वाराणसी, एजेंसी। देव दीपावली पर रामेश्वरम और काशी विश्वनाथम क्रूज 10-10 लाख रुपये में बुक हुए हैं। दोनों क्रूज पर 10 हजार रुपये प्रति पर्यटक के लिए बुकिंग हुई है। इनकी क्षमता 100 लोग प्रति क्रूज है। काशी विश्वनाथम क्रूज के प्रबंधक अजय साहनी क्रूज पर कॉफी और चाय के अलावा बनारसी नाश्ते का भी प्रबंध किया गया है।

वहीं, इस वर्ष आसपास के जिलों से डेढ़ हजार से अधिक छोटे वाहनों की डिमांड अलग-अलग टूर ऑपरोटरों ने की है। इस वजह से ट्रेवेल्स की गाड़ियों और टैक्सी की मांग बढ़ी है। टूर ऑपरेटर अनिल त्रिपाठी ने बताया कि पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए आसपास के जिलों से छोटे चार पहिया वाहनों को मंगाना पड़ रहा है।

नावों की भी करा रहे हैं बुकिंग

देव दीपावली पर टूर ऑपरेटर पैकेज में होटलों में कमरों की बुकिंग के अलावा ट्रांसपोर्टेशन और नावों की बुकिंग भी करा रहे हैं। टूरिस्ट प्रबंधक संतोष सिंह के मुताबिक, पर्यटकों से होटल फुल हैं।

मगर अभी भी मांग को पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। कोशिश है कि काशी आने पर पर्यटक अधिक से अधिक समय तक काशी में रुकें और जिले के अलावा आसपास के पर्यटक स्थलों का भी दौरा करें।

डेढ़ लाख में बुक हुआ महाराजा सुईट

देव दीपावली पर बृजरमा पैलेस का महराजा सुईट इस बार डेढ़ लाख रुपये में बुक हुआ है। जबकि, होटल सूर्य देव हवेली में 1.20 लाख में बुकिंग हुई है। होटल मार्केटिंग से संबंधित अधिकारी ने बताया कि दिसंबर माह तक होटल में बुकिंग फुल हैं। टूर ऑपरेटर अभिषेक सिंह ने बताया कि इस बार पर्यटकों से होटल फुल हैं।

कोल्ड स्टोरों पर कसा गया शिकंजा, बाहर नहीं फेंक सकेंगे सड़ी सब्जियां

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के निजी शीतगृह (कोल्ड स्टोर) संचालकों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। वे अब किसी भी स्थान पर सड़ी गली सब्जियां अथवा आलू नहीं रख सकेंगे। अब सड़ी गली सब्जियों के लिए अलग से प्लांट बनवाना होगा। वैज्ञानिक तरीके से बनने वाले इस प्लांट में सड़ी गली सब्जियों के जरिए कंपोस्ट खाद तैयार करना होगा। इसके लिए विषय विशेषज्ञों की सलाह लेनी पड़ेगी। ऐसा करने के लिए दो माह का वक्त दिया गया है। इस संबंध में उद्यान विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है। प्रदेश में करीब 198 निजी शीतगृह हैं। इनमें हर साल करीब 140 से 150 लाख मीट्रिक टन आलू स्टोर किया जाता है। इसके अलावा करीब 50 लाख मीट्रिक टन अन्य तरह की सब्जियां रखी जाती हैं। इसमें करीब दो से तीन फीसदी सब्जियां कई बार अलग-अलग कारणों से सड़ गल जाती हैं। इन्हें कुछ शीतगृह संचालक सड़कों के किनारे फेंकवा देते हैं तो कुछ गड्ढा खोदकर मिट्टी में दबा देते हैं।

अब इस पर पाबंदी लगा दी गई है। क्योंकि ये मिट्टी में उपलब्ध धातुओं एवं रसायनों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे मिट्टी और भूजल दूषित हो रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देश के बाद सरकार इस मुद्दे पर सख्त हो गई है। उद्यान विभाग के प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सड़ी सब्जियों के निस्तारण के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाया जाए। सड़ी सब्जियों एवं आलू को न तो बाहर फेंका जाएगा और न ही शीतगृह के अंदर ढेर लगाया जाएगा। इसके लिए शीतगृह में ही प्लांट बनाना होगा। विशेषज्ञ की निगरानी में तैयार होने वाली कंपोस्ट खाद किसानों को दी जाएगी। इससे शीतगृहों को आमदनी भी होगी। इसका रिकॉर्ड भी रखना होगा।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नए मानक

जो यह उम्मीद कर रहे थे कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर हां या ना में स्पष्ट जवाब मिल जाएगा, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले से थोड़ी निराशा हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले की अहमियत इस मायने में है कि यह इस मसले को देखने, समझने के तरीकों में निहित कमियों पर रोशनी डालता और उन्हें दूर करता है।इस कानूनी विवाद की जटिलता को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि यह आधी सदी से भी ज्यादा पुराना है। इसकी शुरुआत 1967 में अजीज बाशा केस में आए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से मानी जाती है जिसमें कहा गया था कि रूअल्पसंख्यक संस्थान नहीं है क्योंकि यह एक कानून (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक्ट 1920) के जरिए अस्तित्व में आया था। इसके बाद 1981 में सरकार ने एएमयू एक्ट में संशोधन करते हुए कहा कि इसकी स्थापना मुस्लिम समुदाय द्वारा और मुस्लिम समाज की शैक्षिक और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के मकसद से की गई थी। 1981 के संशोधन से वे भ्रम और संदेह पूरी तरह दूर नहीं हुए, जो इस विवाद के मूल में थे। इसकी झलक 2006 में तब मिली, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1981 के इस संशोधन को निरस्त करते हुए कहा कि रूको अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता क्योंकि सुप्रीम कोर्ट 1967 में ही अजीज बाशा केस में इसका माइनॉरिटी स्टेटस रद्द कर चुका है। इस तरह के परस्पर विरोधी कदमों से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। माइनॉरिटी स्टेटस का सवाल यूनिवर्सिटी प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से तो जुड़ा है ही, यहां लागू होने वाली आरक्षण व्यवस्था पर भी निर्णायक प्रभाव डालने वाला है। यूनिवर्सिटी में मुस्लिमों के लिए कितना आरक्षण रहेगा और एससी,एसटी, ओबीसी आरक्षण मिलेगा या नहीं, यह भी इस सवाल के जवाब पर निर्भर करता है।ऐसे में महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिकता से जुड़े दबावों को दरकिनार करते हुए इस केस को इसकी समग्रता और व्यापकता में देखने का प्रयास किया। 50 साल से भी ज्यादा पुराने विवाद में हुई गलतियों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट की 7 सदस्यीय बेंच ने स्वाभाविक ही यह साफ करना जरूरी समझा कि किसी संस्थान के माइनॉरिटी स्टेटस की जांच किन मानकों पर की जानी चाहिए। उम्मीद है कि इस फैसले से मिले नए मानदंडों के जरिए न केवल एएमयू बल्कि भविष्य में अन्य संस्थानों के स्टेटस पर उठने वाले सवालों को भी बेहतर ढंग से हल किया जा सकेगा।

खराब रणनीति का शिकार हुई भारतीय क्रिकेट टीम

भारत हमेशा से स्पिन खेलने में माहिर माना गया है, खासकर घरेलू पिचों पर, लेकिन इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के स्पिनरों के सामने असहाय दिखे। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने टर्न, उछाल और सही लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। इसमें भारतीय बल्लेबाजों का फुटवर्क भी लचर नजर आया, जिससे वे स्पिन को अच्छे से खेल पाने में असमर्थ रहे। ऐसी स्थितियों में, खिलाड़ियों को बल्लेबाजी में तकनीकी संतुलन की कमी से जूझते देखा गया। भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में नियमित रूप से स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए। टेस्ट मैचों में केवल बाउंड्री पर निर्भर रहने से बल्लेबाजों पर अधिक दबाव आता है, और यही भारतीय बल्लेबाजों के साथ हुआ। जब गेंदबाज अच्छी लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हों, तब स्ट्राइक रोटेट कर खुद को स्थिर करना जरूरी होता है, लेकिन भारतीय बल्लेबाज एक छोर पर टिक कर बड़े शॉट्स लगाने के चक्कर में अपना विकेट गंवाते दिखे।

(नृपेन्द्र अभिषेक नृप)

भारत की टेस्ट क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 की हार ने भारतीय क्रिकेट में गहरी चिंताओं को जन्म दिया है। घरेलू पिचों पर मिली इस हार ने न केवल टीम के कमजोर पक्षों को उजागर किया है, बल्कि नए कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल खड़े किए हैं। न्यूजीलैंड के इस ऐतिहासिक क्लीन स्वीप के पीछे कई कारण हैं, जो न केवल खिलाड़ियों की तकनीकी कमजोरियों को सामने लाते हैं बल्कि भारत की कोचिंग और मानसिकता में जरूरी बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं।

हार के प्रमुख कारण

1. स्पिन खेलने में कमजोर प्रदर्शनः भारत हमेशा से स्पिन खेलने में माहिर माना गया है, खासकर घरेलू पिचों पर, लेकिन इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के स्पिनरों के सामने असहाय दिखे। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने टर्न, उछाल और सही लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। इसमें भारतीय बल्लेबाजों का फुटवर्क भी लचर नजर आया, जिससे वे स्पिन को अच्छे से खेल पाने में असमर्थ रहे। ऐसी स्थितियों में, खिलाड़ियों को बल्लेबाजी में तकनीकी संतुलन की कमी से जूझते देखा गया।

2. स्ट्राइक रोटेशन में विफलताः भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में नियमित रूप से स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए। टेस्ट मैचों में केवल बाउंड्री पर निर्भर रहने से बल्लेबाजों पर अधिक दबाव आता है, और यही भारतीय बल्लेबाजों के साथ हुआ। जब गेंदबाज अच्छी लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हों, तब स्ट्राइक रोटेट कर खुद को स्थिर करना जरूरी होता है, लेकिन भारतीय बल्लेबाज एक छोर पर टिक कर बड़े शॉट्स लगाने के चक्कर में अपना विकेट गंवाते दिखे।

3. गंभीर की टी-20 शैली की रणनीति का असरः नए कोच गौतम गंभीर की टेस्ट में आक्रामक खेल खेलने की रणनीति कारगर साबित नहीं हुई। गंभीर का दृष्टिकोण तेज गति से रन बनाने और मैच के परिणाम पर फोकस करने का है, जो टी-20 और वनडे में तो कारगर हो सकता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और स्थिरता की जरूरत होती है। इसके चलते बल्लेबाजों ने अत्यधिक जोखिम भरे शॉट्स खेले और अपनी विकेट सस्ते में गंवाए। टेस्ट क्रिकेट में लंबी पारियां खेलने के लिए जिस धैर्य और तकनीक की जरूरत होती है, वह इस रणनीति में नदारद दिखी।

4. तेज गेंदबाजों का असफल प्रदर्शनः तेज गेंदबाजों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन इस सीरीज में उनका प्रभाव कमजोर दिखा। खासतौर से रिवर्स स्विंग में भी कोई सफलता नहीं मिल सकी। इसके अलावा, स्पिनरों को भी लय में नहीं पाया गया, और वे नियमित अंतराल पर विकेट लेने में असमर्थ रहे। नतीजतन, भारतीय गेंदबाजी इकाई विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाई।

5. मानसिक तैयारी की कमीः ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय टीम मानसिक रूप से इस चुनौती के लिए तैयार नहीं थी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ उसकी घरेलू पिचों पर खेलकर ऐसी रणनीति बनाई, जिससे भारतीय खिलाड़ी चौंक गए। बल्लेबाजों का

मानसिक संतुलन टूटता दिखा, और उन्होंने आसानी से अपने विकेट दे दिए। भारतीय खिलाड़ी हालात का सामना करने की बजाय जल्दबाजी में फैसले लेते नजर आए।

भविष्य की चुनौतियाँ

भारतीय टीम के लिए आगे की राह आसान नहीं है। घरेलू पिचों पर हार से आत्मविश्वास में कमी आई है, और इस कारण आगामी मैचों में टीम को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

1. मानसिकता में बदलावः टीम को टेस्ट क्रिकेट की मानसिकता पर विशेष ध्यान देना होगा। टी-20 शैली में तेजी से रन बनाने की मानसिकता को टेस्ट क्रिकेट के धैर्यपूर्ण खेल में बदलना होगा। खिलाड़ियों को खेल के प्रति संयमित और समझदारी भरी सोच के साथ उतरने की जरूरत है।

2. स्पिन के खिलाफ तकनीकी सुधारः भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपनी तकनीक सुधारनी होगी। घरेलू पिचों पर स्पिन का सामना करना भारतीय बल्लेबाजों की खासियत रही है, और इसे फिर से हासिल करने के लिए उन्हें अधिक अभ्यास की आवश्यकता है।

3. कड़े विदेशी दौरों की तैयारीः भारत को अपने विदेशी दौरों पर आने वाले कठिन मुकाबलों के लिए तैयार रहना होगा। घरेलू पिचों पर मिली हार ने भारतीय टीम को दिखाया है कि वह केवल घरेलू परिस्थितियों पर निर्भर नहीं रह सकती। उसे अन्य देशों में अपने खेल को सुधारने की आवश्यकता है।

4. बेंच स्ट्रेंथ का इस्तेमालः टीम चयन में नए खिलाड़ियों को मौका देना जरूरी होगा। युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ मैदान पर उतारने से टीम में नई ऊर्जा आएगी।

5. टेस्ट के लिए नए कोचिंग दृष्टिकोणः गौतम गंभीर को अपने कोचिंग दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना होगा। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में आक्रामकता की बजाय धैर्य और स्थिरता पर ध्यान देना चाहिए। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सफल होने के लिए खिलाड़ियों की मानसिकता और तकनीकी समझ को समझना जरूरी होता है।

अब क्या करना होगा मैनेजमेंट को?

1. टेक्निकल ड्रिल्स और अभ्यासः भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ कड़े अभ्यास की जरूरत है, जहां वे विभिन्न प्रकार के स्पिनरों का सामना कर सकें। इसके अलावा, नियमित रूप से स्ट्राइक रोटेशन पर काम करना भी जरूरी है ताकि वे दबाव में आकर अपना विकेट न गंवाएं।

2. व्यक्तिगत मानसिक तैयारीः टीम में मानसिक मजबूती बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों के साथ मनोवैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। टीम को कठिन हालातों में धैर्य रखने और संयम बनाए रखने की आदत डालनी होगी।

3. लंबे प्रारूप के विशेषज्ञों का चयनः टेस्ट क्रिकेट के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज और गेंदबाजों का चयन किया जाना चाहिए। ऐसे खिलाड़ियों का चयन करना आवश्यक है जो लंबी पारियां खेलने का सामर्थ्य रखते हों और विदेशी पिचों पर भी अपना योगदान दे सकें।

4. गंभीर की रणनीति में संतुलनः गौतम गंभीर को अपनी रणनीति में संतुलन बनाना होगा। उनका आक्रामक दृष्टिकोण टेस्ट में तभी सफल हो सकता है जब उसमें स्थिरता और धैर्य का समावेश हो। खिलाड़ियों को लचीला दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना जरूरी है ताकि वे परिस्थिति के अनुसार खेल में बदलाव कर सकें।

भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ इस 3-0 की हार ने टीम में कई महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया है। टेस्ट क्रिकेट में सफलता के लिए धैर्य, तकनीकी कुशलता और मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है। गंभीर का आक्रामक दृष्टिकोण सफल हो सकता है, लेकिन इसमें संतुलन और परिस्थितिजन्य समझ का समावेश जरूरी है। अगर भारतीय टीम इन चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को तैयार करती है, तो वह भविष्य में वापसी करने में सफल हो सकती है और अपनी पुरानी प्रतिष्ठा को फिर से हासिल कर सकती है।

देवउठनी ग्यारस-सनातन धर्म में तुलसी का बेहद महत्व है

देवउठनी ग्यारस तिथि और मुहूर्त समय हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी का त्यौहार मनाया जाता हैं। 12 नवंबर 2024 को देवउठनी ग्यारस और तुलसी विवाह मंगलवार को मनाया जाएगा।

सनातन धर्म में तुलसी का बेहद महत्व माना जाता है। धार्मिक कार्यों में तुलसी के पत्तों को प्रयोग किया जाता है। हर एक घर में तुलसी

पौधे की पूजा होती है। कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी या द्वादशी के तिथि पर तुलसी विवाह कराया जाता है। इस तुलसी मां और भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरुप से विधि-विधान से विवाह कराया जाता है। इसी दिन से शादी-विवाह सहित सभी शुभ कार्य शुरु हो जाते है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल 13 नवंबर 2024 को तुलसी विवाह है। इस दिन जो व्यक्ति विधिवत तुलसी विवाह अयोजन करने वैवाहिक जीवन खुशियों से भर जाता है और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। तुलसी विवाह के पूजन में क्या-क्या चीजें शामिल करना जरुरी है।

देवउठनी ग्यारस पूजा विधि

*इस दिन सर्वप्रथम सूर्योदय से पूर्व स्नान करना चाहिए।

*इस दिन पूजन करने वाले निराहार व्रत भी रखते हैं। *बहुत सी महिलाएं इस दिन निर्जला उपवास भी रखती हैं।

*इसी दिन भगवान लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती हैं।

*एकादशी के दिन घरों में चावल नहीं बनायें जाते हैं।

* बहुत से घरों में भजन आदि का आयोजन किया जाते हैं।

देवउठनी ग्यारस कथा

पौराणिक कथाओं की मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत रखने से कई जन्मों का उद्धार होता है। तुलसी एक औषधीय पौधा है जो अपने लाभकारी गुणों के लिए जाना जाता है. यह वातावरण को शुद्ध तो करता ही है साथ ही वह अपने आस-पास सकारात्मक वातावरण को उत्पन्न करता है। राक्षस जालंधर की पत्नी तुलसी थी। तुलसी सर्वगुण संपन्न एक सदुणों वाली महिला थी। राक्षस जालंधर बहुत ही पापी था। रक्षक जालंधर के कर्मों की वजह से तुलसी बहुत दुखी रहती थी। इसलिए वह हर समय अपना मन नारायण भक्ति में व्यतीत करती थी। जालंधर के बढ़ते पापों के कारण भगवान विष्णु ने उसका संहार किया और तुलसी अपने पति की मृत्यु के बाद सती धर्म को अपनाकर सती हो गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार उस सती की भस्म से ही तुलसी का पौधा उत्पन्न हुआ और उनके ओजस्वी विचारों एवं गुणों के कारण तुलसी का यह औषधीय पौधा आज इतना गुणकारी है। तुलसी के सत कर्मो की कारण भगवान विष्णु ने अगले जन्म में तुलसी से विवाह किया। इसीलिए देवउठनी ग्यारस के दिन तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है।

तुलसी पूजन मंत्र

देवी त्वं निर्मिता पूर्वमर्चिताऽसि मुनीश्वरै
नमो नमस्ते तुलसी पापं हर हरिप्रिये
तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन:प्रिया।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत.
तुलसी भूर्महालक्ष्मी:पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल के बेटे से हारी दक्षिण अफ्रीकी टीम

(विनोद पाठक)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसके घर में पहले टी-20 मुकाबले में शतक लगाकर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। टीम इंडिया ने डरबन में 202 रन बनाए, जिसमें आधे से अधिक 107 रन अकेले संजू सैमसंग के नाम रहे। संजू सैमसन ने 50 गेंदों पर यह स्कोर बनाया, जबकि बाकी टीम दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे लड़खड़ाती दिखी। संजू सैमसन ने अपनी शतकीय पारी में 7 छक्के और 10 चौक लगाए। भारत यह मैच 61 रनों से जीता।

30 वर्षीय संजू सैमसन मूलतः केरल के तिरुवनन्तपुरम जिले के निवासी हैं। उनके पिता दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल हुआ करते थे। पिता स्पोर्ट्समैन भी थे और उन्होंने फुटबॉल की संतोष ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। पिता का सपना था कि वो बेटे संजू को क्रिकेटर बनाएं।

संजू सैमसन के शुरुआती कोच यशपाल थे। संजू सैमसन ने क्रिकेट खेलना शुरू करते ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना शुरू कर दिया था। ध्रुव पांडव ट्रॉफी में उन्होंने अंडर-13 की टीम में दिल्ली का भी प्रतिनिधित्व किया।

...**ताकि बेटा खेल सके क्रिकेट-** बेटा अच्छा क्रिकेटर बन सके, इसके लिए पिता ने दिल्ली पुलिस से वॉलंटरी रिटायरमेंट तक ले लिया था। वो संजू सैमसन को लेकर केरल लौट आए, जहां संजू ने मास्टर्स क्रिकेट क्लब, तिरुवनन्तपुरम में खेलना शुरू किया। ऐसा नहीं है कि संजू केवल क्रिकेट पर ध्यान दे रहे थे, वो पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर में बीए की डिग्री हासिल की। बचपन में एक समय संजू का सपना आईपीएस अफसर बनने का था। संजू सैमसन ने वर्ष 2007 में अंडर- 13 क्रिकेट में केरल टीम की कप्तानी की। संजू ने टीम को केएससीए इंटर स्टेट टूर्नामेंट में विजय दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 973 रन बनाए थे, जिसमें 5 मैचों में चार शतक शामिल थे। संजू सैमसंग केरल की अंडर-16 टीम का भी हिस्सा रहे। उन्होंने गोवा के खिलाफ विजय मर्चेंट ट्रॉफी में 138 गेंदों पर डबल सेंचुरी लगाई थी। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए संजू को थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ जुलाई 2015 में अपना पहला टी-20 मुकाबला खेला।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

पांडा अब प्रयागराज में रहते हैं। लोग उन्हें भूल गए थे, पर पिछले दिनों अचानक वह फिर चर्चा में आए, जब उन्होंने प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि कुछ लोग उन्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसाने की धमकी देकर आठ लाख रुपये वसूलना चाहते हैं। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिये उन्होंने 381 करोड़ रुपये की रकम अर्जित की थी। इस धनराशि को जब उन्होंने अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कराना चाहा, तो साइप्रस से किसी शख्स ने टेलीफोन किया। खुद का परिचय आरव शर्मा के तौर पर देते हुए उसने कहा कि वह टैक्स के तौर पर आठ लाख रुपये जमा कराएं। शक होने पर जब पांडा ने थोड़ी पूछताछ की, तो कथित आरव शर्मा गाली-गलौज पर उतर आया।

(शशि शेखर)

क्या आपको डीके पांडा की याद है वही डीके पांडा, जो 1971 बैच के उत्तर प्रदेश काडर के पुलिस अधिकारी के तौर पर जाने जाते थे और अचानक उन्होंने खुद को राधा के रूप में पेश करना शुरू कर दिया था। वह सोलह शृंगार कर ऑफिस जाने लगे थे और अपने नाम के आगे उन्होंने दूसरी राधा लिखना आरंभ कर दिया था। जब अपने मातहत और नजदीकी तक मजाक उड़ाने लगे, तो उन्होंने 'वॉलंटरी रिटायरमेंट' ले लिया था। पांडा अब प्रयागराज में रहते हैं। लोग उन्हें भूल गए थे, पर पिछले दिनों अचानक वह फिर चर्चा में आए, जब उन्होंने प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि कुछ लोग उन्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसाने की धमकी देकर आठ लाख रुपये वसूलना चाहते हैं। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिये उन्होंने 381 करोड़ रुपये की रकम अर्जित की थी। इस धनराशि को जब उन्होंने अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कराना चाहा, तो साइप्रस से किसी शख्स ने टेलीफोन किया। खुद का परिचय आरव शर्मा के तौर पर देते हुए उसने कहा कि वह टैक्स के तौर पर आठ लाख रुपये जमा कराएं। शक होने पर जब पांडा ने थोड़ी पूछताछ की, तो कथित आरव शर्मा गाली-गलौज पर उतर आया। उसने धमकी दी कि आठ लाख रुपये अगर हमारे बताए खाते में ट्रांसफर न किए, तो तुम्हें 'टेरर फंडिंग' के मामले में फंसा दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं है। दूसरा मामला। श्रीमान वशिष्ठ बतौर बैंक प्रबंधक सेवानिवृत्त होकर अब नोएडा में रहते हैं। गई 21 अक्तूबर की दोपहर उनके पास एक फोन आता है। फोन करने वाला कहता है कि आपके नाम से 'फेडेक्स' से जो कूरियर भेजा गया था, उसमें 16 फर्जी पासपोर्ट, 58 एटीएम कार्ड और 140 ग्राम ड्रग्स मिली है। वह शख्स उनकी एक कथित सीबीआई अधिकारी से बात कराता है, जो खुद को अनिल यादव बताता है। अनिल यादव यह भी कहता है कि उसके साथ हेड कांस्टेबल सुनील हैं। ये जालसाज उन्हें तीन घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखते हैं। उसी दौरान उन्हें बैंक की शाखा जाने का 'हुक्म' मिलता है। वह फोन किए हुए पते पर पहुंचते हैं और आठ लाख रुपये 'निर्दिष्ट' खाते में जमा कर देते हैं। कभी वह यहीं प्रबंधक हुआ करते थे, मगर खौफ ने उनके मुंह पर ताला जड़ दिया था। बाद में जालसाज उन्हें ऑनलाइन रसीद भी मुहैया कराते हैं। रसीद पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शशिकांत दास के फर्जी हस्ताक्षर हैं। इससे पूर्व भी जो अभिलेख उन्हें ऑनलाइन सौंपे गए थे, वे तकनीकी ज्ञान न रखने वाले लोगों को वास्तविक प्रतीत होंगे। खुद को सीबीआई का 'स्पेशल ऑफिसर' बताने वाला तथाकथित अनिल यादव वशिष्ठ साहब को अपना जाली पहचान-पत्र भी भेजता है। यह सब कुछ इतना सुनियोजित और सुविचारित था कि लंबे समय तक बैंक में सेवा कर चुका वह परिपक्व प्रोफेशनल तक गच्चा खा ही गया। थोड़ी देर बाद जब वशिष्ठ सदमे से उबरते हैं, तो उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास होता है। वह स्थानीय पुलिस से संपर्क करते हैं। पुलिस तत्काल ठगों द्वारा बताए गए खाते को 'सीज' करती है, लेकिन तब तक उसमें सिर्फ 49 हजार रुपये रह बचे थे। सुबह इस खाते का 'ओपनिंग बैलेंस' महज 20 रुपये था। अगले आठ घंटों में देखते-देखते चार करोड़, 48 लाख, 43 हजार रुपये इसमें जमा हो गए। इस बड़ी धनराशि को दिन भर में लगातार यूपीआई और आरटीजीएस से विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया जाता रहा। यह बैंक खाता ईश्वर फाइनेंस के नाम से मुंबई में खुला था। मतलब साफ है, जालसाजों की कई टीमें लोगों को फंसाने में जुटी थीं। तमाम निर्दोष उनके शिकार बने थे। ऊपर बताए गए दोनों मामले बेहद सनसनीखेज हैं। पहला एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से जुड़ा हुआ है, तो दूसरा तजुर्बेकार बैंक प्रबंधक से। ठगों ने उन्हें भी नहीं बख्शा। डिजिटल ठगी या अरेस्ट के तमाम चेहरे हैं। भारत में तो यह एक कुटीर उद्योग के तौर पर पनप चला है। पहले सिर्फ झारखंड का जामताड़ा इसके लिए बदनाम हुआ करता था। अब मथुरा, मुजफ्फरनगर, मेवात, अलवर और न जाने कहां-कहां नौजवान 'इजी मनी' की चाहत में इसमें जुट पड़े हैं। प्रादेशिक पुलिस बल चाहकर भी ऐसे मामलों में बहुत कुछ नहीं कर पाते। उनके पास आवश्यक तकनीक और संसाधनों की कमी है। इसके अलावा वीआईपी ड्यूटी, कानून-व्यवस्था का संचालन एवं अपराधों की तफ्तीश के साथ कर्मचारियों की कमी रास्ते में रोड़ा बनती है। कोई आश्चर्य नहीं कि इन ठगों का धंधा दिन दोगुना रात-चौगुना बढ़ रहा है। भरोसा न हो, तो भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की इस प्रेस विज्ञप्ति पर नजर डाल देखिए। इस विज्ञप्ति के अनुसार, इस साल के शुरुआती तीन महीनों में ही 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिये लोगों से 120.3 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके अलावा ट्रेडिंग के नाम पर 1,420.48 करोड़ रुपये, निवेश का झांसा देकर222.58 करोड़ रुपये और डेटिंग घोटाले में 13.23 करोड़ रुपये का नुकसान आमजन को उठाना पड़ा है। साइबर सुरक्षा से जुड़ी कंपनी 'जैडस्केलर' के मुताबिक, साल 2023 में भारत में सात करोड़, 90 लाख से अधिक 'फिशिंग हमले' हुए। इनमें से 33 फीसदी की शिकार टेक्नोलॉजी कंपनियां बनीं। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद 'फिशिंग अटैक' के मामले में भारत तीसरा सबसे बड़ा शिकार है। गौरतलब है कि संसार के सर्वाधिक संपन्न और सशक्त देश अमेरिका में सर्वाधिक यानी 56 फीसदी घटनाएं हुईं। इसके बाद ब्रिटेन का नंबर था। वहां समूचे संसार की 5.6 फीसद घटनाएं दर्ज की गईं। भारत 3.9 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। 'डिजिटल अरेस्ट' के प्रति जागरूकता की अहमियत कितनी है, आप इसका अंदाज इस बात से लगा सकते हैं कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसमें दखल देना पड़ा। उन्होंने मन की बात के पिछले एपिसोड में देशवासियों से कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर इस तरह की धमकी नहीं देती और न ही पैसों की मांग करती है। उन्होंने सूत्र दिया कि यदि कोई इस तरह का फोन करता है, तो 'रुको, सोचो, एक्शन लो।' मोदी ने देश को यह भी आश्वासन दिया कि इस तरह की घटनाओं से सरकार सख्ती से निपटेगी। ऐसे मामलों में सरकार तो जो करेगी, वह करेगी ही, परंतु सच यह है कि डिजिटल अरेस्ट अथवा फिशिंग अटैक से बचने के लिए हमें खुद जागरूक होना पड़ेगा। ऐसा इसलिए भी जरूरी है कि ठग अक्सर सुरक्षा अथवा सरकारी विभागों के अधिकारी का वेश धारण कर शिकार पर निकलते हैं। हमें इन भेड़ियों के झुंड से सतर्क रहना होगा।

इन 6 शुभ योगों में देव उठनी एकादशी व्रत

12 नवंबर को देव उठनी एकादशी व्रत को रखा जाएगा। साथ ही इस दिन से हिंदू धर्म मानने वालों के लिए शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। खास बात यह है कि इस बार देव उठनी एकादशी व्रत 6 शुभ योगों में रखा जाएगा। मान्यता है कि इन योगों में पूजा अर्चना और शुभ काम करने से मनोकामना पूरी हो जाती है। आइये आपको बताते हैं कब है देव उठनी एकादशी और देव उठनी ग्यारस पर कौन से 6 शुभ योग बन रहे हैं -

कब है देव उठनी एकादशी

देव उठनी एकादशी तिथि प्रारंभ: 11 नवंबर 2024 को शाम 06.46 बजे से
देव उठनी एकादशी तिथि समापन: मंगलवार, 12 नवंबर 2024 को शाम 04.04 बजे
देवोत्थान एकादशी: मंगलवार 12 नवंबर 2024 को (उदया तिथि के अनुसार)
देव उठनी एकादशी पारण समय (व्रत तोड़ने का समय)- बुधवार, 13 नवंबर सुबह 06.50 बजे से सुबह 09.02 बजे तक
पारण तिथि के दिन द्वादशी समाप्त होने का समय: दोपहर 01.01 बजे

सर्वार्थ सिद्धि योग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किसी भी प्रकार के नए कार्य जैसे- व्यापार की शुरुआत करना, शादी विवाह करना, नई नौकरी की शुरुआत करना, पूजा-पाठ करना शुभ फल देने वाले होते हैं। ऐसा माना जाता है कि सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कोई भी कार्य निश्चित रूप से सफल होता है। यह योग देव उठनी एकादशी (12 नवंबर) की सुबह 7 बजकर 52 बजे से लेकर अगले दिन 5 बजकर 40 बजे तक रहेगा।

रवि योग

रवि योग सभी दोषों को नष्ट करने वाला योग माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस योग में किए काम से अपने शत्रुओं पर विजय पाने की शक्ति मिलती है। इस योग की घड़ी में आपके अंदर सफलता का मार्ग प्रशस्त करने का दृढ़ संकल्प जागृत होता है। इस योग में किए प्रयास से आपका स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है। रवि योग सुबह के 6 बजकर 40 मिनट से लेकर अगले दिन की सुबह के 7 बजकर 52 मिनट तक रहेगा।

हर्षण योग

हर्षण योग में किए गए सभी कार्य से आपको आनंद मिलता है। किसी भी नए कार्य की शुरुआत के लिए यह योग अच्छा माना जाता है। हर्षण योग एकादशी के दिन शाम के 7 बजकर 10 मिनट तक रहेगा।

शुभ

शुभ योग में शुभ या मंगल कार्य करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि हर योग में शुभ योग में करना चाहिए। शुभ योग में यात्रा करना, गृह प्रवेश, नवीन कार्य प्रारंभ करना, विवाह आदि करना शुभ बेहद शुभ होता है। यह योग भी देवउठनी ग्यारस पर बन रहा है।

अमृत योग

अमृतयोग ज्योतिषशास्त्र विशेष योग है, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार आनंदादि 28 योगों में यह 21वां योग है। यह योग अपने नाम के अनुसार अमृत जैसे फल देने वाला है। इस योग में यात्रा आदि शुभ कार्य श्रेष्ठ माने जाते हैं। प्रबोधिनी एकादशी (देव उठनी एकादशी) पर अमृत योग 13 नवंबर को सुबह 05.40 बजे तक है।

सिद्धि योग

किसी भी नए कार्य की शुरुआत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में सिद्धि योग को भी उत्तम योग माना जाता है। इस घड़ी में किया गया कोई भी कार्य सफल होता है। इस योग में आप कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने के बारे में विचार कर रहे हैं तो आपको उसमें निश्चित ही सफलता मिलती है। इसके साथ ही धन प्राप्ति और सुख, समृद्धि के लिए भी यह योग शुभ माना जाता है।
सिद्धि योग के स्वामी गणेश जी हैं। इस योग में प्रभु का नाम जपने से जातक को सकारात्मक फल मिलते हैं। इस योग में जो भी कार्य किया जाता है उसमें सफलता मिलती है। इसीलिए किसी भी तरह का शुभ कार्य करने के लिए सिद्धि योग को प्राथमिकता दी जाती है। क्योंकि सिद्धि योग के स्वामी गणेश जी हैं। यह योग देव उठनी एकादशी पर 13 नवंबर की सुबह 5.40 बजे तक है।

देवउठनी एकादशी? होगा चातुर्मास का समापन मांगलिक कार्य होंगे शुरू

कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है.हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है.इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है.ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है.

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से जाना जाता है। इस दिन श्रीहरि विष्णु निद्रा से जागते हैं।
आइए जानें कैसे करें व्रत-पूजन :

- देवउठनी एकादशी के दिन व्रत करने वाली महिलाएं प्रात:काल में स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं :

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें :

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमान: सचन्त यत्र पूर्वे साध्या: सन्तिदेवा:'
पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें : -
'इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता।
त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थ शेषशायिना'
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो।
न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन'

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से 'समुत्थिते ततो विष्णौ क्रिया: सर्वा: प्रवर्तयेत' के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं)। अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।

देवउठनी एकादशी का व्रत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. इसे हरि प्रबोधिनी एकादशी और देवुत्थान एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. देवउठनी एकादशी को चातुर्मास का समापन होता है, साथ ही विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य पर लगी रोक भी हट जाती है. इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और अगले दिन तुलसी विवाह का भी आयोजन होता है. व्रती अपने घरों में तुलसी के साथ भगवान शालिग्राम का विवाह कराते हैं. इससे सुख और सौभाग्य बढ़ता है. तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं कि इस साल देवउठनी एकादशी कब है? देवउठनी एकादशी पूजा मुहूर्त, पारण समय और महत्व क्या है?

देवउठनी एकादशी का महत्व क्या है?

देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु 4 माह की योग निंद्रा से बाहर आते हैं. उसके बाद वे फिर से सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव से प्राप्त करते हैं. कहा जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान पाताल लोक को छोड़कर वापस अपने वैकुंठ धाम वापस आ जाते हैं. असुरराज बलि को दिए वचन के अनुसार, भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक पाताल लोक में रहते हैं.

देवउठनी एकादशी पर चातुर्मास का समापन

देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास का समापन हो जाता है क्योंकि भगवान विष्णु योग निद्रा से बाहर आ जाते हैं. उस दिन से विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. उस दिन से इनके लिए शुभ मुहूर्त देखे जाने लगते हैं.

देवउठनी एकादशी पर इस शुभ मंत्र से जागते हैं देव

देवउठनी एकादशी से भगवान विष्णु जाग्रत होते हैं। पुराणों में वह मंत्र और श्लोक वर्णित है जिसे देव को उठाने के समय बोला जाता है।

देव प्रबोधन मंत्र इस प्रकार है :

ब्रह्मेन्द्ररुदाग्नि कुबेर सूर्यसोमादिभिर्वन्दित वंदनीय,
बुध्यस्य देवेश जगन्निवास मंत्र प्रभावेण सुखेन देव।
अर्थात- ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, अग्नि, कुबेर, सूर्य, सोम आदि से वंदनीय, हे जगन्निवास, देवताओं के स्वामी आप मंत्र के प्रभाव से सुखपूर्वक उठें।
हम देवोत्थान हेतु इस प्रकार स्तुति करते हैं :
उदितष्ठोतिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पते,
त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत्सुप्तं भवेदिदम।
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव।
वास्तव में देव प्रबोधन एकादशी भगवान विष्णु की आराधना का अभिनव अवसर है। देव प्रबोधन एकादशी को प्रात:काल (ब्रह्म मुहूर्त) में नगर-नगर में भगवान नाम स्मरण, रामधुन (श्रीराम जय राम, जय-जय राम) कीर्तन गाजे-बाजे के साथ बालक, युवा, वृद्ध नर-नारी शामिल होकर नगर परिक्रमा करते हैं तथा आतिशबाजी के साथ देवोत्थान उत्सव मनाते हैं। गृह लक्ष्मी को हाथ में कलश के ऊपर दीप प्रज्ज्वलित कर चलना चाहिए। इससे अत्यधिक पुण्य फल प्राप्त होता है। पुराणों में इस तिथि को संपन्न पूजन कार्य को अत्यधिक फलदायी माना गया है। हरि-जागरण के उपरांत ही शुभ-मांगलिक कार्य प्रारंभ होते हैं।

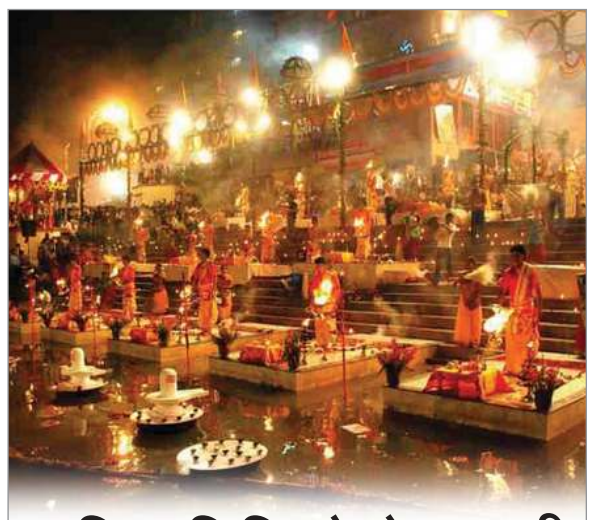

पवित्र तिथि है देवउठनी एकादशी, इस दिन न करें ये काम

देवउठनी एकादशी अत्यंत पवित्र तिथि है। इस दिन तन-मन-धन की पवित्रता को बनाए रखने के पूरे प्रयास करना चाहिए। यह तिथि इतनी शुभ है कि मन, कर्म और वचन की थोड़ी सी अशुद्धि भी आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। शास्त्रों में बताया गया है कि एकादशी के दिन कौन से कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए.

जुआ खेलना

जुआ खेलना एक सामाजिक बुराई है। जो व्यक्ति जुआ खेलता है, उसका परिवार व कुटुंब भी नष्ट हो जाता है। जिस स्थान पर जुआ खेला जाता है, वहां अधर्म का राज होता है। ऐसे स्थान पर अनेक बुराइयां उत्पन्न होती हैं। इसलिए सिर्फ आज ही नहीं बल्कि कभी भी जुआ नहीं खेलना चाहिए।

रात में सोना

एकादशी की रात को सोना नहीं चाहिए। पूरी रात जागकर भगवान विष्णु की भक्ति करनी चाहिए। भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर के निकट बैठकर भजन करते हुए ही जागरण करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

पान खाना

एकादशी के दिन पान खाना भी वर्जित माना गया है। पान खाने से मन में रजोगुण की प्रवृत्ति बढ़ती है। इसलिए एकादशी के दिन पान न खा कर व्यक्ति को सात्विक आचार-विचार रख प्रभु भक्ति में मन लगाना चाहिए।

दातून करना

एकादशी पर दातून (मंजन) करने की भी मनाही है। इस निषेध के शास्त्रसम्मत कारण नहीं मिलते हैं।

परनिंदा

परनिंदा यानी दूसरों की बुराई करना। ऐसा करने से मन में दूसरों के प्रति कटु भाव आ सकते हैं। इसलिए एकादशी के दिन दूसरों की बुराई न करते हुए भगवान विष्णु का ही ध्यान करना चाहिए।

चुगली करना

चुगली करने से मान-सम्मान में कमी आ सकती है। कई बार अपमान का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सिर्फ एकादशी ही नहीं अन्य दिनों में भी किसी की चुगली नहीं करना चाहिए।

चोरी करना

चोरी करना पाप कर्म माना गया है। चोरी करने वाला व्यक्ति परिवार व समाज में घृणा की नजरों से देखा जाता है। इसलिए सिर्फ एकादशी ही नहीं अन्य दिनों में भी चोरी जैसा पाप कर्म नहीं करना चाहिए।

हिंसा करना

एकादशी के दिन हिंसा करने की मनाही है। हिंसा केवल शरीर से ही नहीं मन से भी होती है। इससे मन में विकार आता है। इसलिए शरीर या मन किसी भी प्रकार की हिंसा इस दिन नहीं करनी चाहिए।

स्त्रीसंग

एकादशी पर स्त्रीसंग करना भी वर्जित है क्योंकि इससे भी मन में विकार उत्पन्न होता है और ध्यान भगवान भक्ति में नहीं लगता। अत: एकादशी पर स्त्रीसंग नहीं करना चाहिए।

क्रोध

एकादशी पर क्रोध भी नहीं करना चाहिए। इससे मानसिक हिंसा होती है। अगर किसी से कोई गलती हो भी जाए तो उसे माफ कर देना चाहिए और मन शांत रखना चाहिए।

झूठ बोलना

झूठ बोलना व्यक्तिगत बुराई है। जो लोग झूठ बोलते हैं, उन्हें समाज व परिवार में उचित मान सम्मान नहीं मिलता। इसलिए सिर्फ एकादशी पर ही नहीं अन्य दिनों में भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

देवउठनी ग्यारस तुलसी विवाह उत्सव

कार्तिक माह में कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं.कार्तिक माह में दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा जैसे कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं.कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है.हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है. इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है.ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है. देवउठनी ग्यारस का मतलब होता है कि देवों का उठना.ये एकादशी साल भर की एकादशी में से इसीलिए सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस दिन से चार महीने पहले भगवान विष्णु व अन्य देवता गण क्षीरसागर में जाकर सो जाते हैं.इसी वजह से देव शयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी के बीच में कोई भी शुभ कार्य नहीं होता हैं. देवउठनी एकादशी से देव उठते हैं.साथ ही जब इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के बाद सो कर जगे थें तो तुलसी के पौधे से उनका विवाह होता है.इसीलिए मान्यता है कि तुलसी और विष्णु जी के शालिग्राम रूप का विवाह वाले को कन्यादान करने का पुण्य प्राप्त मिलता है.
इसे देव प्रबोधनी एकादशी या देवउठनी एकादशी को तुलसी विवाह उत्सव भी कहा जाता है. ये त्योहार दिवाली के 11 दिन बाद मनाया जाता है.इसे तुलसी विवाह के रूप में भी जाना जाता है.ये हर साल कार्तिक शुक्ल पक्ष ग्यारस के दिन किया जाता है. इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना होता है.इस दिन व्रत करने की परंपरा है.स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. वैसे तो इस दिन नदी में स्नान करने को बेहद शुभ माना जाता है. ये व्रत एकादशी को शुरू होता है और द्वादश को खोला जाता है.इस दिन तुलसी की पूजा और पूरी विधि विधान के साथ विष्णु जी के रूप शलिग्राम जी से उनका विवाह संपन्न करवाया जाता है.इस दिन तुलसी की पूजा में लोग कन्यादान करते हैं.हिंदू धर्म के अनुसार संसार में यदि सबसे बड़ा कन्यादान है तो वह है कन्यदान. इसीलिए इस दिन लोगों को कन्यादान करने का सौभाग्य भी प्राप्त होता है.

संक्षिप्त समाचार

हिंदुओं में डर, खालिस्तानी धमकी से भारतीय कैंप रद्द; कनाडा में और बिगड़ा माहौल

ओटावा एजेंसी। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के बाद से ही तनावपूर्ण माहौल है। देश में रह रहे हिंदू समुदाय के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर डर का माहौल है। रविवार को भारतीय कौंसुलेट का एक कैंप में अलबार्टा में लगना था, लेकिन इसमें हिंसा के डर से कैंसिल कर दिया गया। यह कैंप वैंकुवर स्थित इंडियन कौंसुलेट की ओर से आयोजित होना था। इन घटनाओं के चलते हिंदू समुदाय के बीच डर का माहौल है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। सर्वे के अनुसार देश के ज्यादातर हिंदुओं का कहना है कि वह अपनी सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। ऐसा तब है, जब कनाडा की सरकार को लेकर वहां हिंदुओं का भरोसा कमजोर हुआ है। पिछले दिनों हुए मंदिर पर हमले ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है। खबर मिली है कि अलबार्टा में जहां कैंप होना था, वहां खालिस्तानी प्रदर्शन करने पहुंचे थे। उन्हें स्थानीय पुलिस ने थोड़ी दूरी पर ही रोक लिया था। रविवार रात को खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस की ओर से बयान में कहा गया था कि हम भारतीय डिप्लोमैट्स की ओर से होने वाले कैंप में बाधा पहुंचाएंगे। सिख्स फॉर जस्टिस ने कहा कि हम कनाडा में लाइफ सर्टिफिकेट कैम्पस का विरोध करते रहेंगे। उसने ग्रेटर टोरंटो एरिया में 16 और 17 नवंबर को आयोजित होने वाले कैंपों का भी जिक्र किया था। बता दें कि टोरंटो स्थित भारतीय कौंसुलेट ने बीते सप्ताह ही ऐलान किया था कि वह कुछ कौंसुलर कैम्पस को रद्द करेगा। उसका कहना था कि हम ऐसा फैसला इसलिए ले रहे हैं क्योंकि कनाडा की सरकार ने सुरक्षा को लेकर भरोसा नहीं दिया है। ऐसी स्थिति में हम कुछ कैंपों को रद्द ही कर रहे हैं। इस बीच विश्व हिंदू परिषद कनाडा के सर्वे में कहा गया है कि हिंदुओं के बीच नाराजगी है। वॉइस ऑफ कनैडियन हिंदू के सर्वे में कहा गया है कि 98.5 फीसदी हिंदुओं को जानकारी है कि मंदिर पर हमला हुआ है। वहीं ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया के 95 फीसदी हिंदुओं का कहना है कि इन हमलों के बाद हम सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे।

कविताओं से हो रहा मानसिक स्वास्थ्य का इलाज, लंदन में खुली पोएम फॉर्मेसी

लंदन , एजेंसी। आजकल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे उदासी, एंग्जाइटी (चिंता) और अकेलापन का इलाज सिर्फ दवाइयों से नहीं, बल्कि कविताओं से भी हो रहा है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। लंदन में एक नई पहल शुरू की गई है, जिसे पोएम फॉर्मेसी कहा जाता है। यहां लोग मानसिक परेशानियों से उबरने के लिए कविताओं का सहारा ले रहे हैं। पोएम फॉर्मेसी एक विशेष प्रकार की फॉर्मेसी है, जहां लोग दवाइयों के बजाय कविताओं की किताबें पढ़ते हैं। एक-दूसरे को सुनाते हैं और कविताओं के बारे में बातचीत करते हैं। यह फॉर्मेसी दो महीने पहले बुजुर्गों के लिए शुरू की गई थी, लेकिन अब यहां युवा भी बड़ी संख्या में आने लगे हैं। कई युवा तो यहां खुद कविताएं लिखने लगे हैं। फॉर्मेसी की संस्थापक डेब अल्मा एबुलियंस नामक संस्था की प्रमुख हैं। वह कहती हैं कि कविता एक ऐसी कला है, जो मन की गहरी अवस्था में विकसित होती है। चाहे वह खुशी हो या फिर उदासी, दर्द या दुःख। कविताएं ट्रॉमा (आघात) से बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं।

36 वर्षीय अमेरिकी महिला ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड, दान किया 2,645 लीटर ब्रेस्ट मिल्क

वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी महिला ने स्तन दूध दान करके एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, टेक्सास की 36 वर्षीय एलिस ओगलेट्री ने अब तक का सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्तन दूध दान किया है। उन्होंने 2,645.58 लीटर दूध दान किया, जो किसी महिला द्वारा दान किया गया अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एलिस ओगलेट्री ने इससे पहले 2014 में भी विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जब उन्होंने 1,569.79 लीटर दूध दान किया था। रिपोर्ट के अनुसार, ओगलेट्री ने अपना दूध नॉर्थ टेक्सास के मदर्स मिल्क बैंक को दान किया।

बार्बी डॉल बनाने वाली कंपनी ने कर दिया कांड, बॉक्स पर छापा पोर्न वेबसाइट का क्यूआर कोड

लंदन, एजेंसी। बच्चों के लिए खिलौने बनाने वाली कंपनी मैटल ने बहुत बड़ी गलती कर दी। खबर है कि कंपनी ने मशहूर बार्बी डॉल के बॉक्स में पोर्न वेबसाइट का पता छाप दिया। हालांकि, कंपनी ने इस गलती के लिए माफी मांग ली है और ग्राहकों से पोर्न वेबसाइट को छिपाने या डॉल को फेंकने की सलाह दी है। कहा जा रहा है कि ऐसा डॉल के कुछ बॉक्स के साथ ही हुआ था।

कंपनी ने गलती से बार्बी डॉल के कुछ बॉक्स पर त्तक्रकोड छाप दिए थे, जो पोर्न वेबसाइट से लिंक थे। कंपनी का कहना है कि परेशानी सिर्फ कुच डॉल्स के साथ ही थी और इससे निपटने के लिए सभी जरूरी कदम भी उठा लिए गए हैं। कंपनी ने ग्राहकों को भरोसा दिया है कि जल्द ही इन प्रोडक्ट्स को बाजार से हटा लिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने विकेड मूवी के प्रचार के लिए खास बार्बी डॉल तैयार की थीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर जब कुछ यूजर्स ने देखा कि कुछ बॉक्स पर छपा हुआ क्यूआर कोड पोर्न वेबसाइट से लिंक है, तो यह मामला कंपनी के सामने आया। खबर है कि प्रिंटिंग की इस गलती से खासतौर पर ग्लिंडा और एल्फाबा डॉल प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण गलती करार दिया है। मैटल ने प्रभावित ग्राहकों को उनके कस्टमर केयर सर्विस से भी संपर्क साधने के लिए कहा है।

मॉस्को पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, कई हवाई अड्डों को किया गया बंद

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से मॉस्को पर अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रविवार को कम से कम 34 ड्रोन ने रूसी राजधानी को निशाना बनाया। इस हमले ने रूस की राजधानी में अफरातफरी मच गई, जिसके कारण मॉस्को के तीन हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा और कम से कम पांच लोग घायल हो गए।

रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार कि हमले के कारण मॉस्को क्षेत्र के स्टैनोवॉय गांव में दो घरों में आग लग गई, जिसमें एक 52 वर्षीय महिला को जलने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों-डोमोडेडोवो,

शेरेमेतियोवो और जुकोवस्की-ने कम से कम 36 उड़ानों को डायवर्ट किया, लेकिन कुछ ही समय बाद परिचालन फिर से शुरू हो गया। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया के साथ शनिवार रात एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, अगर उनमें से किसी पर भी हमला होता है तो दोनों देश ''सभी साधनों का उपयोग करके तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करेंगे। यह समझौता शीत युद्ध की समाप्ति के बाद मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सबसे मजबूत संबंध को दर्शाता है।

इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन ने बताया कि उसके सैनिकों का उत्तर कोरियाई इकाइयों के साथ पहली बार मुकाबला हुआ। अमेरिकी अधिकारियों ने रूस में कम से कम 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की थी, जबकि कीव ने बार-बार कहा है कि यह संख्या इससे कहीं अधिक है। इससे एशिया-प्रशांत में तनाव और बढ़ने की आशंकाएं प्रबल हो गई हैं। इस बीच, ब्रिटेन के रक्षा प्रमुख टोनी राडाकिन ने 'बीबीसी को बताया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद से रूसी सेना को अक्टूबर में सर्वाधिक जनहानि हुई।

उन्होंने कहा कि मॉस्को के ''रोजाना औसतन 1,500 सैनिक हताहत हुए और युद्ध में अब तक उसके कुल 7,00,000 सैनिक मारे गए हैं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी क्षेत्र में शनिवार रात भर कुल 84 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया।

डोनाल्ड ट्रंप के विरोधी शख्स ने परिवार के 4 लोगों का किया कत्ल, फिर खुद को मारी गोली

वॉशिंगटन , एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट करने वाले शख्स ने परिवार के 4 सदस्यों का कत्ल कर दिया और फिर आत्महत्या कर ली। उसने परिवार के 4 लोगों की गोली मारकर जान ली थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार 7 नवंबर को यह मामला सामने आया, जब अमेरिका के मिनेसोटा स्थित एक घर से शव बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि आरोपी की एक्स पार्टनर एरिन अब्रामसन और उसके बेटे जैकब नेफ्यू का शव बरामद हुआ था। इसके अलावा पड़ोस के ही एक अन्य अपार्टमेंट से उस शख्स की पत्नी कैथरीन नेफ्यू और उसके बेटे ओलिवर नेफ्यू का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस को घर से ही 46 साल के एंथनी नेफ्यू का शव भी बरामद हुआ। पुलिस की जांच में पता चला कि उसने खुद ही कनपटी से बंदूक सटाकर गोली मार ली थी। पुलिस चीफ माइक सेनोवा ने कहा कि परिवार को मारकर खुद जान देने वाले एंटनी नेफ्यू मानसिक रूप से बीमार थे। उन्होंने लगातार कई पोस्ट सोशल मीडिया पर किए थे, जिसमें उन्होंने वामपंथी और डोनाल्ड ट्रंप विरोधी विचार पेश किए थे।

भारत-श्रीलंका के रिश्तों की नई उड़ान, रामायण के संग यात्रा करने का मौका !

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने भारतीयों को लुभाने के लिए एक नया वीडियो विज्ञापन जारी किया है, जिसमें रामायण की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहरों का उल्लेख किया गया है। इस पांच मिनट के वीडियो में एक दादी अपने पोते को रामायण की कहानियों के माध्यम से श्रीलंका में स्थित ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी देती हैं। भारत और श्रीलंका के बीच की गहरी सांस्कृतिक कड़ी का जिक्र करते हुए, विज्ञापन में दिखाया गया है कि दादी, अपने पोते को विभिन्न स्थलों के बारे में बताते हुए, रामायण के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करती हैं। इसमें रावण की गुफा, सीता अम्मान मंदिर, और रामसेतु जैसे स्थलों का उल्लेख शामिल है।

रावण की गुफा, जो श्रीलंका के एला के पास स्थित है, का जिक्र करते हुए दादी बताती हैं कि यही वह स्थान है जहाँ रावण ने सीता का अपहरण करने के बाद उन्हें रखा था। इसके अलावा, सीता अम्मान मंदिर का भी उल्लेख किया गया है, जिसे अशोक वाटिका के रूप में जाना जाता है। वीडियो में दिखाया गया है कि दादी अपने पोते को रामसेतु के बारे में भी जानकारी देती हैं, जिसे भगवान राम ने वानरों की सहायता से निर्माण करवाया था। बच्चा सवाल पूछता है कि क्या यह पुल अभी भी मौजूद है, जिस पर दादी

जवाब देती हैं हां, तुम इसे अभी भी देख सकते हो। इसे रामसेतु के नाम से जाना जाता है।

विज्ञापन में रामायण की कहानियों और पात्रों को एनिमेशन के माध्यम से भी दर्शाया गया है, जिसमें भगवान हनुमान द्वारा रावण के महल में आग लगाने की घटना और भारत-श्रीलंका के बीच पुल के निर्माण में उनकी भूमिका का उल्लेख शामिल है। इस विज्ञापन के माध्यम से श्रीलंकन एयरलाइंस ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने और श्रीलंका की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का प्रयास किया है। भारत के साथ सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने हेतु यह एक प्रभावशाली कदम है, जिसका उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ाना है बल्कि भारतीय नागरिकों के लिए श्रीलंका को एक आकर्षक गंतव्य बनाना भी है। श्रीलंकन एयरलाइंस की यह पहल दर्शाती है कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को पहचान कर पर्यटन क्षेत्र में नयापन लाने की कितनी आवश्यकता है।

बाइडन कुर्सी छोड़ें और अब कमला को बना दें अमेरिकी राष्ट्रपति, हैरिस की टीम के सदस्य ने दी सलाह

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव हार जाने से उन्हें समर्थन दे रहे लोग काफी निराश हैं। इस बीच अब कमला हैरिस की टीम के पूर्व कर्मचारी ने राष्ट्रपति जो बाइडन से इस्तीफा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बाइडन इस्तीफा देकर कमला हैरिस को देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनाएं। हालांकि यह कार्यकाल थोड़े ही समय के लिए होगा।

हैरिस की टीम के पूर्व संचार निदेशक जमाल सिमंस ने रविवार के टॉक शो के दौरान इसी तरह का सुझाव दिया। बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्होंने कहा, जो बाइडन अद्भुत रहे हैं, लेकिन उन्हें एक आखिरी वादा पूरा करना चाहिए और वक्त की नजाकत को समझते हुए बदलाव की ओर कदम बढ़ाना चाहिए।

30 दिनों में राष्ट्रपति पद से दे सकते इस्तीफा

पूर्व संचार निदेशक ने कहा, बाइडन अगले 30 दिनों में राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे सकते हैं, इसके बाद कमला हैरिस को संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे उन्हें छह जनवरी को अपनी हार के बाद होने वाले बदलावों की निगरानी करने से मुक्ति मिल जाएगी। और यह सुनिश्चित करेगा कि यह खबरों में छा जाए, एक ऐसे बिंदु पर जहां डेमोक्रेट्स को नाटक और पारदर्शिता सीखनी होगी और वे चीजें करनी होंगी जो जनता देखना चाहती है। यह हमारे लिए डेमोक्रेट्स के काम करने के तरीके के पूरे परिप्रेक्ष्य को बदलने का समय है। एक सवाल के जवाब में सिमंस ने कहा कि यह सबसे अच्छी बात है जो बिडेन अब कर सकते हैं।

निदेशक ने आगे कहा, यह एक ऐसी बात है जो फिलहाल जो बाइडन के नियंत्रण में है।

सगाई टूटी तो अंगूठी पर किसका हक अमेरिका की कोर्ट ने पलटा 60 साल पुराना फैसला

मैसाचुसेट्स, एजेंसी। सगाई टूटी तो अंगूठी कौन रखे इस बेहद पेचीदा सवाल का जवाब अमेरिका में मैसाचुसेट्स की सबसे बड़ी अदालत ने दिया है। यहां की कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान इस पर अपना फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई के दौरान विवाद के केंद्र में 70,000 डॉलर यानी लगभग 60 लाख रुपए की एक अंगूठी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि सगाई की अंगूठी पर इसके खरीदने वाले का हक है और उसे वापस कर दी जानी चाहिए। इससे पहले तक कोर्ट को यह पहचानने की कोशिश करनी पड़ती थी कि रिश्ते के अंत के लिए कौन जिम्मेदार है। इसके बाद अंगूठी को लेकर फैसला किया जाता था। अब कोर्ट ने 60 साल बाद यह नियम बदल दिया है। यह मामला ब्रूस जॉनसन और कैरोलिन सेटिनो से जुड़ा था। उन्होंने 2016 में डेटिंग शुरू की थी। इसके बाद वे पूरे अमेरिका और इटली में एक साथ घूमे। इस दौरान जॉनसन ने छुट्टियों का खर्च उठाया और सेटिनो को गहने, कपड़े, जूते और हैंडबैग भी दिए। जॉनसन ने कुछ दिनों बाद 70,000 डॉलर की हीरे की अंगूठी खरीदी और अगस्त

2017 में सेटिनो के पिता से उससे शादी करने की बात की। जॉनसन ने बताया कि उन्हें ऐसा लगा कि उसके बाद से सेटिनो लगातार उससे दूरी बनाने लगी। जॉनसन के मुताबिक जब उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का पता चला तो वह उनके साथ इलाज के लिए अस्पताल भी नहीं जाती थी। इसके बाद जॉनसन को पता चला कि सेटिनो उन्हें धोखा दे रही थी। इस सब के बाद जॉनसन ने सगाई तोड़ दी। हालांकि अंगूठी को लेकर असमंजस की स्थिति थी। ट्रायल जज ने शुरुआत में यह निष्कर्ष निकाला कि सेटिनो सगाई की अंगूठी रखने का हकदार था। कोर्ट ने यह तर्क दिया कि जॉनसन ने सेटिनो पर उसे धोखा देने का गलत आरोप लगाया।

ट्रंप के जीतते ही शेख हसीना का बड़ा दांव, सड़कों पर उतरी आर्मी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को गिरे हुए लगभग तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन आज भी वहां के हालात कमोबेश वैसे ही हैं। पहले कट्टरपंथियों ने देशभर में बवाल किया। उसके बाद बीएमपी के हजारों कार्यकर्ताओं ने देश की राजधानी में रैली निकाली और नए सिरे से चुनाव कराने व त्वरित सुधारों की मांग की। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग अंतरिम सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। देखा जाए तो बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हलचल मची हुई है। ढाका में तो आवामी लीग के कार्यकर्ताओं व समर्थकों पर पुलिस ने सख्ती भी बरती है। बांग्लादेश की सेना ने उनके प्रदर्शन से पहले सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया है। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बांग्लादेश की सेना-पुलिस स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कई इलाकों में बड़ा जमावड़ा किया हुआ है। बीएनपी और जमात ने घोषणा की है कि वो आवामी लीग को प्रदर्शन की अनुमति नहीं देंगे। ढाका पुलिस ने उन्हें विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं दी है। देशभर में सेना की 191 टुकड़ियां तैनात की गई है। वहीं इस बीच सरकार के विभिन्न हलकों ने चेतावनी भी दी है कि आवामी लीग को विरोध मार्च आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अवामी लीग को फासीवादी करार देते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी को नियोजित रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं देगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि अंतरिम सरकार देश में किसी भी हिंसा या कानून व्यवस्था को तोड़ने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

यूएस की कानूनी आव्रजन प्रणाली चरमरायी, अवैध शरणार्थियों को भेजेंगे उनके देश- रामास्वामी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष भारतीय-अमेरिकी सहयोगी विवेक रामास्वामी ने अवैध शरणार्थियों को उनके देश वापस भेजने की योजना का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश में कानूनी आव्रजन प्रणाली चरमरा गई है। अब समय आ गया है कि इसे ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रवेश करते वक्त कानून तोड़ने वाले लोगों को यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें वापस अपने देश जाना होगा। उद्यमी से नेता बने रामास्वामी ने एबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, 'क्या हमारे पास एक चरमरायी हुई कानूनी आव्रजन प्रणाली है हां, ऐसा ही है। मुझे लगता है कि पहला कदम कानून व्यवस्था बहाल करना होगा। इसे बहुत ही व्यावहारिक तरीके से करना होगा।' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जो लोग आए हैं, उन्होंने देश में जड़ें नहीं जमाई हैं। जिन लोगों ने भी अपराध किया है, उन्हें इस देश से बाहर जाना चाहिए। यानी कि लाखों की संख्या में। यह अपने आप में सबसे बड़ा सामूहिक प्रत्यर्पण होगा। रामास्वामी ने कहा कि सभी अवैध शरणार्थियों के लिए सरकारी सहायता बंद की जाएगी। आप देखेंगे कि लोग खुद देश छोड़कर चले जाएंगे। 5 नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की शानदार जीत के बाद पहली बार रामास्वामी रविवार को कई मीडिया कार्यक्रमों में दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि वह प्रशासन में अपनी भविष्य की भूमिका को लेकर उच्च स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी रहे रामास्वामी अब उनके कटु समर्थक व विश्वासपात्र बनकर उभरे हैं। रामास्वामी ने कहा, 'मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप देश को एकजुट करने के बारे में सोचते हैं। मुझे लगता है कि यही ट्रंप का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने पहले कार्यकाल से भी काफी कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि वह दूसरे कार्यकाल में उन कुछ चीजों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने जा रहे हैं जिन्हें वह पहले कार्यकाल में हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि इसे देखकर मुझे लगता है कि यह एक अच्छी बात होगी।

पाकिस्तानी सीमा पर खूनी जंग; आतंकी हमले में 5 बलूच ईरानी सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच रविवार को पाकिस्तानी सीमा के पास हुए आतंकवादी हमले में 5 ईरानी सैनिकों की मौत हो गई है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि मारे गए जवान अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बासिज बल के बलूच सदस्य थे। रिपोर्ट के मुताबिक हमला सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के सरवन शहर में हुआ है। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले ईरान ने बताया था कि रिवोल्यूशनरी गार्ड बलों ने एक सैन्य अभियान में तीन आतंकवादियों को मार गिराया था और नौ आतंकियों को गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि संदिग्ध किस समूह से जुड़े हुए थे।

गौरतलब है कि पिछले महीने अज्ञात बंदूकधारियों ने इलाके में यहां रिवोल्यूशनरी

गार्ड के प्रमुख सहित चार लोगों की हत्या कर दी थी। इससे पहले सितंबर में दो अलग-अलग हमलों में सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में चार सैनिकों की मौत हो गई थी। इन हमलों की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल ने ली थी। ये समूह जातीय बलूच अल्पसंख्यक के लिए अधिकारों की मांग करता है।

सरवन शहर ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,400 किलोमीटर दूर स्थित है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर स्थित इस इलाके में आतंकवादी समूहों, ड्रग तस्करों और ईरानी सुरक्षा बलों के बीच अक्सर झड़प होते हैं। वहीं यह ईरान के सबसे कम विकसित भागों में से एक है। यहां रहने वाले सुन्नी मुस्लिम और ईरान के शिया मुस्लिमों के बीच संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शेरा एनर्जी ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम छमाही में कर बाद लाभ में 57 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। नॉन फेरस मेटल से निर्मित वाइंडिंग वायर्स और स्ट्रिप्स के निर्माण के बिजनेस में लगी हुई, शेरा एनर्जी लिमिटेड वित्त वर्ष 25 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री नसीम शेख ने कहा, शेरा एनर्जी में वित्त वर्ष 25 की प्रथम छमाही जांबिया में हमारा प्रथम अफ्रीकन निर्यात ऑर्डर प्राप्त होने और हमारे प्रोडक्शन क्षमता के व्यूहात्मक विस्तार सहित उल्लेखनीय उपलब्धियां द्वारा रेखांकित की गई है. ये कदम क्वालिटी और टिकाऊ ग्रोथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिससे हम दोनों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नए सुअवसरों को कैप्चर करने की स्थिति में आए है. हमारे पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडियरी राजपूताना इंडस्ट्रीज जो अब पब्लिकली लिस्टेड कंपनी है, हमारी बाजार उपस्थित की फिर से पुष्टि करते हुए हमारे फुटप्रिंट को बढ़ाती है. व्यूहात्मक भागीदारियों के बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ, हम विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्र में उभरते सुअवसरों का दोहन करने के लिए बेहतर स्थिति में है. आगे देखने पर मुझे शेरा एनर्जी की ग्रोथ ट्रांजैक्ट्री में विश्वास है. हमारे विस्तारों, बढ़ी क्षमता और बढ़ी भागीदारी से ग्लोबल नॉन फ़ेरस मेटल उद्योग में एक लीडर बनने के हमारे विजन को सपोर्ट मिलता है. इनोवेशन, क्वालिटी और परिचालन उत्कृष्टता पर फोकस के साथ हम बाजार की उभरती मांग को पूरा करने और हमारे स्टेकधारकों को लास्टिंग वैल्यू डिलीवर करने के लिए तैयार है. भविष्य में भारी संभावना है और हम टिकाऊ ग्रोथ और उद्योग लीडरशिप के लिए इस मोमेंटम पर निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है.

राजपूताना इंडस्ट्रीज ने ने 81 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 258 करोड की कुल आय अर्जित की

मुंबई, एजेंसी। कॉपर, अल्युमिनियम, ब्रास और विभिन्न अलॉयस से निर्मित प्रोडक्ट में सुविज्ञता रखने वाली नान फेरस मेटल रीसाइकलिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी, राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, राजपूताना इंडस्ट्रीज लिमिटेड की चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्रीमती शिवानी शेख ने कहा, वित्त वर्ष 25 की हमारे प्रथम छमाही का परिणाम नॉन मेटल रीसाइकलिंग क्षेत्र में राजपूताना इंडस्ट्रीज की मजबूत स्थिति की फिर से पुष्टि करते हुए पब्लिकली लिस्टेड कंपनी के तौर पर एक अपवादात्मक शुरुआत को दर्शाता है. यह सकारात्मक वित्तीय प्रदर्शन हमारी टीम की प्रतिबद्धता और समर्पण द्वारा चालित हमारे व्यूहात्मक अप्रोच और ऑपरेशनल लचीलेपन पर रोशनी डालता है. गौरतलब है कि हमने इस प्रथम छमाही में हाई कास्ट डेट में उल्लेखनीय कमी की है, जिससे हमारा वित्तीय फाउंडेशन मजबूत होता है तथा हमारे टिकाऊ ग्रोथ उद्देश्यों के अनुरूप ये प्रयास जिम्मेदार बिजनेस पद्धतियों पर हमारे फोकस पर जोर देता है, जो हमारे दीर्घकालीन विजन पर केंद्रित बने हुए हैं. आगे देखने पर, हम दूसरी छमाही में हमारे ऑपरेशन को बढ़ाने के तौर पर दोनों टॉप लाइन और बॉटम लाइन में सुधार के साथ जोरदार प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, हमारे हाल के केबल प्लांट विस्तार ने इस अवधि में मैनपॉवर कास्ट में वृद्धि करते समय अभी तक अपना पूर्ण आय प्रभाव नहीं दर्शाया है

बजट- खुदरा महंगाई 14 माह में सबसे अधिक रहने की आशंका ! अक्टूबर में 6 प्रतिशत के पार जाने का अनुमान, अभी राहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और उच्च आधार प्रभाव के खत्म होने से अक्तूबर, 2024 में खुदरा महंगाई एक बार फिर आरबीआई के तय दायरे से बाहर निकलकर 6 फीसदी के पार पहुंच सकती है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न सिर्फ आम आदमी के घर का बजट बिगड़ जाएगा, बल्कि रेपो दर में हालिया कटौती की संभावनाएं भी धूमिल हो जाएंगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई अक्तूबर में बढ़कर 6.15 फीसदी के स्तर पर पहुंच जाएगी। यह अगस्त, 2023 के बाद इसका 14 महीने का उच्च स्तर होगा। उस समय खुदरा महंगाई 6.83 फीसदी रही थी, जबकि जुलाई, 2023 में बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 फीसदी पर पहुंच गई थी।

खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण खुदरा महंगाई सितंबर में भी बढ़कर 9 महीने के उच्च स्तर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई थी, जबकि अगस्त में यह 3.65 फीसदी रही थी। इस दौरान खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर भी अगस्त के 5.66 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 9.24 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई थी।

सब्जियां और खाद्य तेल में उछाल

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर के बाद अक्तूबर में भी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उछाल आया है। इसकी मुख्य वजह सब्जियां और खाद्य तेल हैं। देश में नीति निर्माताओं के लिए खाद्य कीमतें अब भी एक चुनौती बनी हुई हैं, जो खुदरा महंगाई को स्थायी तौर पर चार फीसदी तक लाना चाहते हैं। खाद्य आपूर्ति में व्यवधान (अगर कोई हो), खाद्य तेलों पर आयातित मूल्य दबाव और डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाली सरकार में व्यापार शुल्क वृद्धि के प्रभाव जैसे कारकों से महंगाई पर जोखिम बना हुआ है। इन पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

मार्च तिमाही में मिल सकती है राहत

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबकी निगाहें खरीफ सीजन में कटाई और रबी फसल की बुवाई की प्रगति पर होंगी। सबकुछ ठीक रहा तो चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही यानी जनवरी-मार्च तक खाद्य महंगाई में कमी आने की उम्मीद है।

दिसंबर में भी नहीं घटेगी रेपो दर

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पिछली बैठक में भी अक्तूबर में महंगाई को लेकर चिंता जताई गई है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास भी हाल ही में अक्तूबर में खुदरा महंगाई के और तेजी से बढ़ने का संकेत दे चुके हैं। साथ ही, स्पष्ट कहा था कि दिसंबर के पहले सप्ताह में एमपीसी की होने वाली बैठक में दो साल से यथावत रेपो दर में कोई कटौती नहीं होगी। -यूनियन बैंक की रिपोर्ट में रेपो दर में फरवरी, 2025 से 50 आधार अंकों की कटौती का चक्र शुरू होने का संकेत दिया गया है।

टमाटर के दाम 120 फीसदी बढ़े

क्रिसिल का हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर में टमाटर की कीमतें एक साल पहले की समान अवधि के 29 रुपये से 120.68 फीसदी बढ़कर 64 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। बारिश के कारण टमाटर की आवक प्रभावित हुई है। प्याज की कीमतें सालाना आधार पर 46 फीसदी बढ़ी हैं। आलू की कीमतों में 51 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है।

दिव्यांगों को मिलेंगी और बेहतर सुविधाएं, लतिका और एचएबी फार्मास्यूटिकल्स की साझेदारी से मिशन होगा मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में करीब 40-90 मिलियन (चार से नौ करोड़) लोग किसी न किसी कारणवश दिव्यांग हैं। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार यानी आपी2डी अधिनियम, 2016 में 21 प्रकार के दिव्यांगों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनमें बौद्धिक विकलांगता, दृश्य हानि, श्रवण हानि, चलने-फिरने में अक्षमता, बोलने की समस्या, सेरेब्रल पाल्सी (मस्तिष्क पक्षाघात) और बौनापन शामिल है। ये सभी स्थितियां क्वालिटी ऑफ लाइफ को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं।

ऐसे लोगों को सशक्त बनाने और दिव्यांगों के जीवन को सुलभ बनाने के लिए गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) लतिका निरंतर काम कर रही है। हाल ही में लतिका ने एचएबी फार्मास्यूटिकल्स के साथ साझेदारी की है ताकि दिव्यांगों के लिए और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। एचएबी फार्मास्यूटिकल्स ने लतिका एनजीओ के सेंटर ऑफ इंफ्लूयंस एंड इंक्ल्यूजन के लिए पूरी तरह से सुसज्जित डॉक्टर्स रूम तैयार किया है। इस बारे में लतिका के एक सदस्य ने कहा, हम इस

समर्थन के लिए एचएबी फार्मास्यूटिकल्स के बहुत आभारी हैं। ये योगदान हमें दिव्यांगों को सुलभ वातावरण में आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में काफी मदद करेगा। इसका दिव्यांगजनों और उनके परिवार के जीवन पर विशेष प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि लतिका का सेंटर ऑफ इंफ्लूयंस एंड इंक्ल्यूजन विकलांग बच्चों और वयस्कों तथा उनके परिवारों को बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सेवाएं प्रदान करता है। एचएबी फार्मास्यूटिकल्स के इस सहयोग से मिशन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एचएबी फार्मा एक अग्रणी दवा कंपनी है, जो देहरादून और वसई में स्थित है। ये जाइडस और एल्केम सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों के लिए दवा निर्माण करती है।

12 नवंबर को बंद रहेंगे सभी बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में सभी बैंक कल मंगलवार को बंद रहेंगे। 12 नवंबर को सभी पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर बैंक बंद रहने वाले हैं। ईगास-बग्वाल के कारण देश के कुछ राज्यों में बैंक बंद रहने वाले हैं। ऐसे में ग्राहकों को बैंक छुट्टी को ध्यान में रखकर अपना काम निपटाना होगा। यहां उन राज्यों की लिस्ट दी है जहां मंगलवार को बैंक बंद रहेंगे। चेक करें आरबीआई ने क्यों दी है छुट्टी।

मंगलवार 12 नवंबर को उत्तराखंड में सभी बैंक बंद रहने वाले हैं। उत्तराखंड में 12 नवंबर को ईगास-बग्वाल त्योहार मनाया जाएगा। ईगास, जिसे बग्वाल भी कहा जाता है, उत्तराखंड का एक पारंपरिक त्योहार है। ईगास बग्वाल दिवाली के 11 दिन बाद मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से गढ़वाल क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाता है और इसके साथ कई लोक परंपराएं जुड़ी हुई हैं। माना जाता है कि भगवान राम के अयोध्या लौटने की सूचना पहाड़ों में थोड़ी देरी से मिली थी, इसलिए स्थानीय लोग दिवाली के कुछ दिन बाद इसे दीप पर्व के रूप में मनाते हैं। इस दिन घरों और मंदिरों में दीप जलाए जाते हैं, भक्ति गीत गाए जाते हैं और भैलो खेला जाता है, जो लकड़ी की मशाल जलाकर मनाए जाने वाला एक पारंपरिक खेल है। ईगास-बग्वाल के दिन ग्रामीण इलाकों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं, जैसे कि उरद की पकोड़ी, भट के पकौड़े और कई तरह की मिठाइयां। इस दिन सामूहिक नृत्य, गीत-संगीत और लोक नाट्य का आयोजन भी होता है, जिसमें स्थानीय लोग पारंपरिक परिधानों में सजधज कर भाग लेते हैं। उत्तराखंड सरकार ने इस पर्व की महत्ता को समझते हुए राज्य में इसे सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, ताकि लोग अपनी सांस्कृतिक धरोहर को मनाने के लिए अपने गांव और परिवारों में जा सकें। ईगास-बग्वाल केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड के लोगों की संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, जो उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है।

यहां खुले रहेंगे बैंक

उत्तराखंड के अलावा देश के अन्य राज्यों में बैंक खुले रहेंगे। हालांकि, बैंक बंद होने के बावजूद लोग इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम के जरिए फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन कर सकेंगे।

नारियल ने बदल दी किस्मत, नौकरी छोड़कर शुरू किया कारोबार, आज सालाना करोड़ों रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल की सुमिला जयराज ने कभी नहीं सोचा था कि नारियल का कारोबार उनकी किस्मत बदल कर रख देगा। कभी नौकरी करने वालीं सुमिला आज नारियल के बने कई प्रोडक्ट बनाती हैं। इनकी ग्रीनौरा इंटरनेशनल नाम की कंपनी दुनियाभर में इनके प्रोडक्ट बेचती है। अपने कारोबार से सुमिला का रेवेन्यू सालाना करोड़ों रुपये है।

केरल के त्रिशूर की रहने वालीं सुमिला ने कभी नहीं सोचा था कि वह नारियल के कारोबार में उतरेंगी। सुमिला अपनी शादी के बाद मुंबई चली गई थीं। कुछ समय बाद ही वह जुड़वा बच्चों की मां बन गईं। उनका पूरा समय घर और बच्चों की देखभाल में निकल जाता था। 6 साल बाद उनके पति काम के सिलसिले में दुबई चले गए। बच्चे पढ़ाई में व्यस्त हो गए। ऐसे में उन्होंने जॉब करने के बारे में सोचा। सुमिला ने जब तय कर लिया कि वह नौकरी करेंगी तो वह वापस केरल आ गईं। यहां उन्होंने वर्जिन नारियल तेल बनाने वाली एक कंपनी में नौकरी शुरू कर दी। वह यहां ग्राहकों की कॉल अटेंड करती थीं और ईमेल आदि का काम देखती थीं। यहां जॉब करते हुए उन्हें वर्जिन नारियल तेल के कारोबार में दिलचस्पी पैदा हुई।

निवेश मंत्रः छोटे शहरों की जमीन में निवेश पर बेहतर रिटर्न; उप्र में उत्तम अवसर, महाराष्ट्र-गोवा में 36 प्रतिशत तक फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बड़े शहरों में जमीनों के भाव इतने ऊपर चले गए हैं कि उनमें तेजी की गुंजाइश कम है। एक तो इन शहरों में साफ टाइटल वाली जगह मिलना भी मुश्किल है। दूसरा, इन शहरों में जमीनें इतनी महंगी होती हैं कि उसे खरीदना भी कठिन है। ऐसे में उन छोटे शहरों में जमीनें खरीदने में बेहतर रिटर्न मिल सकता है, जहां पर अभी धार्मिक, इन्फ्रास्ट्रक्चर, हिल स्टेशन, पर्यटन, नए कारोबारी केंद्र या फिर कोई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आ रहे हैं। उदाहरण के तौर, पर मुंबई से अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की घोषणा के बाद जमीनों के भाव आसमान पर पहुंच गए हैं। हालांकि, बुलेट ट्रेन के शुरू होने में अभी बहुत समय है।

उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में आकर्षण का केंद्र है। यहां धार्मिक, पर्यटन और नए कारोबारी केंद्रों के साथ बुनियादी ढांचे पर भी सरकार का जोर है। अयोध्या में

राम मंदिर के बनने से यहां जमीनों के दाम 15 गुना बढ़े हैं। जो जमीन पहले 50 लाख रुपये एकड़ थी, अब पांच करोड़ रुपये एकड़ हो गई है। हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के चेयरमैन बताते हैं, 2021 में उन्होंने 50 लाख के भाव से जमीन ली थी। इस साल जो उन्होंने अंतिम बिक्री की, वह पांच करोड़ रुपये थी। उनका मानना है, यूपी में अभी वृंदावन, वाराणसी, हिमाचल में शिमला और पंजाब में अमृतसर ऐसे शहर हैं, जहां जमीनों में निवेश के अपार मौके हैं। आंकड़े बताते हैं कि महाराष्ट्र के छोटे शहरों और गोवा में भी जमीनों पर अच्छा फायदा मिला है। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र के दापोली में जनवरी 2023 से लेकर अब तक जमीनों पर 24 फीसदी रिटर्न मिला है। यहीं पर एक अन्य स्थान पर मई, 2021 से लेकर अब तक 29 फीसदी का रिटर्न मिला है। अलीबाग में पिछले साल अप्रैल से लेकर अब तक जमीनों के दाम 29 फीसदी तक बढ़ गए हैं। गोवा में अक्तूबर, 2022 से लेकर अब तक 36 फीसदी तक का लाभ मिला है।

जानकार बताते हैं कि जमीन खरीदते समय सावधानी बरतनी जरूरी है। आप किसी ब्रांडेड बिल्डर से जगह या प्रोजेक्ट लेते हैं तो आपको उसमें स्पष्ट टाइटल की जगह मिलेगी। साथ ही, सारी प्रक्रिया भी आसानी से और जल्दी होती है। आजकल डिजिटल का जमाना है तो बहुत सारे प्रोजेक्ट अब डिजिटली भी जांच किए जा सकते हैं।

अपना पैसा: बचत के 50-30-20 नियम से बजट बनाने में मिलेगी मदद, कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाने में काफी कारगर

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों के हासिल करने के लिए अपनी कमाई के अनुसार बजट बनाना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। इससे पता चलता है कि आप अपनी कमाई का कितना हिस्सा खर्च करते हैं और कितनी रकम बचाते हैं। बचत से आपकी वित्तीय सेहत का भी पता चलता है। इसके लिए खर्च और बचत के नियम 50-30-20 को समझना आवश्यक है। नियम के मुताबिक, हर व्यक्ति को अपनी कमाई का 50 फीसदी हिस्सा जरूरी चीजों पर खर्च करना चाहिए। 30 फीसदी हिस्सा लग्जरी या इच्छाओं पर खर्च किया जाना चाहिए। 20 फीसदी हिस्से का इस्तेमाल बचत या कर्ज चुकाने में किया

जाना चाहिए। मान लीजिए, आपकी मासिक कमाई 80,000 रुपये है। इसे 50-30-20 नियम के मुताबिक तीन हिस्सों में बांट लें। 50 फीसदी हिस्से यानी 40,000 रुपये को घर के जरूरी खर्चों के लिए अलग रख दें।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने किया प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह का आयोजन

अहमदाबाद । मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के उपलक्ष्य में प्रोस्टेट की अच्छी सेहत, शुरुआती चरण में पहचान और इलाज के अत्याधुनिक विकल्पों की अहमियत को उजागर किया, और समुदाय को पुरुषों की, खास तौर पर 60 साल से ज़्यादा उम्र के पुरुषों की सेहत से जुड़ी इस बड़ी समस्या से अवगत कराने के अपने संकल्प को और मजबूत किया है। प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के आरंभ होने के बाद से ही, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने प्रोस्टेट कैंसर के बारे में लोगों को बड़े पैमाने पर जागरूक करने और पुरुषों को अपनी सेहत के लिए एहतियाती कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की मुहिम शुरू कर दी है। प्रोस्टेट कैंसर दुनिया भर में पुरुषों को अपनी चपेट में लेने वाले कैंसर के सबसे सामान्य प्रकारों में से एक है

फिनो बैंक ने घरेलू बचत को बढ़ावा देने के लिए गुल्लक बचत खाते का अनावरण किया

भोपाल । बैंकिंग को आसान सरल और सुविधाजनक बनाने के बाद फिनो पेमेंट्स बैंक अब ग्राहकों की बचत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए फिनो बैंक ने आज गुल्लक नामक एक नया बचत खाता का अनावरण करने की घोषणा की है, जो ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई लाभ प्रदान करता है और उनकी बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है।

कोई भी व्यक्ति फिनो बैंक के मध्य प्रदेश राज्य में फैले लगभग 87000 मर्चेंट पॉइंट्स पर जाकर गुल्लक खाता खोल सकता है और इसके लाभों का आनंद ले सकता है। केवल 1000 रुपये के न्यूनतम बैलेंस के साथ गुल्लक खाताधारक को कोई वार्षिक योजना शुल्क नहीं देना होगा उन्हें नकद जमा करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा, गैर.मेट्रो स्थानों में 7 मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन का लाभ मिलेगा और रुपे डेबिट कार्ड पर विशेष ऑफ़र मिलेंगे।

नुसरत ने खुद को दिया नया शॉर्ट नेम कोल

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने खुद को नया नाम कोल दिया है। ऐसा उन्होंने क्यों किया है ये भी समझाया है। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गोवा में एक परफॉरमेंस के लिए मेकअप करवा रही हैं। क्लिप में वह कहती हुई सुनाई दे रही हैं, मैं सोना चाहती हूं.. मैं 48 घंटों से सोई नहीं हूं और मैं यहां गोवा में हूं और मुझे लगा कि मैं झपकी ले पाऊंगी और तैयार होने से पहले सो पाऊंगी, लेकिन नहीं, अब इवेंट को प्रीपोंड (तय समय से पहले) कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अपने कॉल टाइम से 2 घंटे पहले परफॉर्म करना है। इसलिए मैंने खाना भी नहीं खाया है और मैं तैयार हो रही हूं...मैं यह नहीं कर सकती। मैं सोना चाहती हूं। उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया, मेरा नया पर्सनल शॉर्ट नेम कोल क्राइंग ऑउट लाउड!! पिछले सप्ताह, एक्ट्रेस ने दीपावली मनाते हुए एक हेल्थ अपडेट पोस्ट शेयर किया और कहा कि वह अस्वस्थ हैं क्योंकि उन्हें बुखार, शरीर में दर्द और आंखों में संक्रमण है।

नुसरत ने इंस्टाग्राम पर एक कार सेल्फी शेयर की और बताया कि बीमार होने के बावजूद वह खुद को घसीटकर मीटिंग में ले गईं। कैप्शन में लिखा था, दीपावली के बाद की स्थिति, सर्दी, बुखार, खांसी, शरीर में दर्द और.. कुछ आंखों का संक्रमण! फिर भी किसी तरह खुद को मीटिंग में ले जा रही हूं! नुसरत के बारे में बात करें तो, 2002 के टेलीविजन शो किट्टी पार्टी से एक्टिंग शुरू की। उन्हें 2006 में जय संतोषी मां से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। वह कल किसने देखा, ताज महल, लव सेक्स और धोखा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इसके बाद नुसरत लव रंजन द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी बडी फिल्म प्यार का पंचनामा में दिखाई दीं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, दिव्येंदु शर्मा, रायो एस बखिरता, सोनाली सहगल और इशिता ने एक्टिंग की थी।

उन्होंने आकाश वाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीम गर्ल, छलांग, अजीब दास्तां, छोरी, हुड़दंग, राम सेतु, सेल्फी, छत्रपति में काम किया है। 39 वर्षीय एक्ट्रेस को आखिरी बार प्रणय मेश्राम द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर अकेली में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म विशाल फुरिया की हॉरर-थ्रिलर फिल्म छोरी 2 है।

फिल्म की शुरुआत वहीं से होती है, जहां 2021 में रिलीज हुई पहली किस्त खत्म हुई थी।

कपिल शर्मा के शो में फिर हुई सिद्धू की एंट्री

अर्चना पूरन सिंह के हाथों से छिन जाएगी जज की कुर्सी!

द ग्रेट इंडियन कपिल शो मेंकपिल शर्मा अब एक जाने-पहचाने चेहरे द कपिल शर्मा शो के पूर्व जज नवजोत सिंह सिद्धू के साथ एक रोमांचक पुनर्मिलन के लिए तैयार हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कपिल शर्मा के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इस वीकएंड पर मशहूर कॉमेडियन और होस्ट कपिल शर्मा ने अपने लोकप्रिय शो में एक प्रेरक जोड़े, नारायण और सुधा मूर्ति का स्वागत किया, उनके साथ दीपिंदर और जिया गोयल भी थे। इस एपिसोड में हास्य और दिल को छू लेने वाली बातचीत का एक आकर्षक मिश्रण था। इस यादगार एपिसोड की सफलता के बाद कपिल शर्मा अब एक जाने-पहचाने चेहरे द कपिल शर्मा शो के पूर्व जज नवजोत सिंह सिद्धू के साथ एक रोमांचक पुनर्मिलन के लिए तैयार हैं।

सिद्धू के साथ फिर जुड़े कपिल

अगले वीकएंड के लिए निर्धारित आगामी एपिसोड प्रशंसकों के लिए एक पुरानी यादों को ताजा करने वाला होगा, जो शो के पिछले सीजन की यादों को ताजा करेगा। कपिल शर्मा और नवजोत सिंह सिद्धू के फिर से एक साथ आने पर दर्शक हंसी, मजाक और यादों के मनोरंजक मिश्रण की उम्मीद कर सकते हैं, जो एक शानदार अनुभव बना देगा। शो का जारी किया गया नया प्रोमो बहुत मजेदार है।

अर्चना को लगा झटका

नए प्रोमो में कपिल शर्मा ने नवजोत सिंह सिद्धू की वापसी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि सुनील ग्रोवर ने उनकी नकल करने में महारत हासिल कर ली है। सुनील अब सिद्धू जी का रूप के रहे हैं। इस पर खुद सिद्धू कहते हैं कि यहां असली सिद्धू हैं।

अबू धाबी पहुंचे दिलजीत

फैंस को नए अंदाज में सुनाया 'खुदा गवाह'

हिंदी और पंजाबी भाषा में अपने शानदार परफॉर्मेंस और गानों से प्रशंसकों के दिलों पर राज करने वाले गायक- अभिनेता दिलजीत दोसांझ अपना जादू चलाने के लिए अबू धाबी पहुंचे। अबू धाबी में उन्होंने दर्शकों को 'तू मुझे कबूल मैं तुझे कबूल' गाना नए अंदाज में सुनाया। अमिताभ बच्चन, श्रीदेवी और नागार्जुन स्टारर 'खुदा गवाह' फिल्म के मूल गाने को मोहम्मद अजीज और कविता कृष्णमूर्ति ने गाया है। पुराने लिरिक्स के साथ दिलजीत ने नए म्यूजिक का तड़का लगाकर गाने को गाया, जिस पर वहां उपस्थित भीड़ बेहद उत्साहित नजर आई। दोसांझ इससे पहले जयपुर टूर के दौरान देशप्रेम का इजहार करते नजर आए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पगड़ी हम सबकी शान है। अपनी आवाज से दिल जीतने वाले गायक-अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक रील शेयर की। रील में दिलजीत के साथ मंच पर एक प्रशंसक भी नजर आ रहा है, जो पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी पहने हुए था। वीडियो में दिलजीत कहते नजर आ रहे हैं, इनकी पगड़ी के लिए जोरदार तालियां। ये पगड़ी हमारी शान है, ये हमारे देश की खूबसूरती है। पगड़ी हमारा गौरव है। हर दो-तीन चार घंटे बाद हमारी बोली, खाना बदल हो जाता है। ये हमारे देश की खूबसूरती है। कोई जयपुर से है, कोई गुजरात, दिल्ली से है, हरियाणा से है, पंजाब से है। हम सबसे प्यार करते हैं और हम सब देश को प्यार करते हैं। दोसांझ ने आगे कहा, मेरे मारवाड़ी भाइयों के लिए तालियां बजाएं। दिलजीत अबू धाबी दौरे से पहले भारत के 10 शहरों के दौरे पर निकले थे। दिलजीत हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे और कोलकाता जैसे कई शहरों में परफॉर्मेंस दे चुके हैं। इस बीच दिलजीत के वर्कफ्रंट की बात करें तो गायक अभी अपने कन्सर्ट को लेकर व्यस्त हैं।

श्रीजिता डे ने सालभर के अंदर ही दोबारा की शादी

टीवी एक्ट्रेस श्रीजिता डे ने दोबारा शादी कर ली है। इस बार उन्होंने बंगाली रीति-रिवाज से शादी की है और फिलहाल हल्दी और मेहंदी की झलक शेयर की है। श्रीजिता के फंक्शन में उनके दोस्त शिव ठाकरे ने भी जमकर मस्ती की। इसकी फोटोज बेहद सुंदर हैं। टीवी एक्ट्रेस श्रीजिता डे और माइकल ब्लोहम पेप ने पिछले साल जर्मनी में कैथोलिक रीति-रिवाज से शादी की थी और अब वो बंगाली तरीके से फिर से शादी की। जिसमें मेहंदी, हल्दी और संगीत जैसे फंक्शन्स भी हुए। हाल ही में, श्रीजिता ने अपने मेहंदी और हल्दी से माइकल के साथ बिताए पलों को कैद करते हुए फोटोज शेयर कीं। श्रीजिता के करीबी दोस्त शिव ठाकरे भी शादी में शामिल हो रहे हैं। तस्वीरों में श्रीजिता और माइकल को गले मिलते हुए, एक साथ खुशी मनाते हुए देखा जा सकता है। माइकल ने मेहंदी के लिए एक आइवरी कलर का इंडो-वेस्टर्न ड्रेस चुना, जो एक स्टाइलिश जैकेट के साथ कैरी किया था। इस बीच, श्रीजिता एक गोल्डन सीक्विन ब्लाउज और ड्रेप स्कर्ट पहने हुए नजर आईं।

अजय देवगन करा चुके हैं एक-दो तलाक?

अजय देवगन को बॉलीवुड में शांत व्यक्तित्व वाला माना जाता है। हालांकि, उनका एक चंचल पक्ष भी है और वे सेट पर शरारतें करने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में,अभिनेता ने स्वीकार किया कि उनके कुछ मजाक की वजह से कुछ तलाक भी हो गए।

बड़े सितारों से सजी फिल्म सिंघम अगेन बड़े पर्दे पर वैसी कमाई नहीं कर सकी है, जैसी इससे उम्मीद लगाई गई थी। फिल्म का बजट काफी ज्यादा है, इस वजह से इसके अब तक के कलेक्शन को संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। हालांकि, फिल्म के कलाकार एक के बाद एक इंटरव्यूज देकर फिल्म की कमाई को अच्छी बताने की कोशिश में हैं। अब हाल ही में, अजय देवगन ने खुलासा किया है कि उनकी शरारतों के कारण 1-2 कपल का तलाक हो गया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने ऐसा क्यों कहा है।

अजय देवगन ने साझा किया किस्सा: अजय देवगन को बॉलीवुड में शांत व्यक्तित्व वाला माना जाता है। हालांकि, उनका एक चंचल पक्ष भी है और वे सेट पर शरारतें करने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में,अभिनेता ने स्वीकार किया कि उनके कुछ मजाक की वजह से कुछ तलाक भी हो गए। उन्होंने पान मसाला एड के मीम्स पर अपनी प्रतिक्रिया देने को भी याद किया।

शरारतों के लिए जाने जाते हैं अभिनेता: हाल ही में रणवीर

इलाहाबादिया के साथ बातचीत के दौरान, अजय देवगन और रोहित शेट्टी सिंघम अगेन की रिलीज के बाद के इंटरव्यू के लिए बैठे । चर्चा के दौरान दोनों को एक बिहाइंड द सीन वीडियो दिखाया गया, जिसमें अजय देवगन ने शूटिंग सेट पर एक कैमरामैन के साथ एक शरारत की।

टीम के सदस्यों के बीच कराई लड़ाई: वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अजय देवगन और शेट्टी दोनों हंस पड़े, फिल्म निर्माता ने टिप्पणी की कि यह एक छोटी सी शरारत थी। फिर उन्होंने एक और बड़ी शरारत के बारे में याद दिलाया, जिसमें उन्होंने एक महिला और बच्चों को प्रोडक्शन टीम के एक सदस्य के घर भेजा था, यह दावा करते हुए कि वह उनकी पहली पत्नी है। इस शरारत के कारण टीम के सदस्य और उसके परिवार के बीच कहासुनी हो गई।

काजोल बनीं कवयित्री

- इंस्टाग्राम पर निराले अंदाज में कही दिल की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल को स्ट्रीमिंग थ्रिलर दो पत्ती में निभाई भूमिका के लिए काफी तारीफें मिल रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में कुछ-कुछ होता है अभिनेत्री शर्ट के साथ लॉन्ग स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में एक नोट भी डाला। काजोल ने लिखा और चांद की तरह ही तुम प्रकाश के, अंधकार के और बीच की हर चीज के चरणों से गुजरोगे और याद रखो तुम हमेशा एक ही चमक के साथ नहीं दिखाई दे सकते, तुम हमेशा, हमेशा संपूर्ण और अनाम हो। पोस्ट के अंत में उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा जस्ट दी रीड (बस इसे पढ़ें)। इससे पहले दो पत्ती अभिनेत्री स्ट्रीमिंग कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में दिखाई दी थीं, जहां उन्होंने कई मजेदार सवालों के जवाब दिए।

एक सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पति अजय देवगन को बाजीराव सिंघम के उनके किरदार को निभाने के लिए ट्रेनिंग दी थी। काजोल अपनी सह-कलाकार कृति सेनन और शहीर शेख के साथ कॉमेडी शो में शामिल हुई थीं।

कॉमेडी शो के एपिसोड के दौरान कलाकारों ने कपिल और उनकी टीम के साथ खूब मस्ती की।

होम्बले फिल्म्स ने लगाया

प्रभास पर 1000 करोड़ का दांव, 2000 करोड़ की उम्मीद

सुपरस्टार प्रभास और होम्बले फिल्म्स ने मिलकर कई फिल्मों के लिए एक खास डील की है। इस बड़े समझौते में 'सालार पार्ट 2' के साथ दो और फिल्में शामिल हैं, जो एक के बाद एक रिलीज होंगी। ये किसी भी एक्टर और प्रोडक्शन कंपनी के बीच की अब तक की सबसे बड़ी डील मानी जा रही है। होम्बाले फिल्म्स ने बहुत तेजी से इंडस्ट्री में पैर पसारे हैं। 'केजीएफ चैप्टर 1', 'केजीएफ चैप्टर 2', 'कंतारा' और 'सालार 1' जैसी ब्लॉकबस्टर देने के बाद होम्बाले ने प्रभास के साथ 3 और फिल्मों की डील की है। कहा जा रहा है कि होम्बले फिल्म के फाउंडर विजय किरागंदूर ने प्रभास पर जो 1000 करोड़ का दांव लगाया है उन्हें उम्मीद है कि प्रभास अभिनीत यह फिल्में उन्हें इस 1000 करोड़ के बदले में 2000 करोड़ रुपये की वापसी करवाने में सफल होंगी। इस बात का विश्वास उन्हें सालार पार्ट-1 द सीज फायर की सफलता को देखने के बाद हुआ है। 400 करोड़ के बजट में बनी सालार पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। यह पार्टनरशिप 'सलार पार्ट 2' से शुरू होती है, जिसका डायरेक्शन प्रशांत नील ने किया है। प्रशांत ने 'केजीएफ 1', 'केजीएफ 2' और 'सलार पार्ट 1', जिसने बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का डायरेक्शन किया है। होम्बले के साथ, प्रभास दुनिया भर के दर्शकों के लिए यादगार फिल्में लाने के लिए तैयार हैं, जो उनके चार्म को दिखाती हैं और होम्बले के बड़े सिनेमाई विजन से मेल खाती हैं। होम्बले फिल्म्स के फाउंडर विजय किरागंदूर ने इस बड़ी पार्टनरशिप के बारे में बताया, होम्बले में, हम कहानी कहने की ताकत में विश्वास करते हैं जो सीमाओं से परे जाती हैं।

लगा अब प्रेग्नेंट हो जाउंगी...

जब शादी और प्रेग्नेंसी को लेकर बोलीं अविका

टीवी सीरियल 'बालिका वधू' से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अविका गौर 27 साल की है। आनंदी के रोल में दर्शकों इंप्रेस करने वाली एक्ट्रेस अब पहले से काफी बदल गई हैं। टीवी के बाद बॉलीवुड में भी कदम रख चुकी हैं। आज इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। एक्टिंग के साथ ही लुक्स और निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस मिलिंद चंदवानी को डेट कर रही हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं। ऐसे में अब उनका एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो अभी बहुत छोटी हैं। उन्होंने प्रेग्नेंसी को लेकर भी बात की थी। दरअसल, अविका गौर ने एक बार 'हाउटरफ्लाई' के साथ बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने काफी कुछ शेयर किया था। एक्ट्रेस ने बताया था कि एक वक्त ऐसा था कि उन्हें लगने लगा था कि अब वो प्रेग्नेंट हो जाएंगी और उनकी लाइफ खत्म हो जाएगी। अविका ने बताया था कि उनको लगता था कि चद्दहृद्द करने से बच्चे होते हैं।

करण ने बताया कब नहीं मांगनी चाहिए माफी

जाने माने फिल्म निर्माता-निर्देशक और होस्ट करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने माफी न मांगने का मंत्र दिया है। बताया है कि किस परिस्थिति में माफी नहीं मांगनी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में करण जौहर ने लिखा कभी भी अलग तरह से सोचने, गहराई से महसूस करने या किसी को बिना शर्त प्यार करने के लिए माफी नहीं मांगनी चाहिए। इससे पहले करण ने एक पोस्ट में लिखा आप जैसे हैं वैसे ही रहें, लेकिन तब तक नहीं जब तक आप यह पता नहीं लगा लेते कि यह क्या बकवास है।

-साभार एजेंसी

सार समाचार

विराट की फॉर्म पर टिप्पणी के लिए गंभीर ने पोंटिंग को दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड से मिली शर्मनाक टेस्ट सीरीज हार और कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत टीम इंडिया के कई सीनियर खिलाड़ियों के फ्लॉप शो पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने सवाल उठाए थे। इसके जवाब में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पलटवार किया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कप्तान रोहित शर्मा सहित अपने सीनियर खिलाड़ियों का समर्थन किया और कहा कि पोंटिंग को ऑस्ट्रेलियाई टीम के बारे में बात करनी चाहिए।

रोहित और कोहली दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की घरेलू सीरीज में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। रोहित ने छह पारियों में एक अर्धशतक सहित केवल 91 रन बनाए, जबकि कोहली ने 93 रन बनाए, जिनमें से 70 रन बेंगलुरु में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में आए। गंभीर ने कहा, रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा अभी भी खेल के प्रति जुनूनी हैं और वह अपने करियर में अभी और अधिक बुलंदी हासिल करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, वे सफलता के भूखे हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यहां तक ??कि अन्य खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि हम एक समूह के रूप में सुधार करेंगे। विराट और रोहित को लेकर मुझे कोई चिंता नहीं है।

गंभीर ने सीनियर बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा जताया और उनकी फॉर्म पर किसी भी तरह के संदेह को खारिज कर दिया। मुख्य कोच ने कहा, रोहित और विराट के लिए मुझे किसी भी तरह की चिंता नहीं है। वे मजबूत खिलाड़ी हैं और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। दरअसल, पिछले सप्ताह पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में विराट कोहली के फॉर्म पर चिंता जताते हुए लगातार फ्लॉप शो के बावजूद टेस्ट टीम में उनके चयन पर सवाल उठाए थे।

डेविड वार्नर ने भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरु होने से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वार्नर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने लिए आमंत्रित किया है। टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया द्वारा जारी एक नई सोशल कंटेंट सीरीज में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वार्नर के अपने मनपसंद पर्यटक स्थल सिडनी, मेलबर्न और गोल्ड कोस्ट में छुट्टियां बिताने के उनके अनुभवों को साझा किया है। चार संस्करण की इस सीरीज को टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के इन्स्टाग्राम अकाउंट एट द रेट ऑस्ट्रेलिया पर दिखाया जाएगा। इसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत के ठीक कुछ सप्ताह पहले भारत में लॉन्च किया गया है। वार्नर ने नई सोशल कंटेंट सीरीज पर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग करने पर जारी बयान कहा, 'हमारे अद्भुत वन्यजीवन से लेकर हमारी कॉफ़ी संस्कृति और सिडनी ऑपेरा हाउस तथा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे आइकॉन्स तक, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने देश के बैकयार्ड्स को दिखाने का अवसर पाकर बहुत उत्साहित हूँ। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पाँच टेस्ट मैचों की सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में 22 नवंबर, 2024 से आरम्भ होने जा रही है।

रोहित की गैर मौजूदगी में

जसप्रीत बुमराह करेंगे पर्थ टेस्ट में कप्तानी : गौतम गंभीर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो इस मैच की कप्तानी जसप्रीत बुमराह करेंगे। यह जानकारी भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दी। पर्थ टेस्ट दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट होगा।

निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा का पहला टेस्ट मैच खेलना फिलहाल स्पष्ट नहीं है। इसी वजह से उपकप्तान जसप्रीत बुमराह का नाम पहले मैच में कप्तानी के लिए आगे आया है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होते हैं तो उपकप्तान जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। गंभीर ने डिपार्चर से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, फिलहाल रोहित के न खेलने को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे। अगर रोहित उपलब्ध नहीं होते हैं तो हम पहले टेस्ट के करीब आकर फैसला करेंगे। केएल राहुल टीम में हैं। अभिमन्यु टीम में हैं। हम सर्वश्रेष्ठ संभावित प्लेइंग इलेवन उतारने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बुमराह ने इससे पहले 2022 में बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। उस समय कोरोना महामारी के चलते रोहित को मैच खेलने से बाहर कर दिया गया था। जब गंभीर से पूछा गया कि रोहित की अनुपस्थिति में कप्तान की भूमिका कौन निभाएगा तो उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह उपकप्तान हैं और अगर रोहित शर्मा उपलब्ध नहीं हैं तो वह टीम की अगुवाई करेंगे। गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम में में किसी भी स्थान पर अच्छा प्रदर्शन करने की केएल राहुल की क्षमता की भी सराहना की।

उन्होंने कहा, आप अनुभवी खिलाड़ियों के साथ भी जा सकते हैं। मुझे लगता है कि यह एक व्यक्ति की खूबी है कि वह वास्तव में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। आप तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, और वह वास्तव में छठे स्थान पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए आपको इस तरह के काम करने के लिए काफी प्रतिभा की आवश्यकता होती है, और उन्होंने एक दिवसीय प्रारूप में भी विकेटकीपिंग की है। गंभीर ने कहा, तो कल्पना कीजिए कि कितने देशों के पास केएल राहुल जैसे खिलाड़ी हैं जो वास्तव में बल्लेबाजी की शुरुआत कर सकते हैं और छठे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह हमारे लिए यह काम कर सकते हैं, खासकर अगर रोहित पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

कप्तान रोहित शर्मा हुए बाहर !

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाना है. मगर इससे पहले भारतीय टीम के लिए एक तगड़ा झटका देने वाली खबर सामने आ रही है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के साथ रवाना नहीं हो रहे हैं.

ऐसे में स्पष्ट है कि रोहित शर्मा सीरीज का पहला टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे. उनकी जगह उपकप्तान जसप्रीत बुमराह को कमान संभालनी पड़ सकती है. बता दें कि कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बनने वाले हैं. माना जा रहा है कि अगले कुछ दिन में रोहित की पत्नी रितिका सजदेह बच्चे को जन्म दे सकती हैं. ऐसे में रोहित उनके पास रहेंगे.

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं रहेंगे कप्तान रोहित

हाल ही में खबर आई थी कि रोहित पहले बैच में भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं. साथ ही वो जरूरत पड़ने पर पहले और दूसरे टेस्ट के बीच में वापस आ सकते हैं.

लेकिन अब यह सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम दो बैच में 11 और 12 नवंबर को रवाना होगी. अगर रोहित शर्मा इस बैच के साथ जा रहे होते तब वे भी मीडिया से बातचीत का हिस्सा बनते. भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई है. इसमें रोहित शामिल नहीं हैं. इसका वीडियो भी सामने आया है.

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क.

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर.

रिजर्वः मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद.

भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा

(नवंबर-जनवरी 2025)
22-26 नवंबर- पहला टेस्ट, पर्थ
6-10 दिसंबर-दूसरा टेस्ट, एडिलेड
14-18 दिसंबर- तीसरा टेस्ट, ब्रिस्बेन
26-30 दिसंबर- चौथा टेस्ट, मेलबर्न
03-07 जनवरी- पांचवा टेस्ट, सिडनी

मैच गंवाकर बोले सूर्यकुमार यादव

अभी 2 गेम बाकी हैं, बहुत सारा मनोरंजन बाकी है

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने गक्बेरहा के मैदान पर दूसरा टी20 मुकाबला 7 विकेट से गंवा लिया। दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स और जेराल्ड ने अंतिम ओवरों में साझेदारी कर भारत के जबड़े से जीत छीन ली। इसी के साथ भारत की 11 मैचों से चल रही विजयी स्ट्रीक भी टूट गई।

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार मुकाबले जीते थे। इसके बाद बांग्लदेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से जीतने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में जीत से ही शुरूआत की थी। सूर्यकुमार की टी20 में बतौर कप्तान यह केवल तीसरी हार ही है। मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि आपको जो भी कुल मिलता है उसका हमेशा समर्थन करना होता है। बेशक, टी20 मैच में आप 125 या 140 का स्कोर नहीं बनाना चाहते, लेकिन हमारे लड़कों ने जिस तरह से गेंदबाजी की, उस पर मुझे गर्व है।

वरुण चक्रवर्ती की परफार्मेंस पर उन्होंने कहा कि यह टी20 गेम में 125 रन का बचाव करते मिले बेस्ट 5 विकेट है। यह अविश्वसनीय है। उन्होंने अपने खेल पर वास्तव में कड़ी मेहनत की। वह इस चरण का इंतजार कर रहे थे और सभी ने इसका आनंद लिया। उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। अभी दो गेम बाकी हैं, बहुत सारा मनोरंजन बाकी है और जोबर्ग में मजा आएगा।

ऐसा रहा मुकाबला

गक्बेरहा की उछाल भरी पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स और अंत के ओवरों में जेराल्ड कोइट्जी के बड़े शॉटों की बदौलत पर भारत से दूसरा टी20 मुकाबला 3 विकेट से जीत लिया।

125 रन का पीछा करते वक्त 86 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी दक्षिण अफ्रीका को ट्रिस्टन और जेराल्ड ने अंत के ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर जीत दिला दी। 19वें ओवर में मुकाबले की उम्मीद थी लेकिन अर्शदीप को 4 चौके पड़े जिससे भारतीय टीम यह मुकाबला गंवा बैठी। इससे पहले हार्दिक पांड्या की 47 रन की धीमी पारी की बदौलत भारतीय टीम 124 रन ही बना पाई थी। अब चार मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है।

हार्दिक पंड्या को मैदान पर तेवर दिखाना पड़ा भारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या इस साल सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हुए हैं। कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर तो कभी क्रिकेट करियर को लेकर। हार्दिक एक बार फिर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार्दिक ने जिस तरह के तेवर दिखाए उस तरह की बल्लेबाजी नहीं कर पाए। इसी कारण अब वह ट्रोल हो रहे हैं।

भारतीय टीम को थी रनों की जरूरत

भारतीय टीम ने दूसरे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 124 रन बनाए थे। आखिर के ओवर्स में जब टीम को ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जरूरत थी तो भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फ्लॉप और अर्शदीप सिंह स्ट्राइक पर थे। 19वां ओवर डालने की जिम्मेदारी गेराल्ड कोएत्जी को दी गई। पहली गेंद पर अर्शदीप सिंह ने सिंगल नहीं ले पाए। दूसरे छोर पर खड़े हार्दिक स्ट्राइक पर आने को बेताब थे।

जॉस बटलर ने मारा इतना लंबा छक्का कि स्टेडियम पड़ गया छोटा

नईदिल्ली, एजेंसी। जॉस बटलर. बात अगर व्हाइट बॉल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी ट्वेंटी20 क्रिकेट में धूम मचाने की हो तो ये नाम ही काफी है. बटलर जब बल्ले से बरस रहे हों तो अच्छे-अच्छे गेंदबाज भी उन्हें गेंद डालने से कतराते हैं. और, ऐसा क्यों है इसका एक खूबसूरत नजारा वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 में देखने को मिला. जॉस बटलर ने इस मैच में क्या नहीं किया. कप्तानी पारी खेली.

ताबड़तोड़ रनों की बारिश की. चौके जमाए और एक के बाद एक 6 छक्के भी. लेकिन, बटलर के दिखे इस शो का जो स्टॉपर रहा, वो रहा वो लंबा छक्का, जिसके आगे स्टेडियम भी पड़ गया छोटा. इंग्लैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला ब्रिजटाउन में खेला जा रहा था. मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 158 रन बनाए. जवाब में 159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम के लिए ओपनिंग जोड़ी के ना चलने के बाद पारी को संभालने का जिम्मा कप्तान जॉस बटलर ने उठाया. बटलर ने क्रीज पर उतरने के बाद ज्यादा इंतजार नहीं कराया और दर्शकों को अपने उस अंदाज का दीदार कराना शुरू कर दिया, जिसके लिए वो वर्ल्ड फेमस हैं.

बेखौफ अंदाज में खेलते हुए बटलर ने 32 गेंदों पर अपना 24वां टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक पूरा किया और फिर उस पारी को आगे बढ़ाते हुए 45 गेंदों पर 83 रन तक ले गए. उनके बल्ले से कुल 9 चौके और 6 छक्के निकले.

वो छक्का जिसके लिए स्टेडियम पड़ गया छोटा!

जॉस बटलर ने मैच में अपना पहला छक्का छठे ओवर की चौथी गेंद पर जड़ा था. लेकिन जो 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर अपनी इनिंग का दूसरा छक्का जो उन्होंने जड़ा, उस पर तो कमाल ही हो गया. वो छक्का इतना ऊंचा, इतना लंबा गया कि उसके लिए स्टेडियम भी मानों छोटा पड़ गया. बटलर ने ये छक्का वेस्टइंडीज के स्पिनर मोती के खिलाफ लगाया था.

बटलर ने लगाया कितना मीटर लंबा छक्का?

बटलर के बल्ले से टकराकर निकलने के बाद वो छक्का हवा में लहराते हुए सीधे स्टेडियम की छत पर जाकर लैंड हुआ.

और, फिर उसने वहां से स्टेडियम के बाहर का मोड़ ले लिया. वीडियो देखकर अगर आप इस छक्के की दूरी का अंदाजा नहीं लगा पा रहे तो चलिए हम बता देते हैं. बटलर का ये सिक्स 115 मीटर लंबा रहा. इसके बाद बटलर ने 4 छक्के और लगाए,

न्यूजीलैंड -श्रीलंका टी-20 | # लॉकी की हैट्रिक और ग्लेन फिलिप्स के 3 विकेट से जीता न्यूजीलैंड

सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच खेले गए 2 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इस मैच में कीवी टीम ने लॉकी फर्ग्यूसन की हैट्रिक और ग्लेन फिलिप्स के 3 विकेट की मदद से मैच को 5 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद न्यूजीलैंड ने 2 मैचों की टी20 सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीता था और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में न्यूजीलैंड की टीम को 19.3 ओवर में 108 रन पर आउट कर दिया। इस टीम को जीत के लिए 109 रन का आसान टारगेट मिला था, लेकिन श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 103 रन पर आउट हो गई और उसे 5 रन से हार मिली। इस हार के साथ ये सीरीज भी ड्रॉ हो गया।

पहली पारी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की गेंदबाजी काफी अच्छी रही और वानिंदु हसरंगा ने 4 विकेट झटके जबकि मथिशा पथिराना ने 3 तो वहीं नुवान तुषारा ने 2 जबकि महीश तीक्षणा ने एक विकेट लिया। कीवी टीम की तरफ से विल यंग ने सर्वाधिक 30 रन की पारी खेली तो वहीं कप्तान मिचेल सैंटनर ने 19 रन जबकि जोस कार्लसन ने 24 रन बनाए।

लॉकी फर्ग्यूसन की हैट्रिक

लॉकी ने इस मैच में गजब की गेंदबाजी की और हैट्रिक विकेट भी हासिल किया। उन्होंने इस मैच में छठे ओवर की आखिरी गेंद पर (ये उनके पहले ओवर की आखिरी गेंद थी) कुसल परेरा को 3 रन पर कैच आउट करवा दिया। इसके बाद जब वो पारी का 8वां ओवर फेंकने आए (जो उनका दूसरा ओवर था) और इसकी पहली ही गेंद पर उन्होंने किमांदु मेंडिस को एक रन पर पगबाधा आउट कर दिया और फिर ओवर की दूसरी ही गेंद पर चरित असलंका को डक पर आउट करके अपना हैट्रिक पूरा किया। लॉकी ने 2 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि ग्लेन फिलिप्स अपने हैट्रिक से चूक गए, लेकिन उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर मैच ही पलट दिया और उन्होंने1.5 ओवर में 6 रन देकर 3 विकेट लिए। श्रीलंका की तरफ से दूसरी पारी में पथुम निसांका ने 51 गेंदों पर 52 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। लॉकी प्लेयर ऑफ द मैच बने जबकि वानिंदु हसरंगा प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए।

संक्षिप्त समाचार

भारत में इस्कोन को बैन कर देना चाहिए : मातृ प्रसाद मिश्रा

पुरी, एजेंसी। ह्युस्टन में 9 नवंबर को इस्कोन ने रथयात्रा का आयोजन किया था। इस रथयात्रा को लेकर इस्कोन की आलोचना हो रही है। दरअसल पहले ही इस्कोन ने ओडिशा सरकार और पुरी के गजपति महाराज को आश्वासन दिया था कि तय समय के अलावा रथयात्रा का आयोजन नहीं किया जाएगा। अमेरिका के ह्युस्टन में रथयात्रा निकाली गई जिसमें भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष विराजमान थे। इसें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां नहीं रखी गई थीं। इस्कोन के फेस्टिवल ऑफ ब्लिस के दौरान ऐसा किया गया था। इसके बाद ओडिशा सरकार और श्रद्धालुओं ने भी इस कार्यक्रम की आलोचना की है। पुरी के गोवर्धन पीठ के प्रवक्ता मातृ प्रसाद मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम धर्म विरुद्ध था। उन्होंने कहा कि भारत में इस्कोन को बैन कर देना चाहिए। मिश्रा ने कहा, ह्युस्टन में इस्कोन ने लिखित में आश्वासन दिया था कि वे असमय रथ यात्रा का आयोजन नहीं करेंगे। उन्होंने हमारे धर्म के साथ साजिश की है। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि इस मामले में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ही कोई फैसला करेगा। हालांकि मंदिर जो भी निर्णय लेगा राज्य की सरकार उसका समर्थन करेगी। वहीं ह्युस्टन इस्कोन की तरफ से वेबसाइट पर बयान दिया गया कि पहले मंदिर ने प्रतिमाओं के साथ में रथ यात्रा करने का विचार किया था। हालांकि जब स्थानीय लोगों ने भी इसपर चिंता जाहिर की तो इस योजना में परिवर्तन किया गया। बयान में कहा गया कि उत्सव में आने वाले श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना चाहते हैं। वहीं परंपरा का भी सम्मान करना जरूरी है। बयान में कहा गया, अगले महीने भारत में इस्कोन और पुरी के पदाधिकारोंयि के बीच में बैठक होगी और जो भी सहमति बनेगी उसके अनुसार कार्य किया जाएगा। पारंपरिक कैलेंडर और श्रद्धालुओं की इच्छा दोनों का ध्यान देते हुए कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए।

करणी सेना का ऐलान - अनमोल बिश्नोई पर एक करोड़, तो गोल्डी बरार को मारने पर 51 लाख रुपये

अहमदाबाद, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई पर नकद पुरस्कार की घोषणा करने वाले करणी सेना के अध्यक्ष राज शेखावत ने एक बार फिर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह लॉरेंस के खिलाफ घोषित की गई नकद पुरस्कार राशि देने के फैसले पर आज भी अडिग हैं। राज शेखावत ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा है, अतंकवादी अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बरार, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और वीरेंद्र चारण पर नकद पुरस्कार की घोषणा। आतंकी लॉरेंस की पुरस्कार राशि पर हम आज भी कायम है और आगे भी कायम रहेंगे। अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बरार, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और वीरेंद्र चारण की। इन आतंकवादियों पर भी नकद पुरस्कार की घोषणा क्षत्रिय करणी सेना द्वारा की जाती है। उन्होंने इनामी राशि की घोषणा करते हुए बताया, अनमोल बिश्नोई पर 1,00,00,000 रुपये- (एक करोड़), गोल्डी बरार पर 51,00,000 रुपये- (51 लाख), रोहित गोदारा पर 51,00,000 रुपये- (51 लाख), संपत नेहरा पर 21,00,000 रुपये- (21 लाख) और वीरेंद्र चारण पर 21,00,000 रुपये- (21 लाख)। राज शेखावत ने आगे कहा, अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारों, साजिशकर्ताओं को ठोका जाएगा। आओ योद्धाओं हम क्षत्रिय धर्म का निर्वहन करें और आतंकवाद तथा भय मुक्त भारतवर्ष हो यह सुनिश्चित करें। मां करणी का आशीर्वाद सदैव बना रहे। इससे पहले उन्होंने ऐलान किया था कि जो भी पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा, उसे एक करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपये का इनाम दिया जाएगा।

गहरे ध्यान से आचरण में सुधार नहीं हो रहा तो स्पष्ट है कि आपकी दिशा सही नहीं: ब्रह्मचारी गौतमानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

केवल गहरा ध्यान ही महत्वपूर्ण नहीं, महत्वपूर्ण यह भी है कि उस ध्यान का आप पर कितना प्रभाव है? आपके व्यवहार में उसका असर क्या है? अगर गहरे ध्यान के बाद भी आपके आचरण में सुधार नहीं, तो फिर गहरा ध्यान करना और नहीं करना दोनों बराबर है। आपके आचरण में छुपी बुराई और आपके द्वारा किये जानेवाले अनुचित व्यवहार भी यह बता देता है कि आप गहरे ध्यान में कभी गये ही नहीं, क्योंकि चित्त में बुराई का होना भी गहरे ध्यान में नहीं जाने का संकेत दे देता है। यह बातें रविवार को योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी गौतमानन्द ने योगदा भक्तों के बीच कही।

उन्होंने कहा कि आप जैसा जीते हैं, वो हमारे ध्यान पर असर डालता है। उन्होंने कहा कि जब कोई हमसे कहता है कि आप अपने व्यवहार पर ध्यान दें, उसमें सुधार लाये, ठीक करें। तो ये बाते हमारे अंदर छुपी अहंकार को चुभती है।

जब हम अपने आचरण व व्यवहार को ठीक करने में लगाते हैं तो सही मायनों में हमारा अहंकार जाता रहता है।

उन्होंने कहा कि हमेशा यह याद रखें कि योग हमें सामंजस्यतापूर्ण जीवन जीने की कला सीखाता है। हमेशा आप अपने योगदा से संबंधित गुरुओं द्वारा बताये मार्गों का अनुसरण करें, ये बहुत ही जरुरी हैं। केवल ध्यान करने से आपके अंदर अच्छी भावनाएं नहीं जागृत होंगी। हमेशा आचरण को बेहतर बनाने का अभ्यास करते रहे। उन्होंने कहा कि विचार सही है तो आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि होगी और अगर विचार सही नहीं है तो आपके अंदर नकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि होगी।

ब्रह्मचारी गौतमानन्द ने कहा कि दूसरों की सेवा, बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को अच्छे कामों के लिए मौका देना आपको बेहतर इन्सान बनाने में मदद करती है। आप दूसरों से अपेक्षा रखना छोड़ दें। उससे अच्छा रहेगा कि आप यह देखें कि आपको कैसे कोई काम करना है और क्यों करना हैं? यही एक साधक के महत्वपूर्ण गुण है।

उन्होंने कहा कि ऐसे साधक या मनुष्य ही स्वयं शांतचित्त रहते हैं तथा अपने आस-पास एक बेहतर माहौल को जन्म दे देते हैं। हालांकि मनुष्यों की यह स्वाभाविक प्रवृत्ति होती हैं, वे अवगुणों की ओर ज्यादा और बहुत ही तेजी से आकृष्ट होते हैं, जबकि अच्छे लोग या महान संत हमेशा गुणों को महत्व देते हैं।

उन्होंने योगदा भक्तों को सलाह दी कि जब क्रोध या कोई अवगुण आपको ढंकने या आपके उपर प्रभुत्व जमाने की कोशिश करें तो आप तुरन्त उसका प्रतिकार करें, उस पर काबू पाने का प्रयास करें।

यह कहकर कि यह आपका स्वभाव नहीं हैं या वो आप नहीं हैं। अगर आप ऐसा प्रयास नहीं करते तथा लंबे समय तक इस प्रवृत्ति को लेकर नहीं चल सकते तो फिर आप बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मानव मन हमेशा से अपनों के द्वारा किये गये गलतियों को तो क्षमा कर देता हैं। लेकिन दूसरों के द्वारा किये गये गलतियों को क्षमा नहीं करता और जो दूसरों की गलतियों को क्षमा नहीं करता, उसके प्रति प्रेम नहीं रखता, वो ईश्वर के दिव्य प्रेम को कभी समझ ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि अपनी प्राण शक्ति को हम जैसे-जैसे ध्यान के द्वारा उच्च अवस्था की ओर ले जाते हैं। हमारा विचार भी उच्च अवस्था में आने लगता है। हमेशा याद रखे कि हमारी कई शत्रुएं हैं। जो हमें बेहतर इन्सान बनाने से रोकती है। पहला ङ्क स्वाध्याय से दूरी ङ्क जब हम गुरुजी के द्वारा लिखी गई पुस्तकों से दूरियां बनाते हैं तो हम अपने विचारों को बेहतर बनाने में बाधक बनने लगते हैं। दूसरा ङ्क बुरी आदते। तीसरा ङ्क चंचल मन और चंचल विचार, इस चंचल मन को हम योग के द्वारा ही ठीक रख सकते हैं। इसलिये योगदा द्वारा बताये गये क्रिया योग का जितना हम अभ्यास करेंगे। हम उतनी ही बेहतर स्थिति में चलते चले जायेंगे। चौथा -चंचल प्राणशक्ति मतलब अपने प्राणशक्ति को बेहतर बनाने का हमेशा प्रयास करें, मतलब स्थिर रखने का प्रयास करें। पांचवां लक्ष्य का अभाव, हमेशा लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित रखें।

(लेखक बिहार-झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार व विद्रोही24. कॉम के सम्पादक हैं)

हिमाचल के शिमला में बड़ा हादसा, धूं-धूं कर जलने लगे गांव के कई घर

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में सर्दियों के मौसम में अग्निकांड की घटनाएं कोहराम मचाने लगी हैं। शिमला जिला के रोहडू उपमण्डल के स्मरकोट इलाके के सेरी गांव में भीषण अग्निकांड हुआ है। सोमवार तड़के करीब चार बजे गांव के एक घर में आग लग गई। आसमान चूमती लपटों ने देखते ही देखते साथ लगते घरों को जलाकर राख कर दिया। घरों की रसोई में रखे सिलेंडरों के ब्लास्ट होने से आग और भड़क गई।

आग से कपड़े, बिस्तर, बर्तन, खाद्यान्न समेत गृहस्थी का सारा सामान भी राख हो गया। लकड़ी के बने घरों से उठती आसमान चूमती लपटें देख पूरे गांव में हाहाकार मच गया। घरों में मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई। आग की जद में आये घरों के बगल के एक घर में शादी का आयोजन चल रहा था। आग ने पशुशालाओं को भी अपने आगोश में ले लिया।

इस घटना में एक गाय की जिंदा जलने से मौत हो गई। घंटों जूझने के बाद दमकल कर्मी आग पर काबू पा सके। दमकल की चार गाड़ियों को आग बुझाने में करीब साढ़े तीन घंटे लग गए। रोहडू से दो और चिड़गांव व जुब्बल से एक-एक दमकल वाहन ने आग पर काबू पाकर पूरे गांव को खाक होने से बचाया। आग में सब कुछ गंवा देने से कई परिवार अब खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट मानी जा रही है। प्रभावितों में कैलाश पुत्र शिव सरण, मोहन लाल पुत्र सोहन लाल और दो अन्य शामिल हैं। रोहडू के फायर ऑफिसर संजीव वर्मा ने बताया कि आग बुझाने के लिए तीन दमकल केंद्रों से चार दमकल वाहन बुलाए गए और आग को नियंत्रित कर लिया गया है। रोहडू के डीएसपी रविन्द्र नेगी ने बताया कि अग्निकांड की इस घटना में चार घर पूरी तरह से राख हुए हैं। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ में हाथियों के रौंदने से दो मासूमों की मौत; माता-पिता सहित अन्य बच्चों ने भागकर बचाई जान

सूरजपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ से हाथियों के हमले में दो मासूम बच्चों की जान चले जाने की खबर सामने आई है। घटना सूरजपुर की है। यहां जंगल में झोपड़ी बनाकर रह रहे जनजाती परिवार के ऊपर हाथियों के झुंड ने देर रात सोते समय हमला कर दिया। इसमें परिवार के दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। वहीं पति-पत्नी और तीन अन्य बच्चे भागकर जान बचाने में कामयाब हो गए। घटना के बाद से परिवार में मातम का माहौल छाया हुआ है।

बताया गया कि देर रात हाथियों ने हमला बोला तो बिखू पंडो अपनी पत्नी और पांच बच्चों के साथ झोपड़ी में सो रहे थे। अचानक हुए हमले में पति-पत्नी और अन्य तीन बच्चों ने किसी तरह भागकर जान बचा ली, लेकिन दो बच्चे गहरी नींद में सोने के कारण वहां से भागने में कामयाब नहीं हो सके। इनके नाम बिसू पंडो और काजल है। इनकी उम्र 11 साल और 5 साल है। हाथियों ने झोपड़ी को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया था। इस हमले में भागने में कामयाब ना होने वाले दोनों मासूमों की जान चली गई। जंगल से भागने के बाद पांचो गांव चले गए और रात गुजारने के बाद वापस आए तो देखकर दंग रह गए। पूरी झोपड़ी तहस-नहस हो चुकी थी। दोनों बच्चों की लाशें पड़ी थीं। झोपड़ी में रखा अनाज भी हाथी चट कर गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि हाथी इस इलाके के आस-पास काफी समय से घूमते हुए पाए गए थे, लेकिन वन विभाग के लोगो ने पंडो जनजाती के परिवार को इसके बारे में आगाह नहीं किया था।

इस मामले पर आगे जांच की जाएगी और लोगों को इस तरह की घटनाओं से सुरक्षित रखने के लिए आगाह करने की भी तैयारियां की जा रही

लखनऊ और नोएडा में महिलाओं के लिए बनेंगे 4-4 श्रमजीवी हॉस्टल, शासन ने डीएम से मांगी जमीन

लखनऊ एजेंसी। कामकाजी महिलाओं के लिए लखनऊ तथा नोएडा में चार-चार श्रमजीवी हॉस्टल बनाए जाएंगे। इन हॉस्टल में फैक्ट्री, कार्पोरेट कार्यालयों तथा निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाली महिलाएं तथा युवतियों के रहने की सुविधा रहेगी। शासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। शासन की विशेष सचिव ने लखनऊ, मेरठ के कमिश्नर, लखनऊ व गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा एलडीए वीसी को पत्र लिखकर शीघ्र जमीन उपलब्ध कराने को कहा है।महिला कर्मचारियों व कामगारों को शक्तिशाली बनाने के लिए शासन उनके लिए नयी योजनाओं पर काम कर रहा है। इनकी शक्ति को बढ़ाने के लिए औद्योगिक क्षेत्र, बहुराष्ट्रीय कंपनियां वाले इलाकों तथा अन्य निजी कार्यालयों के नजदीक के क्षेत्रों में श्रमजीवी हॉस्टल बनाए जाएंगे। फिलहाल पहले चरण में इसके लिए लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर नोएडा को चयनित किया गया है। इन दोनों शहरों में चार-चार श्रमजीवी हॉस्टल बनेंगे। शासन की सचिव बी चंद्रकला ने 8 नवंबर 2024 को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इनमें से प्रत्येक हॉस्टल की क्षमता पांच पांच सौ होगी। यानी एक हॉस्टल में 500 महिलाएं रह सकेंगी। इससे एक शहर में दो हजार महिलाओं के रुकने का इंतजाम रहेगा। इन हॉस्टल के निर्माण के लिए प्राधिकरण के साथ-साथ जिलाधिकारी से भी जमीन मांगी गई है।

डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे का सफर हुआ महंगा

फरीदाबाद एजेंसी। एनसीआर वासियों के लिए किरंज टोल प्लाजा से डीएनडी-केएमपी, मुंबई-वड़ोदरा आना-जाना 12 नवंबर से तीन गुना महंगा हो जाएगा। टोल की नई दरें मंगलवार रात 12 बजे से लागू होंगी। एक तरफ से आवाजाही के साथ ही मल्टीपल जर्नी और मासिक पास की दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। अब कार से किरंज टोल प्लाजा पर एक तरफ के लिए 150 रुपये टोल देना होगा, जबकि पहले यह दरे 50 रुपये थीं। वहीं बदरपुर टोल प्लाजा की दरें अन्य सभी टोल प्लाजा से कम हैं। नोएडा और गाजियाबाद की दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। 59 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे नोएडा में डीएनडी फ्लाईओवर से शुरू होकर कालिंदी कुंज, फरीदाबाद होते हुए जिला पलवल के मण्डकोल में केएमपी एक्सप्रेस से जुड़ रहा है। इसी के साथ यहां पर यह रोड जिला नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे में भी जुड़ रहा है। इस सड़क को तीन हिस्सों में बनाया जा रहा है। फरीदाबाद में सेक्टर 65 से जिला नूंह तक के 26 किलोमीटर हिस्से को पिछले साल ट्रैफिक के लिए खोला जा चुका है। जिस पर पलवल के समीप किरंज टोल प्लाजा बना है। अब सेक्टर 65 से दिल्ली में मीठापुर तक का 24 किलोमीटर हिस्से को भी ट्रायल के लिए खोल दिया गया है। इसे 12 नवंबर से पूरी तरह से खोलने की तैयारी है। इसके बाद शहर में 50 किमी लंबे एक्सप्रेसवे वाहन फर्राटा भरने लगेंगे। मुंबई-वड़ोदरा के साथ राजस्थान आना जाना आसान हो जाएगा। जिसे देखते हुए एनएचएआई ने किरंज टोल प्लाजा की दरों में इजाफा किया है। कार से एक तरफ की जर्नी पर 100 रुपये बढ़ा दिए गए हैं। वहीं, दोनों तरफ से आवाजाही के लिए 150 रुपये तक बढ़ा दिए गए है। हल्के व्यावसायिक वाहनों के लिए एक तरफ से जाने पर 165 रुपये व भारी वाहनों के लिए सिंगल जर्नी पर 345 रुपये टोल दरें बढ़ाई गई हैं। नए रेट लागू होने के साथ मासिक पास भी महंगे हो जाएंगे। कार के लिए जो मंथली पास अभी तक 1650 रुपये में बनते थे, वह अब 5030 रुपये में बनाए जाएंगे। एनएचएआई की ओर से पिछले वर्ष डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे के सेक्टर 65 से जिला नूंह तक 26 किलोमीटर के स्टेच को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला गया था। सात माह पहले किरंज टोल प्लाजा पर अप्रैल में टोल दरे बढ़ाई गई थी।

पवार महाराष्ट्र के बहुत सम्मानित नेता हैं, लेकिन एक समय था जब उनके फैसलों ने सभी दलों को प्रभावित किया था: नितिन गडकरी

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बीजेपी पर लग रहे पार्टी तोड़ने के आरोपों के बीच दिग्गज नेता शरद पवार का जिक्र किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि पवार ने भी अपने समय में ऐसे फैसले लिए थे। कहा जा रहा था कि महाराष्ट्र में लोकसभा के नतीजे राजनीतिक उथल-पुथल का नतीजा थे। 2022 में शिवसेना के दो हिस्से हुए और 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बंट गई थी। एक न्यूज चैनल से बातचीत में गडकरी ने कहा कि प्यार और जंग में सब जायज है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रहते हुए शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने सभी पार्टियां तोड़ीं...। उन्होंने शिवसेना तोड़ी और छगन भुजबल और अन्य को बाहर लाए, लेकिन राजनीति में ऐसा चलता रहता है। अब यह सही है या गलत यह अलग बात है...। एक कहावत है कि प्यार और जंग में सब जायज है। उन्होंने कहा कि पवार महाराष्ट्र के बहुत सम्मानित नेता हैं, लेकिन एक समय था जब उनके फैसलों ने सभी दलों को प्रभावित किया था। जून में संपन्न लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के खाते में राज्य की 48 में से 30 सीटें आई थीं। वहीं, महायुति को 17 पर जीत मिली थी। इनमें से शिवसेना यूबीटी ने 9, एनसीपी एसपी ने 8 और कांग्रेस ने 13 सीटें जीती थीं। वर्धा जिले के अरवी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भाजपा न तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पार्टी है और न ही उनकी, बल्कि यह उन कार्यकर्ताओं की पार्टी है जिन्होंने अपना जीवन इसके लिए समर्पित कर दिया है। नागपुर से भाजपा के लोकसभा सदस्य गडकरी ने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपने उस समय को याद किया जब वह राज्य के विदर्भ क्षेत्र के पड़ोसी वर्धा जिले में दो अन्य लोगों के साथ एक ही स्कूटर पर यात्रा करते थे। कांग्रेस को घेरा गडकरी ने कहा, 'भारत के 75 साल के इतिहास में कांग्रेस ने कभी भी देश के ग्रामीण इलाकों के विकास को प्राथमिकता नहीं दी। गांवों में न सड़कें थीं, न पीने का पानी था।'

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टैंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)